Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

खेल

41 की उम्र में युवा खिलाड़ियों को मात देते क्रिस्टियानों रोनाल्डो

चार बच्चे पैदा करें हिंदू, एक आरएसएस को समर्पित कर दें : बाबा बागेश्वर

देश

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • सोमवार • 27 अप्रैल 2026 • वर्ष 05 • अंक 66 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

इजराइल के गाजा हमले में चार की मौत, लेबनान में पर्चे गिराकर दी चेतावनी

एजेंसी, गाजा पट्टी/बेरूत । गाजा और लेबनान के लोग इजराइल के हमलों से जूझ रहे हैं। आज सुबह गाजा पर हुए इजराइली हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई है। साथ ही इजराइल ने लेबनान में पर्चे गिराकर लोगों को चेतावनी दी है। लेबनान के साथ सैन्य विराम के बीच इजराइल लगातार हिजबुल्लाह के ठिकानों और आतंकवादियों को निशाना बना रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि एक हवाई हमले में अल-मुगराका के मध्य गांव के पास एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि इजराइली गोलीबारी और गोलाबारी में गाजा शहर के पास दो अन्य लोग मारे गए। इजराइली सेना ने दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में 40 साल की एक महिला को गोली मार दी। बाद में इस महिला की मौत हो गई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अक्टूबर 2023 से अब तक गाजा में कम से कम 72,587 लोग मारे जा चुके हैं। अक्टूबर 2025 में संघर्ष विराम होने के बाद भी हमले थमे नहीं हैं। उधर, इजराइल ने लेबनान के टायर जिले के गांवों में पर्चे गिराए हैं।

इस्लामाबाद वार्ता विफल होने पर तुर्किये ने अमेरिकी वार्ताकारों और ईरान ने ओमान से बात की

एजेंसी, अंकारा/मस्कट । ईरान और अमेरिका की इस्लामाबाद वार्ता का दूसरा चरण विफल होने के बाद तुर्किये ने अमेरिकी पक्ष से इस संबंध में फोन पर बातचीत की है। ईरान ने ओमान से अपनी पीड़ा साझा की है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के अनुसार, विदेश मंत्री हाकान फिदान ने अमेरिकी वार्ताकारों के साथ फोन पर हुई बातचीत में इस्लामाबाद वार्ता में हुई ताजा गतिविधियों पर चर्चा की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार तुर्किये ने अमेरिका और ईरान के बीच एक कूटनीतिक मध्यस्थ की भूमिका निभाई है। अंकारा ने युद्धविराम की भी वकालत की है और कहा है कि ईरान पर अमेरिका-इजराइल ने एकीकृत हमला करके अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। ओमान की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सईद ने राजधानी मस्कट में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने क्षेत्रीय स्थिति और ईरान पर अमेरिका-इजरायल के युद्ध को समाप्त करने के उद्देश्य से किए जा रहे मध्यस्थता के प्रयासों पर चर्चा की।

केंद्रीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पत्नी सहित ताजमहल को निहारा

एजेंसी, आगरा । केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को सुबह पत्नी के साथ विश्व धरोहर ताजमहल का दीदार किया। इसके बाद होटल में आगरा के निर्यातकों और उद्योगपतियों के साथ बैठक में भाग लिए। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल शनिवार की रात सपत्नीक दिल्ली से आगरा पहुंचे। एक पंच सितारा होटल में रात विश्राम के बाद रविवार सुबह पत्नी सीमा गोयल के साथ करीब 6 बजे ताजमहल पहुंचे। शिल्पग्राम से गोल्फ कार्ट के माध्यम से ताजमहल के पूर्वी गेट पर पहुंचकर ताजमहल में प्रवेश किया। करीब 2 घंटे ताजमहल में बिताने के दौरान साथ में चल रहे गाइड से ताजमहल के निर्माण की बारीकियों के बारे में जानकारी ली और डायना बेंच पर पत्नी के साथ फोटोशूट कराया। ताजमहल भ्रमण के बाद गोयल होटल अमर विलास के लिए प्रस्थान कर गए। वह आगरा में जूता, खिलौना, फार्मा, आयुष निर्यातकों एवं उद्योगपतियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लिए, जहां निर्यात में आने वाली समस्याओं, उनके निराकरण तथा सुझावों पर विचार विमर्श किया। उल्लेखनीय है कि आगरा जूता निर्माण, निर्यात एवं व्यापार में भारत का एक बहुत बड़ा हब है। वर्तमान में पश्चिम एशिया के हालातों को देखते हुए जूता उद्योग पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों पर भी चर्चा की गई।

सांसद रवि किशन के चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल और भाजपा में झड़प

एजेंसी, हावड़ा

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच उत्तर हावड़ा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार उमेश राय के समर्थन में रविवार दोपहर अभिनेता व सांसद रवि किशन के प्रचार के दौरान तृणमूल कानर्यकर्ताओं ने 'जय बांग्ला' के नारे लगाए। इससे भाजपा और तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई।

सूत्रों के मुताबिक, भाजपा सांसद रवि किशन उत्तर हावड़ा से उम्मीदवार उमेश राय के समर्थन में बामनगाछी इलाके में रोड शो कर रहे थे। उसी समय अरविंद स्कूल के पास तृणमूल कांग्रेस पार्टी कार्यालय के सामने खड़े तृणमूल समर्थकों ने भाजपा के जुलूस के खिलाफ 'जय बांग्ला' के नारे लगाने शुरू कर दिए। दूसरी तरफ से भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम और चोर-चोर के नारे लगाए। जिसको लेकर दोनों पक्षों में पहले बहस हुई और देखते ही देखते मारपीट हो गई। भाजपा ने आरोप लगाया कि तृणमूल के लोगों ने उन पर लाठी और बांस से हमला किया। हालांकि, तृणमूल ने दावा किया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने

बिना वजह के जुलूस में शामिल तृणमूल कार्यकर्ताओं पर लाठी और रॉड से हमला किया। इस झड़प से इलाके में ज़्यादा तनाव का माहौल बन गया। सूचना पाकर सेंट्रल फोर्स और पुलिस मौके पर पहुंची और और मामले को नियंत्रित किया। आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

नदिया जिले में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया रोड शो

एजेंसी, आसनसोल । पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्दवान में दूसरे चरण का मतदान करीब हैं और चुनाव प्रचार पूरे जोर-शोर से चल रहा है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को नदिया जिले में रोड शो किया। इस रोड शो को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम लोगों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। रोड शो के दौरान नितिन नवीन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि पूरा भारत नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने इस चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है और भाजपा इसमें नेतृत्व कर रही है। उनके अनुसार, राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं से ज्यादा आम लोग सड़कों पर उतरकर समर्थन जता रहे हैं।

खाड़ी मिशन पर एनएसए डोभाल, अबू धाबी में यूएई राष्ट्रपति से अहम मुलाकात

- सऊदी अरब दौरे के बाद बढ़ाया कूटनीतिक संपर्क, क्षेत्रीय तनाव और सुरक्षा मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी, अबू धाबी

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल खाड़ी देशों के अहम दौरे पर हैं। इसी क्रम में उन्होंने अबू धाबी पहुंचकर संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाहयान से मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस उच्चस्तरीय बैठक में क्षेत्रीय स्थिरता, पश्चिम एशिया के मौजूदा भू-राजनीतिक हालात और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। खास तौर पर इजरायल-ईरान तनाव के बाद क्षेत्र में पैदा हुए असंतुलन और उसके संभावित प्रभावों पर दोनों पक्षों ने विचार-विमर्श किया। डोभाल का यह दौरा भारत की खाड़ी नीति के तहत रणनीतिक संपर्क बढ़ाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। इससे पहले वह सऊदी अरब का भी दौरा कर चुके हैं, जहां उन्होंने ऊर्जा, विदेश और सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें की थीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर की जा रही है और इसका उद्देश्य खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करना है। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हुई बैठकों में चार प्रमुख मुद्दों पर फोकस किया गया था, जिनमें वैश्विक व्यापार मार्गों की सुरक्षा, सप्लाई चेन की स्थिरता, होर्मुज जलडमरूमध्य और फारस की खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा चिंताएं, खुफिया सहयोग बढ़ाना और आर्थिक संबंधों को मजबूत करना शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच भारत अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय कूटनीति अपना रहा है।

देश में गेहूं उत्पादन बेहतर, बढ़े रकबे और खरीद के आंकड़े से उछाल के संकेत

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में इस साल 3.34 करोड़ हेक्टेयर में हुई गेहूं की बुवाई के बाद बेहतर कृषि प्रबंधन और उन्नत किस्मों के उपयोग के चलते मौसम की मार के बावजूद गेहूं उत्पादन समग्र रूप से बेहतर रहा। फरवरी की गर्मी, असमय बारिश और ओलावृष्टि के असर के बावजूद हरियाणा में 56.13 लाख मीट्रिक टन खरीद, मध्य प्रदेश में लक्ष्य बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन और महाराष्ट्र में 22.90 लाख टन उत्पादन के अनुमान है, जो अच्छा उत्पादन है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष लगभग 3.34 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं की बुवाई की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। पूरे सीजन के दौरान फसल में किसी बड़े कीट या रोग का प्रकोप नहीं देखा गया। मंत्रालय के अनुसार, फरवरी में असामान्य रूप

से अधिक तापमान के कारण फसल पर हीट स्ट्रेस का असर पड़ा, जिससे दानों के भरने की अवधि प्रभावित हुई। इसके अलावा, कुछ क्षेत्रों में असमय बारिश और ओलावृष्टि से स्थानीय स्तर पर नुकसान की आशंका रही है। हालांकि, कई सकारात्मक कारकों ने इन प्रतिकूल प्रभावों को संतुलित किया है। समय से पहले बुवाई, अधिक क्षेत्र में खेती, उन्नत और जलवायु सहनशील किस्मों का उपयोग तथा खरपतवार और कीटों का कम प्रकोप उत्पादन को स्थिर बनाए रखने में सहायक रहे हैं।

तारापुर से पहली बार विधायक बने और मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला, जो एक बड़ी जिम्मेदारी : सम्राट चौधरी

एजेंसी, मुंगेर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र तारापुर शनिवार को पहुंचे। यहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 133वें एपिसोड को सुना। इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि वे तारापुर से पहली बार विधायक बने और पहली बार ही मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला, जो उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी और चुनौती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें अपने क्षेत्र की सेवा करने का अवसर मिला है और वे अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए आए हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय तक बिहार को सजाने और विकास देने का

काम किया। साथ ही उन्होंने प्रशासनिक सख्ती का संकेत देते हुए कहा कि अब मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा ब्लॉक और अंचल स्तर तक मॉनिटरिंग की जाएगी और यदि कोई पदाधिकारी एक महीने से अधिक फाइल लंबित रखता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। सम्राट चौधरी ने खुले मंच से कहा कि प्रखंड, अंचल और पुलिस थानों के कामकाज की निगरानी अब सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कोई अधिकारी बिना किसी वैध कारण के जानबूझकर किसी फाइल में एक महीने (30 दिन) से अधिक की देरी करता है या उसे दबाकर बैठ जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के लिए किए जाने वाले काम में जानबूझकर देरी करना भ्रष्टाचार का ही एक रूप है, जिसे अब किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को स्पष्ट करते हुए सम्राट चौधरी ने खुद का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि तारापुर में उनके अपने घर की सीढ़ी भी सरकारी जमीन पर पाई गई थी, जिसे प्रशासन द्वारा ध्वस्त किया जा रहा है।

चिट्टा तस्कर को कोर्ट ने सुनाई चार साल की सजा

एजेंसी, शिमला । जिला शिमला में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक पुराने मामले में अदालत ने दोषी को कड़ी सजा सुनाई है। रोहड़ू क्षेत्र में दर्ज एक चिट्टा तस्करी के मामले में विशेष अदालत ने आरोपी को चार साल के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा दी है। यह फैसला नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस की जांच और अदालत में मजबूत पैरवी के बाद आया है। यह मामला 14 नवंबर 2023 का है, जब थाना रोहड़ू पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक होटल में नशे की गतिविधि हो रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी थी। इस कार्रवाई के दौरान आरोपी सूरज राणा, निवासी तहसील मोरी, जिला उत्तरकाशी (उत्तराखंड) के कब्जे से 10.34 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया था।

मन की बात : प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुदेव को याद करने से लेकर ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियां साझा की

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में रविवार को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को याद करते हुए उन्हें बहु आयामी प्रतिभा के धनी, लेखक और महान विचारक बताया और कहा कि उन्होंने कई प्रसिद्ध संस्थाओं को आकार दिया। प्रधानमंत्री ने शांति निकेतन की अपनी यात्रा को अविस्मरणीय बताया। 9 मई रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम से देश की ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी दो बड़ी उपलब्धियां साझा की। उन्होंने तमिलनाडु के कलपक्कम स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर द्वारा क्रिटिकलिटी हासिल करने पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। साथ ही पवन

ऊर्जा क्षेत्र में देश की उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंचने की उपलब्धि का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' के 133वें एपिसोड में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ी उपलब्धि को भारत की परमाणु ऊर्जा यात्रा में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि यह रिएक्टर पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, जो देश की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता को दर्शाता है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने देश के अलग-अलग राज्यों में पवन ऊर्जा क्षमता के विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि पिछले 1 साल में देश ने 6 गीगावॉट क्षमता बढ़ाई है। इससे देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता 56 गीगावॉट तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के माध्यम से देश में जारी जनगणना को सफल बनाने के लिए जन भागीदारी की अपील की। उन्होंने बताया कि अब तक एक करोड़ 20 लाख मकान का सूचीकरण कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से स्वयं फॉर्म भरने के बारे में भी जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने देश की विरासत को जानने और समझने की दिशा में नेशनल आर्काइव ऑफ इंडिया के हालिया प्रयास की जानकारी दी।

भारत से 100 रुपये से अधिक का सामान लाने पर कस्टम ड्यूटी से सीमा पर कम हुई भीड़

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल के सीमावर्ती भारतीय बाजारों से खरीदकर लाए जाने वाले सामान पर 100 रुपये से ही कस्टम शुल्क लेने के नियम को सख्ती से लागू किए जाने के बाद सीमा नाकों पर आम लोगों की भीड़ कम हो गई है। भारतीय बाजार से 100 रुपये से अधिक मूल्य का सामान लाने पर अनिवार्य रूप से कस्टम शुल्क चुकाने के नियम लागू होने के बाद सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मी और कर्मचारी बैग जांच से लेकर माइकिंग तक की कार्रवाई तेज कर चुके हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि अवैध आयात रोकने के लिए शुरू की गई इस सख्ती से पेशेवर तस्करी में कमी आएगी।

प्रशासन का दावा है कि घरेलू उपयोग के नाम पर व्यावसायिक कारोबार के लिए भारत से सामान खरीदकर लाने और बार-बार भारतीय बाजार जाकर सामान ढोने वाली पेशेवर तस्करी अब कुछ कम होने लगी है। दो साल पहले भी कुछ कस्टम कार्यालयों में ऐसी व्यवस्था लागू की गई थी, लेकिन नेपाल के स्थानीय लोगों के दबाव के कारण कस्टम विभाग और प्रशासन पीछे हट गए थे। हालांकि इस बार सरकार के सख्त निर्देश के बाद सभी सीमा नाकों पर अनिवार्य कस्टम लागू किया गया है। भैरहवा कस्टम के प्रमुख हरिहर पौडेल ने कहा कि फिलहाल सीमा नाकों पर सख्ती बढ़ा दी गई है और 100 रुपये से अधिक मूल्य का सामान लाने वालों को अनिवार्य रूप से कस्टम शुल्क देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि घरेलू उपयोग के नाम पर यात्रियों द्वारा मुख्य सीमा नाकों से बड़े पैमाने पर किए जाने वाले आयात को रोकने और खुली सीमा से होने वाली तस्करी पर नियंत्रण के लिए यह कदम उठाया गया है। इसी तरह नेपालगंज कस्टम प्रमुख जनार्दन पौडेल ने कहा कि अनिवार्य कस्टम नीति से देश का राजस्व बढ़ेगा, इसलिए सरकार को इसे सख्ती से लागू किया गया है।

अमेरिकी में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान चली गोली, राष्ट्रपति ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित

एजेंसी, वाशिंगटन

वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर गोलीबारी होने से हड़कंप मच गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स कार्यक्रम स्थल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निकाल कर ले गए। ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस गोलीबारी में एक एजेंट घायल हो गया। डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में किया गया था। सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी होते ही ट्रंप को वहां से तुरंत बाहर निकाला गया। इस वार्षिक मीडिया कार्यक्रम के

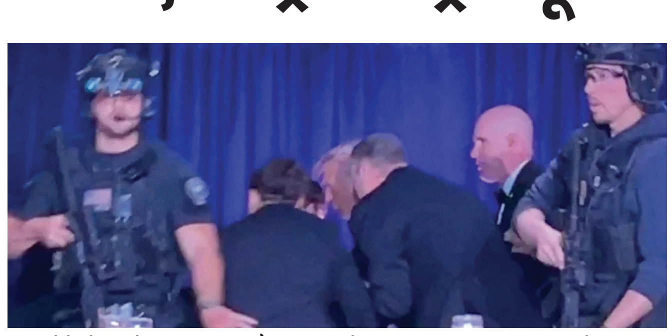

शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप बॉलरूम पहुंच चुके थे। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पोस्ट में कहा कि वह जल्द ही व्हाइट हाउस से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। ट्रंप ने लिखा, '' वह, प्रथम महिला, उपराष्ट्रपति और कैबिनेट के सभी सदस्य पूरी तरह से सुरक्षति हैं। मैंने इस कार्यक्रम के प्रभारी सभी प्रतिनिधियों से बात कर ली है। डिनर का आयोजन 30 दिनों के अंदर दोबारा किया जाएगा।'' ट्रंप ने सीक्रेट सर्विस के एजेंट और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कहा यह सब बहादुर हैं। उन्होंने कहा, '' हमलावर को पकड़ लिया गया है।'' मौके से हासिल फुटेज में नजर आ रहा है कि गोलियों की आवाज सुनने के बाद ट्रंप और वहां मौजूद लोग अपनी मेजों के पीछे छुप गए। इस दौरान चिल्ला रहे थे, ''नीचे झुक जाओ।'' इसके बाद सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ट्रंप को तेजी से घटनास्थल से दूर ले गए। फिर एजेंट्स ने कार्यक्रम स्थल को चारों ओर से घेर लिया। डिनर में आमंत्रित अल जजीरा के पत्रकार क्रिस शेरिडन ने बताया कि उन्होंने बॉलरूम के बाहर गोलियों की पांच आवाजें सुनीं। हम तुरंत ज़मीन पर लेट गए। गोलीबारी ठीक मेरे पीछे हुई।

संक्षिप्त समाचार

चक्रधरपुर में मानसिक रोगियों के लिए उम्मीद की किरण बने रविंद्र मंडल

चक्रधरपुर, एजेंसी। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में नर सेवा ही नारायण सेवा है, इस उक्ति को चरितार्थ कर रहे हैं राष्ट्रीय सुंडी समाज के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र मंडल। समाज सेवा की अपनी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने एक और पीड़ित परिवार की मदद की जिम्मेदारी उठाई है। सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत कोलेबीरा के तिरीलडीह गांव निवासी प्रधान हेंब्रम पिछले दो-तीन वर्षों से गंभीर मानसिक अस्वस्थता से जूझ रहे हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उनके परिवार ने रविंद्र मंडल से संपर्क कर सहायता की गुहार लगाई। परिवार का दुख सुनकर रविंद्र मंडल ने तुरंत उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिनपास रांची ले जाने का निर्णय लिया है। यह पहली बार नहीं है जब रविंद्र मंडल किसी मानसिक रोगी की मदद के लिए आगे आए हैं। इससे पहले भी वे गम्हरिया प्रखंड और आसपास के क्षेत्रों के लगभग 12 से 15 मानसिक रोगियों का सफल इलाज करा चुके हैं। उनके प्रयासों से आज वे सभी व्यक्ति स्वस्थ होकर एक सामान्य और सम्मानजनक जीवन जी कर रहे हैं।

लोहरदगा में आग से घर जलकर खाक, लाखों की संपत्ति का हुआ नुकसान

लोहरदगा, एजेंसी। झारखंड के लोहरदगा जिले के किस्को प्रखंड अंतर्गत सेमरडीह गांव में शनिवार देर शाम आग लगने से एक घर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आगजनी की इस घटना में गृहस्थी का सारा सामान जल गया, जिससे पीड़ित परिवार को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, सेमरडीह निवासी दुर्गा महतो, पिता स्व। सुमेर महतो के घर में शनिवार शाम अचानक आग भड़क उठी। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घर में रखे अनाज, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर और अन्य जरूरी सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी के अनुसार, दुर्गा महतो बिकेबी कंपनी में वाहन चलाकर अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं। हादसे के बाद पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है।

जेईटी 2026 परीक्षा में हंगामा, 32 प्रश्नपत्र न पहुंचने से अभ्यर्थियों का विरोध

बोकारो, एजेंसी। झारखंड में जेईटी 2026 परीक्षा के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला है। बोकारो के सेक्टर 9 पटेल स्कूल स्थित परीक्षा केंद्र पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक सेट के 32 प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचे ही नहीं। जैसे ही यह बात अभ्यर्थियों को पता चली, वे आक्रोशित हो गए और जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। सैकड़ों की संख्या में मौजूद अभ्यर्थियों ने परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पर स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि भारी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा। घटना की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक खुद मौके पर पहुंचे। उनके साथ जिले के लगभग सभी थानों की पुलिस, सिटी डीएसपी और यातायात डीएसपी भी मौजूद हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रशासन द्वारा मीडिया कवरेज पर भी रोक लगाई जा रही है। पत्रकारों को वीडियो बनाने से रोका जा रहा है, जिससे पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश जारी है, लेकिन अभ्यर्थियों में आक्रोश साफ देखा जा सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पूरे मामले में क्या कदम उठाता है और छात्रों को कब तक न्याय मिल पाता है। पत्रों की कमी और उनके स्पष्ट न होने के कारण परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है।

देवघर में एटीएस-पुलिस की कार्रवाई, स मेड पिस्टल के साथ 3 अपराधी गिरफ्तार

देवघर, एजेंसी। झारखंड के देवघर जिले में बेहतर पुलिस रिसर्च का उदाहरण पेश करते हुए एटीएस झारखंड और देवघर पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल की है। 24 अप्रैल 2026 को देवघर नगर थाना कांड संख्या 170/26 के तहत की गई कार्रवाई में तीन कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में अजीत कुमार पांडेय उर्फ अजीत कुमार मिश्रा, पंकज कुमार सिंह और सोनू कुमार सिंह शामिल हैं। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी संगठित तरीके से अवैध हथियारों का इस्तेमाल कर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते थे। एटीएस टीम ने रांची में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर देवघर पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की। पूछताछ में आरोपियों ने माना कि वे पैसे के लालच में गंभीर अपराधों में शामिल रहे हैं। छापेमारी के दौरान अजीत पांडेय के घर से एक देसी पिस्टल (मेड इन यूएसए 99 अंकित), 7.65 एमएम की तीन जिंदा गोलियां, दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। वहीं पंकज कुमार सिंह के पास से एक देशी कट्टा और कंपनी का कीपैड फोन और सोनू कुमार सिंह के पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है।

रांची विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सुधार को लेकर बड़ा कदम,

शोध और एनईपी पर कुलपति का फोकस

रांची, एजेंसी। राजधानी के रांची विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सुधारों को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। शनिवार को आर्यभट्ट सभागार में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कुलपति प्रो। सरोज शर्मा ने शोध कार्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन और एकरूप पाठ्यक्रम पर जोर दिया। पदभार ग्रहण करने के बाद हुई इस अहम बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और भविष्य की कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

समन्वय में और प्रदर्शिता पर फोकस : इस बैठक में कुलपति ने सभी विभागों और कॉलेजों के लिए एक संयुक्त अकादमिक कैलेंडर तैयार करने का निर्देश देते हुए कहा कि एक सप्ताह के भीतर इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक समान कैलेंडर से शैक्षणिक गतिविधियों में समन्वय और पारदर्शिता आएगी।

उच्च गुणवत्ता वाले रिसर्च पर फोकस : प्रो। सरोज शर्मा ने शोध को विश्वविद्यालय की पहचान बताते हुए शिक्षकों से उच्च गुणवत्ता वाले रिसर्च पर फोकस करने को कहा। उन्होंने कहा कि बेहतर शोध कार्य ही छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। इसके साथ ही पुराने सिलेबस को तत्काल संशोधित करने और विभागाध्यक्षों को अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया।

शोध गतिविधियों को रफ्तार देने की तैयारी : तकनीकी सशक्तिकरण को लेकर कुलपति ने विश्वविद्यालय में जल्द आईसीटी सेल के गठन और उसे सक्रिय करने की बात कही। उन्होंने यह भी बताया कि

जेपीएससी से स्वीकृत और परीवीक्षा अवधि पूरा कर चुके शिक्षक अब पीएचडी गाइड बन सकेंगे, जिससे शोध गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों में एक समान सिलेबस : इस बैठक में एनईपी-2020 के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कुलपति ने कहा कि नियमित पाठ्यक्रमों में इसे लागू करना सकारात्मक कदम है, अब वोकेशनल कोर्सेज में भी इसे जल्द लागू किया जाए। साथ ही सभी अंगीभूत और संबद्ध कॉलेजों में एक समान सिलेबस और रूटीन लागू करने पर जोर दिया गया। हालांकि माइनर कॉलेजों को स्थानीय जरूरतों के अनुसार 30 प्रतिशत तक पाठ्यक्रम में बदलाव की छूट दी गई है।

अपने संबोधन में कुलपति ने 'सा विद्या विमुक्तये' का उल्लेख करते हुए शिक्षा के व्यापक उद्देश्य को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में योग्य शिक्षकों की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सामूहिक प्रयास और बेहतर समन्वय की है। इसके साथ ही आईक्यूएसी के माध्यम से नैक रिपोर्ट सभी विभागों को उपलब्ध कराने और सुझावों पर अमल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

इस बैठक में रजिस्ट्रार डॉ। गुरु चरण साहु, डीएसडब्ल्यू डॉ। सुदेश कुमार साहु, प्रोक्टर डॉ। मुकुंद चंद्र मेहता, डॉ। स्मृति सिंह सहित विभिन्न संकायों के डीन और विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रो। सुदेश कुमार साहु ने दिया।

रांची टीम का निरीक्षण, धनबाद सदर अस्पताल को 420 बेड बनाने की कवायद शुरू

धनबाद, एजेंसी। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। धनबाद के सदर अस्पताल में कायाकल्प असेसमेंट के तहत रांची से पहुंची विशेषज्ञ टीम ने शनिवार को विस्तृत निरीक्षण किया। टीम में एचआर कंसलटेंट अवनि प्रसाद और नर्सिंग ट्यूटर प्रीति संगीता बारा शामिल थीं। जिन्होंने अस्पताल के विभिन्न विभागों का बारीकी से मूल्यांकन किया।

निरीक्षण के बाद टीम ने बताया कि पूरे आकलन की रिपोर्ट तैयार कर उच्च स्तर पर भेजी जाएगी। इस रिपोर्ट के आधार पर अस्पताल की साफ-सफाई, प्रबंधन और मरीज सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। वहीं सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद ने कहा कि इस तरह का असेसमेंट अस्पताल की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उपाधीक्षक ने बताया कि टीम द्वारा दिए गए सुझावों को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाएगा। ताकि मरीजों को बेहतर और प्रभावी इलाज मिल सके। उन्होंने आगे जानकारी दी कि सदर अस्पताल को पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर विकसित करने की योजना बनाई गई है। फिलहाल 100 बेड पर संचालित इस अस्पताल को भविष्य में 420 बेड तक विस्तारित किया जाएगा। इसके लिए 320 अतिरिक्त बेड की क्षमता वाला नया भवन बनाया जाएगा। राज्य सरकार की इस योजना में धनबाद को भी चयनित जिलों में शामिल किया गया है। जहां स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। निरीक्षण के बाद टीम ने उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन से मुलाकात कर उन्हें पूरे निरीक्षण की विस्तृत जानकारी भी दी।

सरकारी पशु चिकित्सकों ने मंत्री से की मुलाकात

सेवा नियमावली के अनुरूप पदों के चिंहितिकरण पर जताया आभार

रांची, एजेंसी। झारखंड पशु चिकित्सा सेवा संघ की बहुप्रतीक्षित मांग 'पशु चिकित्सा सेवा नियमावली के अनुरूप पदों का चिन्हितिकरण' पूरी हुई। साथ ही हेमंत कैबिनेट से इसकी सहमति मिलने पर संघ ने खुशी जताई।

इसको लेकर झारखंड पशुचिकित्सा सेवा संघ के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मुलाकात की और उनका आभार प्रकट किया। मंत्री ने कहा कि संघ की इस बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा होते देखना उनके लिए भी खुशी की बात है। उन्होंने पशु चिकित्सकों से आह्वान किया कि वह राज्य के पशुपालकों के हितों का ख्याल रखें।

संघ के महामंत्री डॉ। शिवानंद काशी ने कहा कि कृषि एवं पशुपालन विभाग के इस कार्य से पशुपालन एवं पशु चिकित्सा के क्षेत्र में झारखंड में नई ऊर्जा का संचार होगा। संघ के महामंत्री ने बताया कि नियमावली में आयुक्त के स्थान महानिदेशक किया गया है जो स्वागत योग्य कदम है।

संघ के अध्यक्ष डॉ। सैमसन संजय टोप्पो के नेतृत्व में प्रतिनिधियों ने पशु चिकित्सा सेवा नियमावली 2024 के अनुरूप पदों का चिन्हितिकरण करने जाने पर हर्ष प्रकट किया। राज्य सरकार अधिकारी व कर्मचारियों के लिए संवेदनशील सोच के साथ लगातार काम कर रही है।

संगठन की ओर से नियमावली के अनुरूप पदों का चिन्हित किए जाने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, विभागीय सचिव अबूबकर सिद्दकी, निदेशक आदित्य कुमार, सभी सम्मानित संघ के सदस्यों व झारखंड ऑफिसर टीचर्स एंड एम्पलाइज फेडरेशन का भी आभार प्रकट किया।

राज्य के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में 4 से 10 मई तक मनाया जाएगा अग्नि सुरक्षा सप्ताह

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज, जिला, अनुमंडल अस्पतालों के साथ-साथ सभी सीएचसी-पीएचसी एवं अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिए एक महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने राज्य के सभी स्वास्थ्य केंद्रों को 04 मई से 10 मई, 2026 तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह आयोजित करने और तत्काल अपने-अपने अस्पतालों का फायर ऑडिट सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। विद्युत भार बढ़ने से होने वाले शॉर्ट-सर्किट की रोकथाम के लिए समय-समय पर निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें। उन्होंने 04 मई से 10 मई तक मनाया जाने वाला 'अग्नि सुरक्षा सप्ताह' को लेकर थीम भी साझा किया है।

उन्होंने कहा कि 04 से 10 मई तक

चलाया जाने वाले अग्नि सुरक्षा सप्ताह को लेकर इस बार का थीम भी बेहद महत्वपूर्ण है। इस वर्ष का थीम 'सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित अस्पताल और अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज - अग्नि निवारण के लिए एक साथ' रखा गया है। अग्नि शमन इसके तहत सभी स्वास्थ्य केंद्रों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता अभियान चलाएंगे। अभियान निदेशक ने सभी अस्पतालों को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने और विद्युत सुरक्षा के मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सुरक्षा मानकों के गैप को दूर करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

इस सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग के समन्वय से स्वास्थ्य कर्मियों के लिए वेबिनार और प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें प्रिवेंटिव स्ट्रैटेजी, फायर इवैक्यूएशन और फायर ड्रिल के बारे में जानकारी दी जाएगी। सभी संस्थानों को अपनी गतिविधियों, फोटो और फायर सेफ्टी असेसमेंट रिपोर्ट को स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक पोर्टल और ई-मेल पर 11 मई, 2026 तक अनिवार्य रूप से भेजने का निर्देश अभियान निदेशक ने दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

सिमडेगा में जिला कांग्रेस कमिटी की पहली बैठक संपन्न, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और प्रभारी हुए शामिल

सिमडेगा, एजेंसी। जिला कांग्रेस कमिटी के हालिया विस्तार के बाद शनिवार को पहली महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और झारखंड प्रभारी डॉ। के। राजू पहली बार सिमडेगा पहुंचे। उनके आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा गया और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

बैठक में संगठन विस्तार के उपरांत नवचयनित जिला कमेटी सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही उन्हें संगठन को मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने और पार्टी की नीतियों को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रदेश स्तरीय नेताओं ने कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

झारखंड प्रभारी डॉ। के। राजू ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस बार पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक संगठन को सुदृढ़ बनाने की दिशा में व्यापक पहल की है। उन्होंने कहा कि नई कमेटी के गठन का उद्देश्य पार्टी को गांव-गांव तक मजबूत करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि नवगठित टीम दोगुने उत्साह, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की असली ताकत उसका संगठन होता है। यदि संगठन मजबूत होगा तो पार्टी हर चुनौती का सामना कर सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, समर्पण और एकजुटता के साथ काम करने का आह्वान किया। बैठक के दौरान सभी प्रतिनिधियों ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का संकल्प लिया और पार्टी को आगामी चुनावों के लिए तैयार करने की प्रतिबद्धता जताई।

बैठक सकारात्मक माहौल और नए उत्साह के साथ सम्पन्न हुई। हालांकि कमिटी विस्तार में सम्मानित पद नहीं दिए जाने पर कुछ कांग्रेसी नेताओं द्वारा इस्तीफा भी दिए जाने की बात सामने आयी है, जिसमें जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शामी आलम, रावेल लकड़ा एवं कौशल किशोर रोहिल्ला शामिल है। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि घर की बात है। वे सभी से बात कर मना लेंगे।

पलामू में युवक के अपहरण के बाद हत्या! कई लोग हिरासत में, एसपी ने कहा- होगी सख्त कार्रवाई

पलामू, एजेंसी। जिला के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र में अपहरण के बाद एक युवक की हत्या हुई है। शनिवार की रात युवक का रेड़मा के समदा आहर के पास से अपहरण हुआ था और रविवार को सदर थाना क्षेत्र के जोरकट इलाके से युवक का शव बरामद हुआ है। युवक की पहचान विनीत तिवारी के रूप में हुई है।

अपहरण का आरोप विनीत के पड़ोस में रहने वाले प्रदीप तिवारी और रौशन तिवारी नामक युवक पर लगा था, जो फिलहाल दोनों फरार चल रहे हैं। शव बरामद होने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और पूरे मामले में छानबीन शुरू कर दी। पलामू एसपी कपिल चौधरी खुद घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले में छानबीन की है। इस दौरान स्निफर डॉग के माध्यम से भी अपराधियों का पता लगाने का प्रयास किया गया है। इधर, घटना से नाराज लोगों ने रेड़मा में रोड जाम कर दिया है।

डीएसपी राजीव रंजन ने शव बरामद होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पूरे मामले में आगे की छानबीन की जा रही है। कई लोग हिरासत में लिए गए हैं। वहीं, एसपी कपिल चौधरी ने बताया कि घटना को लेकर पुलिस को आवेदन मिले हैं। पुलिस का अनुसंधान जारी है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने लोगों से आग्रह किया कि इस घटना से संबंधित कोई भी जानकारी हो तो पुलिस के साथ साझा करें। उनकी पहचान को गोपनीय रखा जाएगा। एसपी ने कहा कि जमीन विवाद में अपराधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, शनिवार रात विनीत तिवारी नामक युवक समदा आहर के पास मौजूद था। इसी दौरान कुछ लोग मौके पर पहुंचे और उसके साथ गाली गलौज की। इसके बाद युवक का अपहरण कर लिया गया। परिजनों ने इस पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। घटनास्थल से एक कार भी बरामद की गई है।

तेज गर्मी में भी महक रहे गेंदे के फूल, सासाराम तक सप्लाई कर किसान बना मिसाल

गढ़वा, एजेंसी। जहां भीषण गर्मी और 43 डिग्री के टॉर्चर से आम जनजीवन बेहाल है और खेतों में फसलें दम तोड़ रही हैं, वहीं झारखंड के गढ़वा जिले के एक किसान ने अपनी मेहनत से गुल खिला दिए हैं। मझिआंव नगर पंचायत के पृथ्वी चक्र गढ़ौटा गांव के रहने वाले रमाशंकर माली फूलों की खेती के जरिए न केवल अपनी किस्मत बदल रहे हैं, बल्कि आज पूरे इलाके के लिए मिसाल बन गए हैं।

रमाशंकर के खेतों की खुशबू सात समंदर पार तो नहीं, लेकिन पड़ोसी राज्य बिहार के प्रसिद्ध मां ताराचंडी धाम (सासाराम) तक जरूर पहुंच रही है। रमाशंकर ने बताया कि हर दूसरे दिन करीब 400 से 500 गेंदे के फूलों की मालाएं बिहार के सासाराम भेजी जाती हैं। साधन न होने पर रमाशंकर खुद बाइक से सासाराम तक फूल पहुंचाने जाते हैं जिससे कि भक्तों को ताजे फूल मिल सके। पारंपरिक खेती छोड़ फूलों की राह चुनने वाले रमाशंकर ने बताते हैं कि यह मुनाफे का सौदा है। एक बीघा खेत में बीज, खाद और सिंचाई मिलाकर करीब 25,000 रुपये खर्च होते हैं। सीजन के अंत तक

करीब 2 लाख रुपये की आमदनी हो जाती है। रमाशंकर कहते हैं कि 43 डिग्री तापमान में फूलों को बचाना आसान नहीं है। पौधों को हर दो दिन में सींचना पड़ता है जिससे कि वे मुरझाएं नहीं। रमाशंकर अपने तीन बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च इसी खेती से चला रहे हैं। हालांकि, उन्हें मलाल है कि इतनी मेहनत के बाद भी अब तक कोई सरकारी सहायता नहीं मिली। इधर क्षेत्र के अन्य किसान और करुआ कला के फूल उत्पादक बृजेश तिवारी भी लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि गढ़वा को 'बागवानी मिशन' से जोड़ा जाए।

नोवामुंडी कॉलेज के विद्यार्थियों ने चाईबासा नेचर सेंटर का शैक्षणिक भ्रमण किया

नोवामुंडी, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नोवामुंडी कॉलेज के इतिहास विभाग के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत चाईबासा स्थित नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर का दौरा किया। इस दौरान छात्रों को झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

नोवामुंडी कॉलेज के प्राचार्य डॉ। मनोजित विश्वास के निर्देश पर 25 अप्रैल शनिवार को इतिहास विभाग के विद्यार्थियों को कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ। क्रांति प्रकाश, सुमन चातोम्बा और मंजू लता सिंकु के साथ कॉलेज बस द्वारा शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत चाईबासा स्थित नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर ले जाया गया। शैक्षणिक भ्रमण पर जाने से पूर्व प्राचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियों को किताबों से बाहर निकलकर वास्तविक ज्ञान प्राप्त होता है और अपनी संस्कृति और इतिहास को समझने का अवसर मिलता है।

केंद्र पर उपस्थित संरक्षक रश्मि कोड़ा और गोवर्धन गोप ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि इस केंद्र को जनजातीय जीवन दर्शन संग्रहालय से भी जोड़ा गया है। यह संग्रहालय मुख्य रूप से झारखंड वन विभाग, टाटा स्टील (हस्त डिवीजन) तथा सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एक्सीलेंस के संयुक्त सहयोग से स्थापित किया गया है। यह संग्रहालय जनजातीय संस्कृति और प्राकृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है।

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को झारखंड के विभिन्न ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसमें मंदिर स्थलों, शैल एवं गुफा चित्रों, नक्काशियों, शिलालेखों, उत्कृष्ट मूर्तिकला, मिट्टी के बर्तनों तथा प्राचीन खंडहरों का उल्लेख किया गया। विशेष रूप से वांदा, बरकट्ठा, करहबाड़ी, बादाम, रामगढ़, इटखोरी एवं सतपहाड़ जैसे स्थलों को मूर्तिकला के लिए प्रसिद्ध बताया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को झारखंड की पारंपरिक कलाओं - पैतकर कला, जादोपटिया चित्रकला, सोहराय कला, कोहबर कला, गंजू कला, रणातोली कला, प्रजापति कला, मुंडा कला, बिरहोर और भुइयां कला, गोंदना (टैटू) और बॉडी आर्ट के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। केंद्र में विद्यार्थियों को टाटा स्टील द्वारा निर्मित एक जानकारीपूर्ण डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई, जिससे उन्हें झारखंड की सांस्कृतिक विरासत, जुरासिक युग, पाषाण युग, गुफा कला, कब्र कला गांव की संस्कृति और राज्य के हस्तशिल्प के बारे में समझने का अवसर मिला। प्रकृति व्याख्या केंद्र में विद्यार्थियों को झारखंड की समृद्ध विरासत, हजारों साल पूर्व प्राचीन काल की जीवन शैली, गुफा केंद्रों और विभिन्न युगों की कलाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। भ्रमण के बाद सभी विद्यार्थी बहुत खुश नजर आए और उन्होंने इसे एक सीख देने वाला अनुभव बताया।

कुसमा गांव में दो दिवसीय संतमत सत्संग संपन्न

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बरहेट प्रखंड क्षेत्र के कुसमा गांव में आयोजित दो दिवसीय संतमत सत्संग श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत स्तुति और प्रार्थना के साथ की गई, जिसके बाद विभिन्न संत-महात्माओं ने ईश्वर के स्वरूप और भक्ति के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर भागलपुर के कुप्पाघाट से पधारे अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता स्वामी सत्य प्रकाश बाबा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ पंचानन बाबा, महेंद्र बाबा, हरिहर बाबा, परमानंद बाबा एवं प्रणव सत्यार्थी सहित अन्य संतों ने भी क्रमवार अपने प्रवचन दिए।

अपने संबोधन में स्वामी सत्य प्रकाश बाबा ने कहा कि ईश्वर सर्वव्यापक होने के साथ-साथ अत्यंत सूक्ष्म है, जिसे सामान्य मानव नेत्रों से देखा नहीं जा सकता। उन्होंने बताया कि मनुष्य को केवल माया के रूप दिखाई देते हैं, जबकि परमात्मा का साक्षात्कार आत्मिक दृष्टि से ही संभव है। इसके लिए सच्चे गुरु से युक्ति प्राप्त कर मनोयोगपूर्वक ध्यान और भजन करना आवश्यक है, तभी दिव्य दृष्टि का विकास हो सकता है।

सत्संग के प्रथम सत्र के उपरांत बाहर से आए श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई। प्रवचन के बाद सभी संत-महात्माओं का माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम का समापन गुरु कीर्तन और आरती के साथ हुआ।

इस दो दिवसीय सत्संग का आयोजन कुसमा गांव के सेवानिवृत्त पंचायत सेवक मोतीलाल साह एवं निर्मला देवी के नेतृत्व में ग्रामीणों के सहयोग से किया गया। आयोजन को सफल बनाने में नित्यानंद साह, सुधांशु प्रसाद साह, दिलीप साह, हरिनारायण साह, अशोक सिंह, प्रहलाद पंडित, मोहन पंडित, बीरबल साह, शंकर साह, सुबल स्वर्णकार, नीतू पंडित, खगेंद्र साह, आशीष साह, कृष्णा साह, अनिल पंडित, लक्ष्मण पंडित सहित अनेक ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

9 मई को महाराणा प्रताप जयंती पर होगा,राष्ट्रीय स्वाभिमान का आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज शहर के जिरवाबाड़ी शीशा काली मंदिर प्रांगण में सवर्ण समाज समन्वय समिति की बैठक रखी गई।जो सेवानिवृत शिक्षक राम इकबाल सिंह की अध्यक्षता में की गई।इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा सवर्ण समाज को प्रताड़ित करने के लिए अनेक प्रकार के कानून जैसे यूजीसी रेगुलेंस 2026, हर सरकारी योजना से दूरी रखना जैसे निरंतर कानून जो बनाये जा रहे हैं, उसके खिलाफ अपनी एकजुटता दिखाने के लिए की जा रही है। बैठक में आगामी 9 मई 2026 दिन शनिवार को वीर महाराणा प्रताप जी की जयंती भव्य रूप से मनाई जाएगी।इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वाभिमान समागम का आयोजन जिरवाबाड़ी शीशा काली मंदिर में होगा।वीर महाराणा प्रताप की चित्र पर माल्यार्पण उपरांत सामाजिक गोष्टी एवं मां काली की आरती के बाद प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा।बैठक में मुख्य रूप से राम इकबाल सिंह,विकास चौधरी,अंकित पाण्डेय,अनिल सिंह,बच्चन पाठक, राजेश कुमार वर्मा,परमानंद उपाध्याय,संजीव मिश्रा,अरुण तिवारी,अजित झा,सदानंद गोस्वामी, सुमन झा आदि अन्य लोगों उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कटहलबाड़ी में छापेमारी, नामजद आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज।राधानगर थाना पुलिस ने शनिवार देर रात थाना क्षेत्र के कटहलबाड़ी गांव में छापेमारी कर एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी एकरामुल मोमिन को रविवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि थाना कांड संख्या 136/26 के तहत दर्ज मामले में विभिन्न धाराओं के तहत नामजद आरोपी बरजहान अंसारी के पुत्र एकरामुल मोमिन को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दो बाइक की टक्कर में दो घायल

गोड्डा : पीरपैंती-गोड्डा मुख्य मार्ग पर सुड़नी मोड़ के समीप रविवार को दो मोटरसाइकल का आमने-सामने जोरदार टक्कर में दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं इस घटना की सूचना मिलने पर मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर के निर्देश पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची एवं घायलों का प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मेहरमा लाया गया। जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मेहरमा के चिकित्सक डॉ. सुशांत ने दोनो घायल बाइक सवार का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, गोड्डा रेफर कर दिया। दोंनो बाइक सवार घायल युवक की पहचान श्रवण कुमार, ग्राम बाराहाट, थाना ईशीपुर बाराहाट तथा दूसरा अमरजीत राय, ग्राम बसंतपुर, थाना पीरपैंती, जिला भागलपुर निवासी के तौर पर हुई। हालांकि स्थानीय पुलिस इस घटना की जांच में जुटी हुई है।

खुर्द डुमरिया गांव में लाखों की लागत से बना जलमीनार सालों से ठप

महागामा : अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत रामकोल पंचायत स्थित खुर्द डुमरिया गांव में लाखो की लागत से लगी सोलर जलमीनार पूरी तरह शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। वर्षों से खराब पड़े इस जलमीनार ने सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत उजागर कर दी है। भीषण गर्मी में जहां पानी जीवन का आधार है, वहीं ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं।ग्रामीण प्रमिला देवी, कविता देवी, आरती देवी, चंदन सिंह, सोनू पासवान, धर्मेंद्र सिंह, सुमित पासवान ने कहा कि यह सिर्फ एक मशीन की खराबी नहीं, बल्कि सिस्टम की लापरवाही का नतीजा है। कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को खराब होने की सूचना देने के बावजूद मरम्मत की दिशा में कोई का पहल नहीं हुई। नतीजतन, लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई योजना महज शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। बताते चलें कि खुर्द डुमरिया के अधिकांश लोग गरीब और मजदूर वर्ग से हैं। उनके लिए निजी तौर पर पानी की व्यवस्था करना संभव नहीं है। ऐसे में सरकारी जलमीनार ही एकमात्र सहारा था, जो अब पूरी तरह ठप है। हालात इतने बदतर हैं कि महिलाएं और बच्चे दूर-दराज के स्रोतों से पानी ढोने को मजबूर हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जलमीनार के चारों ओर झाड़-झंखाड़ उग आए हैं, जो इसकी वर्षों से उपेक्षा की कहानी बयां करते हैं। यह सिर्फ एक गांव की समस्या नहीं, लगभग प्रखंड के सभी पंचायतों का यही हाल है। अब सवाल उठता है कि आखिर जवाबदेही किसकी है? लाखो की योजनाएं कागजों पर चलती रहेंगी या जमीनी स्तर पर भी लोगों को राहत मिलेगी? ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से अविलंब जलमीनार को चालू कराने की मांग की है, ताकि इस भीषण गर्मी में उन्हें राहत मिल सके।

सीएचसी उधवा में किया गया रक्तदान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज । जिला अंतर्गत प्रखंड उधवा में(सीएचसी) कम्यूनिटी हेल्थ सेंटर में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी सहित स्वयं सेवकों ने मानव हित में रक्तदान कर मिशाल पेश किया। संदेश के रूप में कहा गया रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। रक्तदान कर किसी जरूरत मंद की जान बचाई जा सकती हैं।

बोरियो जलसा का हुआ समापन, पूर्व एक्टर आरिफ खान उर्फ रॉकी को देखने और सुनने के लिए उमड़ा लोगो की भीड़

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बोरियो प्रखंड क्षेत्र के मदरसा नूरुल होदा मैदान में जामियातुल-फलाह लीलबनिन व कुल्लिया फातिमातुज़ जहरा लिल बनात की ओर से दो दिवसीय जलसा बीती रात देर तक चलने के बाद समापन हो गया। बॉलीवुड के पूर्व एक्टर आरिफ खान उर्फ रॉकी को देखने और उनकी दिन और ईमान की बातों को सुनने के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा था। साहिबगंज, तीनपहाड़, गोड्डा, महगामा, ललमटिया, बोआरीजोर, मंडरो भग़ैया, बरहेट, हिरणपुर सहित अन्य इलाके से लाखों की संख्या में लोग आकर आरिफ खान उर्फ रॉकी की दीनी बातों को सुनने के पहुंचे थे वही उनसे हाथ मिलाने और सेल्फी लेने के लिए काफी दीवानगी देखी गयी। आरिफ खान ने लोगों बताया कि 1990 के दशक में 14 -15 फिल्मों के साथ कई टीवी सीरियल में काम कर चुके है फिल्म फुल और कांटे मूवी में उनका किरदार काफी लोकप्रिय रहा हालांकि वर्ष 2007 में फिल्मी दुनिया को अलविदा कहकर तब्लीगी जमात से जुड़ने का निर्णय लिया उस समय से पीछे मुड़कर नहीं देखा और पूरी तरह धार्मिक कार्यों में लगे रहे। वही झारखंड एवं अन्य राज्यों के मशहूर मौलानाओं ने तकरीर के माध्यम से सच्चाई पर चलने, झूठ एवं बुरे कामों से बचने औरतों को पर्दे में रहने, अपने पतियों की इज्जत करने, दिन व इस्लाम के रास्ते पर चलने, मोबाइल का गलत इस्तेमाल से बचने, पड़ोस में रहने वाले गरीबों का ख्याल रखने, अमन चैन व आपस में मिलजुलकर रहने की नसीहत दी। इधर पुलिस प्रशासन की ओर से जगह-जगह पर सुरक्षा को लेकर पुलिस बल तैनात की गई है। इस मौके पर नसीम अंसारी, कैश अंसारी, जलसा कमिटी के अध्यक्ष जहांगीर अंसारी, सचिव मुजफ्फर अंसारी, रिजवान अंसारी, मौलवी इम्तियाज इस्लाही, गफ्फार अंसारी, मौलाना खुर्शीद आलम, कौसर फैजी, कुर्बान अंसारी, मुख्तार अली, शरीफ अंसारी, जावेद अंसारी, मंजूर आलम, मुजाहिद अंसारी सहित अन्य मौलाना एवं कमिटी के सदस्य मौजूद थे।

सेवा निवृत्ति मुख्य टिकट निरीक्षक विजय कुमार भारती के सम्मान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

साहिबगंज साहित्य सेवी एवं सेवा निवृत्ति मुख्य टिकट निरीक्षक विजय कुमार भारती के सम्मान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी एवं मनोरंजन भोजपुरी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में एनआर केंद्र विद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता साहित्यकार अनिरुद्ध प्रभास ने किया। विशिष्ट अतिथि सुधीर श्रीवास्तव एवं डॉ कमल महावर थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ सच्चिदानंद सचिव झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी ने किया।डॉ सच्चिदानंद नाम घोषणा किया कि विजय कुमार भारती के स्मृति को अ अनुरक्षण रखने के लिए प्रतिवर्ष नवोदित साहित्यकार को विजय कुमार भारती नवोदित कथा सम्मान एवं विजय कुमार भारती नवोदित काव्य सम्मान प्रदान करने की घोषणा की गई। यह पुरस्कार प्रतिवर्ष प्रदान किया। जाएगा इसमें प्रमाण पत्र और 11000 रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। यह पुरस्कार झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष इसके वार्षिक अधिवेशन के दिन प्रदान किया जाएगा।कार्यक्रम का शुभारंभ टेराकोटा के कलाकार अमृत प्रकाश के द्वारा निर्मित विजय भारती के चित्र पर माल्यार्पण से प्रारंभ हुआ।श्रद्धांजलि सभा का विषय प्रवेश करते हुए डॉ सच्चिदानंद ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि हिंदी और भोजपुरी के साहित्यकार थे। उनके निधन से अपूरणीय क्षति हुई है ।अगस्त 1954 में जन्मे भारती जी कई संस्थानों से संबंध थे। अखिल भारतीय साहित्य परिषद झारखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में काम किया। राजभाषा हिंदी और भोजपुरी के विशिष्ट सेवाओं के लिए अनेक पुरस्कारों एवं सम्मान से इन्हें विभूषित किया गया था।

श्रद्धा सुमन समर्पित करते हुए नवल किशोर मंडल अध्यक्ष भारतीय कला मंदिर ने कहा कि भारती जी मिलनसार व्यक्ति थे। बड़े ही मृदुभाषी थे।साहित्य से उनका गहरा लगाव था ।अनेक बार उनकी कविता सुनाने का अवसर मिला। मैं उनके निधन से मर्माहत हूं ।कमल महावर ने कहा कि विजय कुमार भारती से एक उच्च कोटि के साहित्यकार और मानवीय संवेदनाओं से युक्त एक विशिष्ट पुरुष थे ।उनके निधन से एक युग का समापन हो गया है। निकट भविष्य में इसकी भरपाई संभव नहीं है। साहित्य की दुनिया से संबंध सुधीर श्रीवास्तव ने विजय कुमार भारती के साथ अपने संस्मरण को याद करते हुए कहा कि साहित्य के प्रति अत्यंत ही समर्पित व्यक्ति थे। मानवता की सेवा ही उनके जीवन का लक्ष्य था। उनके निधन से गहरा आधात लगा ह टेराकोटा के कलाकार अमृत प्रकाश ने कहा कि श्री भारती सिर्फ साहित्यकार ही नहीं बल्कि कला की बेहतर समझ रखते थे। समय-समय पर आवश्यक मार्गदर्शन देते रहते थे उनके निधन से हमने अपना अभिभावक खो दिया है। यह हमारे प्रेरणा स्रोत थे। उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। सरिता मिश्रा,सचिव मनोरंजन भोजपुरी साहित्य परिषद ने कहा कि भारती जी का जाना अपूरणीय क्षति है।वे सादगी ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे। भारतीय उपनाम उनके व्यक्तित्व के बिल्कुल सटीक बैठता है। भारती जी ने अपने पीछे संस्कारों की समृद्धि विरासत छोड़ी है यही आज परिवार और समाज की बड़ी शक्ति है। सभा की अध्यक्षता कर रहे अनिरुद्ध प्रभास ने कहा कि की विजय कुमार भारती साहित्य के विकास एवं संवर्धन के प्रति समर्पित इन्होंने हिंदी और भोजपुरी में सैकड़ो कविताएं लिखी है ।उनकी रचनाएं कालजयी है अनेक बार कवि सम्मेलनों में मंच साझा करने का अवसर मिला है। अपने भोजपुरी और हिंदी कविता का पाठ कर श्रोताओं की खूब बाहर वाही मिलती थी। भारती की रचनाओं को संकलित कर पुस्तकाकार देने का काम होना चाहिए। इसमें परिवार साहित्य की संगठन को मिलकर काम करने की जरूरत है। भारती जी के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राजेश कुमार वर्मा ने श्री भारती के सेवा भाव की चर्चा करते हुए कहा की कैंसर मरीज की मदद के लिए इन्होंने हर संभव कोशिश की और इसका लाभ मिला। नवल किशोर सिंह ने भी विजय कुमार भारती के प्रति अपने संस्मरण और संबंधों को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।श्रद्धांजलि सभा में राहुल कुमार दुबे अबरार, दिल रंजन झा, महेश प्रसाद सिंह, श्रेया मिश्रा सपना कुमारी उत्तम कुमार मंडल हर्ष कुमार मिश्रा वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज रामेश्वरम मुख्य रूप से उपस्थित थे।

गोड्डा से रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस में भीड़ का आलम, स्लिपर कोच भी जनरल जैसा एग्जाम स्पेशल ट्रेन की उठी मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

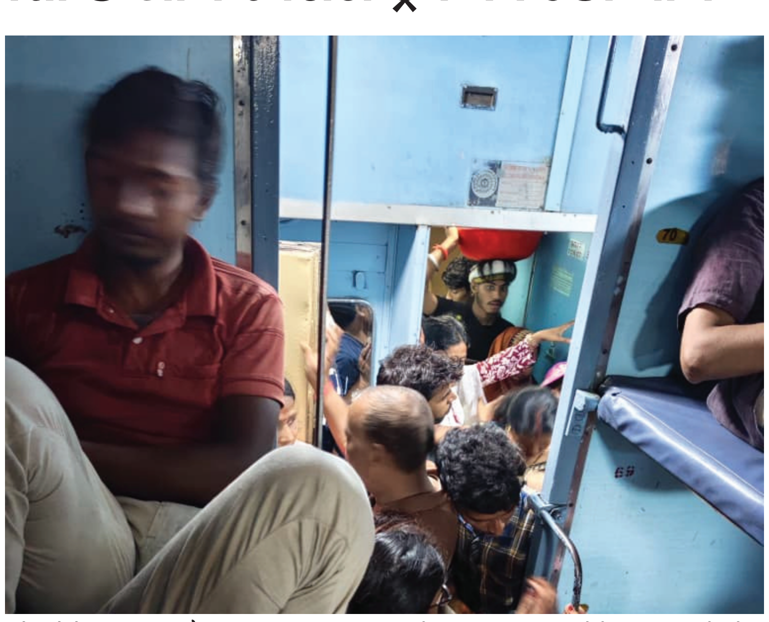

गोड्डा। गोड्डा से रांची के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18620 इन दिनों भारी भीड़ के कारण यात्रियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। स्थिति यह है कि स्लिपर कोच में भी जनरल डिब्बे जैसी भीड़ देखने को मिल रही है।यात्रियों का कहना है कि "यह स्लिपर है जनाब गोड्डा से रांची... जरा धक्का-मुक्का खा के चलते रहो।" ट्रेन में इतनी भीड़ है कि यात्रियों को सीट तो दूर, खड़े रहने की भी जगह नहीं मिल पा रही है।स्थानीय लोगों ने बताया कि जेईटी परीक्षा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चलते यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ गई है, जिससे ट्रेन पूरी तरह ठसाठस भर जा रही है। सबसे अधिक परेशानी परीक्षा देने जा रहे छात्रों को हो रही है, जिन्हें समय पर पहुंचने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।इसी बीच यात्रियों और अभिभावकों ने सरकार से मांग की है कि परीक्षा के दिनों में भागलपुर से रांची और गोड्डा से रांची के बीच विशेष परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाई जाए, ताकि छात्रों को सुरक्षित और सुगम यात्रा सुविधा मिल सके।लोगों का कहना है कि अगर समय पर एग्जाम स्पेशल ट्रेन की व्यवस्था हो जाए तो भीड़ का दबाव कम होगा और छात्रों को राहत मिलेगी। वर्तमान स्थिति में रेल प्रशासन से कोच बढ़ाने और अतिरिक्त ट्रेन चलाने की भी मांग की जा रही है।

विधिक शिविर में ग्रामीणों को मिली जानकारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गोड्डा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रमेश कुमार एवं सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर जिले के विभिन्न प्रखंडों में लीगल एड क्लिनिक की ओर से विधिक जागरुकता शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को कानूनी जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में बोआरीजोर प्रखंड के बाघमारा सहित प्रखंड के गांवों में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को कानून की जानकारी दी गई एवं इससे संबंधित बुकलेट का वितरण किया गया। बोआरीजोर डालसा की ओर से गठित टीम के सदस्यों में शामिल अनिता टुडू व सुषमा मुर्मूआदि ने ग्रामीणों को नालसा (संवाद) योजना,2025 की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज में देश के सभी नागरिकों को गिरमापूर्ण जिंदगी जीने का अधिकार है। अधिकार का अतिक्रमण करने पर ही उसे दंडित किया जाता है। नालसा का उद्देश्य हाशिए पर पड़े कमजोर आदिवासियों और विमुक्त, घुमंतू जनजातियों के लिए न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ कराना है। इस योजना के तहत जनजातीय समुदायों के लिए कानूनी सेवा विशेष यूनिट स्थापित की जाएगी। जनजातीय समुदायों से वकील, अधिकार मित्रों को सभी प्रकार की कानूनी सहायता प्रदान करने , अदालतों में प्रतिनिधित्व , सरकारी लाभ प्राप्त करने में सहायता देने व दस्तावेजीकरण के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा इन समुदाय को मोबाइल विधिक सहायता वैन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों , स्कूलों में विधिक साक्षरता और कानूनी सहायता क्लिनिकों का प्रदर्शन व रोडिया , दूरदर्शन के माध्यम से कानूनी रूप से जागरुकता प्रदान की जाएगी। विशेष अभियान चलाकर पोषण, स्वास्थ्य , स्वच्छता, शिक्षा, रोजगार , बच्चों का नामांकन, छात्रवृत्ति और शैक्षिक योजनाओं, पेशा कानून के तहत भूमि, पुनर्वास, वनाधिकार संबंधी दावों में कानूनी प्रतिनिधित्व व सहायता देना आदि शामिल हैं। इन समुदाय के क्षमता निर्माण और सशक्तिकरण , स्वरोजगार का सृजन करने, वित्तीय साक्षरता कार्यशाला सहित गिरमापूर्ण जीवन जीने की दिशा में प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा गोड्डा, सुंदरपहाड़ी, पथरगामा, बसंतराय, महागामा, ठाकुरगंगटी, मेहरमा आदि प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

उपचार के दौरान नवविवाहिता की मौत, जांच में जुटी पुलिस

बसंतराय : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत महेशपुर गांव से एक बेहद दुखद और हृदयविदारक मामला सामने आया है, जहां शादी के महज दो माह बाद ही एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, विवाहिता की तबीयत अचानक से बहुत ज्यादा बिगड़ गई थी। बताया जा रहा है कि उसे पहले हल्की परेशानी महसूस हुई, लेकिन देखते ही देखते उसकी हालत गंभीर होती चली गई। परिजन उसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसका इलाज शुरू किया। हालांकि तमाम प्रयासों के बावजूद इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई।मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में अफरातफरी का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन अस्पताल पहुंच गए। वहीं, विवाहिता के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। माता-पिता और अन्य परिजनों के विलाप से माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। कई महिलाएं दहाड़ मारकर रोती नजर आईं, जिससे वहां मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भी तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। मौत के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस को मामले की जानकारी दे दी गई है। हालांकि नवविवाहिता की मौत मामले में पुलिस द्वारा कार्यवाही से संबंधित बातों को साझा नहीं किया गया है और ना ही किसी बात की पुष्टि हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है

दो बाइक की टक्कर में दो घायल

गोड्डा : पीरपैंती-गोड्डा मुख्य मार्ग पर सुड़नी मोड़ के समीप रविवार को दो मोटरसाइकल का आमने-सामने जोरदार टक्कर में दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं इस घटना की सूचना मिलने पर मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर के निर्देश पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंची एवं घायलों का प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मेहरमा लाया गया। जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मेहरमा के चिकित्सक डॉ. सुशांत ने दोनो घायल बाइक सवार का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, गोड्डा रेफर कर दिया। दोनो बाइक सवार घायल युवक की पहचान श्रवण कुमार, ग्राम बाराहाट, थाना ईशीपुर बाराहाट तथा दूसरा अमरजीत राय, ग्राम बसंतपुर, थाना पीरपैंती, जिला भागलपुर निवासी के तौर पर हुई। हालांकि स्थानीय पुलिस इस घटना की जांच में जुटी हुई है।

रौशन झारखंड कुश्ती टीम में बतौर कोच शामिल

गोड्डा : महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर में 28 से 30 अप्रैल तक आयोजित अंडर 17 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के लिए झारखंड की टीम शनिवार शाम रांची से ट्रेन द्वारा गंतव्य के लिए रवाना हुई। उक्त आशय की।जानकारी देते हुए गोड्डा जिला कुश्ती संघ सचिव सुरजीत झा ने बताया कि टीम के ग्रीको रोमन वर्ग में गोड्डा के राष्ट्रीय पदकवीर पहलवान रौशन कुमार साह को बतौर कोच शामिल किया गया है। श्री झा ने बताया की रौशन की इस बड़ी उपलब्धि को जिला खेल जगत की बड़ी उपलब्धि बताते हुए अनुमंडल पदाधिकारी गोड्डा बैद्यनाथ उरांव एवं जिला खेल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो सहित जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों में मनीष कुमार सिंह, अखिल कुमार झा, मिथिलेश कुमार, सुभाष चन्द्र दास, अमरेंद्र सिंह बिट्टू एवं आकाश कुमार सहित प्रसिद्ध पहलवान राहुल कुमार, अंकित दुबे एवं सिंटू रजक ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

सभी को गरिमामय जिंदगी जीने का अधिकार : डालसा

गोड्डा : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रमेश कुमार एवं सचिव दीपक कुमार के निर्देश पर जिले के विभिन्न प्रखंडों में लीगल एड क्लिनिक की ओर से विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को कानूनी जानकारी दी जा रही है। इसी कड़ी में बोआरीजोर प्रखंड के बाघमारा सहित प्रखंड के गांवों में शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को कानून की जानकारी दी गई एवं इससे संबंधित बुकलेट का वितरण किया गया। बोआरीजोर डालसा की ओर से गठित टीम के सदस्यों में शामिल अनिता टुडू व सुषमा मुर्मूआदि ने ग्रामीणों को नालसा (संवाद) योजना, 2025 की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज में देश के सभी नागरिकों को गरिमापूर्ण जिंदगी जीने का अधिकार है। अधिकार का अतिक्रमण करने पर ही उसे दंडित किया जाता है। नालसा का उद्देश्य हाशिए पर पड़े कमजोर आदिवासियों और विमुक्त, घुमंतू जनजातियों के लिए न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ कराना है। इस योजना के तहत जनजातीय समुदायों के लिए कानूनी सेवा विशेष यूनिट स्थापित की जाएगी। जनजातीय समुदायों से वकील, अधिकार मित्रों को सभी प्रकार की कानूनी सहायता प्रदान करने, अदालतों में प्रतिनिधित्व, सरकारी लाभ प्राप्त करने में सहायता देने व दस्तावेजीकरण के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके अलावा इन समुदाय को मोबाइल विधिक सहायता वैन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्कूलों में विधिक साक्षरता और कानूनी सहायता क्लिनिकों का प्रदर्शन व रेडिया, दूरदर्शन के माध्यम से कानूनी रूप से जागरूकता प्रदान की जाएगी। विशेष अभियान चलाकर पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, रोजगार, बच्चों का नामांकन, छात्रवृत्ति और शैक्षिक योजनाओं, पेशा कानून के तहत भूमि, पुनर्वास, वनाधिकार संबंधी दावों में कानूनी प्रतिनिधित्व व सहायता देना आदि शामिल हैं। इन समुदाय के क्षमता निर्माण और सशक्तिकरण, स्वरोजगार का सृजन करने, वित्तीय साक्षरता कार्यशाला सहित गरिमापूर्ण जीवन जीने की दिशा में प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा गोड्डा, सुंदरपहाड़ी, पथरगामा, बसंतराय, महागामा, ठाकुरगंगटी, मेहरमा आदि प्रखंडों के ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जानकारी दी गई।

चौरा गांव में गहराया जलसंकट, जलमीनार व चापाकल महीनों से खराब

मेहरमा : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बलबड्डा पंचायत के चौरा गांव में भीषण गर्मी के बीच पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गांव में स्थित जलमीनार एवं चापाकल बीते कई महीनों से खराब पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार जलमीनार और चापाकल के खराब होने के कारण गांव में पीने के पानी की उपलब्धता लगभग ठप हो गई है। तपती गर्मी में जल की मांग बढ़ने के बावजूद किसी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। ग्रामीणों द्वारा जलमीनार तथा चापाकल खराब होने से अन्य स्त्रोतों से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है।इससे खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। कई बार पर्याप्त पानी नहीं मिलने से दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।

लाखों की लागत से बना जलमीनार सालों से ठप

महागामा : अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत रामकोल पंचायत स्थित खुर्द डुमरिया गांव में लाखो की लागत से लगी सोलर जलमीनार पूरी तरह शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। वर्षों से खराब पड़े इस जलमीनार ने सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत उजागर कर दी है। भीषण गर्मी में जहां पानी जीवन का आधार है, वहीं ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए भटकने को मजबूर हैं।ग्रामीण प्रमिला देवी, कविता देवी, आरती देवी, चंदन सिंह, सोनू पासवान, धर्मेंद्र सिंह, सुमित पासवान ने कहा कि यह सिर्फ एक मशीन की खराबी नहीं, बल्कि सिस्टम की लापरवाही का नतीजा है। कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को खराब होने की सूचना देने के बावजूद मरम्मत की दिशा में कोई का पहल नहीं हुई। नतीजतन, लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई योजना महज शोभा की वस्तु बनकर रह गई है। बताते चलें कि खुर्द डुमरिया के अधिकांश लोग गरीब और मजदूर वर्ग से हैं। उनके लिए निजी तौर पर पानी की व्यवस्था करना संभव नहीं है। ऐसे में सरकारी जलमीनार ही एकमात्र सहारा था, जो अब पूरी तरह ठप है। हालात इतने बदतर हैं कि महिलाएं और बच्चे दूर-दराज के स्त्रोतों से पानी ढोने को मजबूर हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जलमीनार के चारों ओर झाड़-झंखाड़ उग आए हैं, जो इसकी वर्षों से उपेक्षा की कहानी बयां करते हैं। यह सिर्फ एक गांव की समस्या नहीं, लगभग प्रखंड के सभी पंचायतों का यही हाल है। अब सवाल उठता है कि आखिर जवाबदेही किसकी है? लाखो की योजनाएं कागजों पर चलती रहेंगी या जमीनी स्तर पर भी लोगों को राहत मिलेगी? ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से अविलंब जलमीनार को चालू कराने की मांग की है, ताकि इस भीषण गर्मी में उन्हें राहत मिल सके।

2570वीं बुद्ध जयंती पर बोधी सोसायटी में चित्रांकन प्रतियोगिता, 400 विद्यार्थियों ने लिया भाग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। बोधी सोसायटी जमशेदपुर के तत्वावधान में 2570वीं बुद्ध जयंती के अवसर पर रविवार से चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन शुरू हुआ। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों से लगभग 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों के माध्यम से शांति, अहिंसा और भगवान गौतम बुद्ध के संदेशों को समाज तक पहुंचाना रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी सह श्रीलेदर्स के पार्टनर शेखर डे, समाजसेवी पुरवी घोष तथा जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर अमरजीत की उपस्थिति में हुआ। सभी अतिथियों ने भगवान गौतम बुद्ध के समक्ष पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर शेखर डे ने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध शांति और करुणा के प्रतीक थे। उन्होंने पूरी दुनिया को शांति, प्रेम और अहिंसा का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर समाज में सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा दें। चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन सोसायटी प्रांगण में किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय "युद्ध नहीं, शांति" रखा गया, जबकि छोटे बच्चों के लिए "गौतम बुद्ध का चित्रांकन" विषय निर्धारित किया गया। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता के माध्यम से शांति और मानवता का संदेश प्रस्तुत किया। बोधी सोसायटी के अध्यक्ष आलोक रंजन बरुआ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सामान्य बच्चों के साथ-साथ विशेष बच्चों ने भी भाग लिया, जो कार्यक्रम की सबसे विशेष बात रही। उन्होंने कहा कि बुद्ध जयंती के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम समाज में समावेशिता और समानता का संदेश देता है। उन्होंने जानकारी दी कि 1 मई को बुद्ध जयंती के दिन विश्व शांति प्रार्थना के साथ मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। वहीं, सोसायटी के महासचिव साधन बरुआ ने बताया कि शाम 4 बजे से बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे और शाम 6 बजे चित्रांकन प्रतियोगिता के विजेताओं एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अधिराज बरुआ, मिथुन बरुआ, सुमित बरुआ, स्वपन बरुआ, सुमन बरुआ, सुदीप्ता बरुआ, आकांक्षा बरुआ, प्रियांशी बरुआ, रूमी, आयुषी, कौशिक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन को लेकर बच्चों और अभिभावकों में विशेष उत्साह देखा गया।

पीड़ित परिवारों तक पहुंचे विधायक हेमलाल मुर्मू, सहयोग का भरोसा और आर्थिक सहायता दी

लिट्टीपाड़ाः फूलपहाड़ी गांव में हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल बना हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक हेमलाल मुर्मू ने शनिवार को मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। विधायक हेमलाल मुर्मू मृतक वकील मरांडी और फिलिप हंसदा के घर पहुंचे, जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने तात्कालिक राहत के तौर पर दोनों परिवारों को दस-दस हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रशासन और वे स्वयं पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों से आवश्यक सहयोग सुनिश्चित कराने की बात कही। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य एवं युवा नेता विकास मुर्मू, प्रखंड उपाध्यक्ष रंजन साहा, करुण मंडल समेत कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। हादसे के बाद गांव में शोक की स्थिति बनी हुई है और स्थानीय लोग पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना जता रहे हैं।

गश्ती दल की कार्रवाई, बिना चालान ओवरलोड बालू लदा ट्रैक्टर पकड़ा गया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़ः पाकुड़ जिला के ग्राम बहिरग्राम मोड़ के पास गश्ती दल द्वारा बिना चालान के एक ओवरलोड बालू लदा ट्रैक्टर (बिना नंबर) परिवहन करते पकड़ा गया है। ट्रैक्टर पर कोई पंजीकरण संख्या अंकित नहीं थी और अवैध तरीके से बालू का परिवहन किया जा रहा था, जिससे प्रशासन की निगरानी पर भी सवाल खड़े होते हैं। इस संबंध में अग्रिम कार्रवाई हेतु खनन पदाधिकारी, पाकुड़ को प्रतिवेदन भेजा गया है, ताकि मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। लगातार मिल रही शिकायतों और क्षेत्र में बढ़ते अवैध खनन व परिवहन को देखते हुए गश्ती दल द्वारा सख्ती बरती जा रही है। यह जानकारी पाकुड़ मालपहाड़ी थाना प्रभारी राहुल गुप्ता ने देते हुए बताया कि अवैध खनन और बिना चालान बालू परिवहन के खिलाफ अभियान निरंतर जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध इसी प्रकार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था और संसाधनों की सुरक्षा बनी रहे।

बरमसिया क्षेत्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल, बत्तख बच्चा वितरण कार्यक्रम आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़ः पाकुड़ वन प्रमण्डल, पाकुड़ द्वारा हिरणपुर प्रखण्ड के बरमसिया क्षेत्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बत्तख बच्चा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 26 अप्रैल को बीरगांव और दुलमीडांगा गांव की चयनित एवं प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं के बीच बत्तख के बच्चे वितरित किए गए। बताया गया कि बीते 19 अप्रैल को बत्तख पालन को बढ़ावा देने और महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से प्राथमिक विद्यालय दुलमीडांगा परिसर में चयनित लाभुक दीदियों को विशेषज्ञों द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया गया था। प्रशिक्षण के बाद अब उन्हें बत्तख पालन शुरू करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए। इस कार्यक्रम में प्रत्येक लाभुक दीदी को 50 बत्तख बच्चा, 50 किलो चारा, दवा और एक डलिया प्रदान किया गया। वितरण कार्य पाकुड़ वन प्रमण्डल, पाकुड़ के नव पदोन्नत वनक्षेत्र पदाधिकारी बबलू कुमार देहरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं में इस पहल को लेकर काफी उत्साह देखा गया। वितरण के बाद लाभुक दीदियों ने इस पहल के लिए वन प्रमण्डल पदाधिकारी, पाकुड़ के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस योजना से उन्हें स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे और वे आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेंगी। वन प्रमण्डल पदाधिकारी, पाकुड़ ने बताया कि यह पहल ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है, जिससे आने वाले समय में और भी महिलाओं को लाभान्वित किया जाएगा।

प्रेम प्रसंग में युवती को जबरन ले जाने का प्रयास विफल, ग्रामीणों ने युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हिरणपुर : प्रखंड क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला शनिवार को सामने आया, जहां एक युवती को जबरन ले जाने की कोशिश कर रहे युवक को स्वजन और ग्रामीणों ने पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद युवक के पास से एक चाकू भी बरामद हुआ, जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। बताया गया कि गांव की युवती अपनी मां के साथ शिवतल्ला, पाकुड़ में रहती थी। इसी दौरान मोबाइल के माध्यम से धुलियान, बंगाल निवासी रॉकी मंडल से संपर्क हुआ। युवक ने स्वयं को अविवाहित बताते हुए शादी का झांसा दिया और युवती को अपने घर ले गया। लेकिन वहां पहुंचने पर युवती को युवक की पहली पत्नी और एक बच्चे के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद कुछ दिनों में वह वापस अपने घर लौट आई। घर लौटने के बाद भी युवक शिवतल्ला पहुंचकर युवती को धमकाने लगा और जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास करता रहा। इस कारण युवती की मां उसे लेकर अपने मायके आकर रहने लगी। शनिवार को युवक गांव पहुंचा और फिर से युवती को जबरन ले जाने की कोशिश की, लेकिन युवती ने साफ इंकार कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने युवक को पकड़कर बंधक बना लिया। पीड़ित युवती ने बताया कि उसे झूठ बोलकर बहकाया गया और उसके साथ कई बार मारपीट भी की गई। मामले को लेकर युवती ने थाना में युवक के विरुद्ध लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

शिव महापुराण कथा का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लिट्टीपाड़ाः प्रखंड के बड़ा सरसा गांव में शिव महापुराण कथा का शुभारंभ विधिवत रूप से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष रंजन साहा ने फीता काटकर किया। इस दौरान धार्मिक वातावरण में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति देखी गई। कार्यक्रम स्थल पर कथा आरंभ होते ही भक्ति का माहौल बन गया और श्रद्धालु पूरे श्रद्धा भाव से कथा श्रवण में जुट गए। आयोजन समिति की ओर से व्यवस्था की गई थी, जिससे उपस्थित लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर कृष्णा साहा, करुण मंडल सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे और सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। आयोजकों ने बताया कि कथा के दौरान प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन और भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बना रहेगा।

मन की बात का 133वां संस्करण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेशों पर हुई चर्चा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पाकुड़ : भारतीय जनता पार्टी के इलामी मंडल अध्यक्ष बापोन सरकार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 133वें संस्करण को सुना। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया और कार्यक्रम को ध्यानपूर्वक सुना गया। बूथ संख्या 356 पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय, पूर्व जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, वरिष्ठ कार्यकर्ता विश्वनाथ घोष, गोपाल सरकार, कालू घोष, दीप घोष, भवानी सरकार, शिवनाथ सरकार, सीताराम सरकार, अजय सरकार, अटल बिहारी घोष, सनातन सरकार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे और सामूहिक रूप से कार्यक्रम का श्रवण किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि चुनावों की गहमागहमी के बीच नागरिकों के संदेशों और पत्रों के माध्यम से उनकी उपलब्धियों को साझा करने का अवसर मिला है, जिससे देशभर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है। कार्यक्रम के उपरांत कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों पर चर्चा करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया।

विभिन्न मांगों को लेकर चाईबासा से रांची तक न्याय पद यात्रा शुरू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा शहर में सड़क सुरक्षा और 'नो एंट्री' लागू करने की मांग को लेकर रविवार को तांबो चौक से 'न्याय पद यात्रा' की शुरुआत हुई। नो एंट्री आंदोलन समिति के संयोजक रमेश बालमुचू के नेतृत्व में निकली यह यात्रा 26 अप्रैल से शुरू होकर विभिन्न गांवों और जंगलों से गुजरते हुए एक मई को रांची स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचेगी। यात्रा में सैकड़ों ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के सदस्यों की भागीदारी देखने को मिली। भीषण गर्मी के बावजूद महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिनमें कई अपने छोटे बच्चों को गोद में लेकर चल रही थीं। प्रतिभागी हाथों में तिरंगा और मांगों से जुड़ी तख्तियां लिए हुए थे। यात्रा के दौरान स्थानीय विधायक सह परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ, जिला प्रशासन और उद्योगों के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। आंदोलनकारियों का कहना है कि चाईबासा बाईपास एमडीआर-177, एएच-75ई और एनएच-220 पर भारी वाहनों की आवाजाही के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। 27 सितंबर 2025 को इसी मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ झड़प हुई थी, जिसके बाद 16 लोगों को जेल भेजा गया और 74 नामजद सहित 500 से अधिक अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया। अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। पद यात्रा के जरिए आंदोलनकारी केस वापस लेने, 'नो एंट्री' लागू करने, लाठीचार्ज की न्यायिक जांच और मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि राज्यपाल, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार के बावजूद न्याय नहीं मिला, इसलिए अब वे राजधानी पहुंचकर सरकार से सीधा संवाद करेंगे। इस पद यात्रा में देवेन्द्र नाथ चंपिया, प्रदीप बालमुचू, दुर्गाप्रसाद जामुदा, सुशील पुरती, रमय पुरती, बमीया बारी, सुरेश सोय, करण सिंह मुंडा, वीर सिंह बिरूली, रवि बिरूली, संचु तिर्की, नवल कच्छप, सिद्धार्थ होनहागा, जयंती बिरूली, सुनील सिरका, विष्णु मिंज, सुशीला देवगम, कृष्णा टोप्पो, पंकज खलखो, महेंद्र जामुदा, रियांस सामड, साधु बानरा, संजय देवगम और सन्नी देवगम सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष और बच्चे शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

जदयू के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना गुलाम रसूल बलयावी का भव्य स्वागत, अल्पसंख्यक कल्याण पर दिया जोर

लोहरदगाः बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन हजरत मौलाना गुलाम रसूल बलयावी के जनता दल यूनाइटेड (जदयू) का राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद शनिवार को प्रथम लोहरदगा आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। लोहरदगा परिसदन में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें सम्मानित किया। अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए मौलाना गुलाम रसूल बलयावी ने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि समाज की सेवा का एक बड़ा माध्यम है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अल्पसंख्यक समुदाय के उत्थान के लिए शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जागरूकता उनकी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर हैं। उन्होंने कहा आयोग के माध्यम से चल रही कल्याणकारी योजनाओं को हर जरूरतमंद तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। हमें समाज में भाईचारा, एकता और विकास के माहौल को और अधिक मजबूत करना होगा। कार्यक्रम के दौरान अल्पसंख्यक आयोग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, जैसे छात्रवृत्ति, कौशल विकास और सामाजिक सशक्तिकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने सुझाव दिया कि इन सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक ले जाने की आवश्यकता है ताकि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को इसका लाभ मिल सके। कुरैश कांफ्रेंस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अफसर कुरैशी ने मौलाना बलयावी का अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका राष्ट्रीय महासचिव बनना पूरे अल्पसंख्यक समाज के लिए गौरव की बात है। उनके लंबे अनुभव और कुशल नेतृत्व से समाज को एक नई और सकारात्मक दिशा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य रूप से राजद नेता हसीन अख्तर, हजरत मौलाना रियाज अंसारी, शमशेर कुरैशी, हाफिज आजाद अंसारी, आफताब आलम सहित कई गणमान्य लोग और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने गुलदस्ता भेंट कर और माला पहनाकर बलयावी का स्वागत किया।

24 घंटे में समाधानः जनता दरबार में उठी फरियाद पर उपायुक्त ने खुद सौंपा पेंशन स्वीकृति पत्र

चतरा । जिला प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यशैली का एक प्रेरणादायक उदाहरण चतरा में सामने आया है। सदर प्रखंड अंतर्गत ढंगरटोली निवासी कलावती देवी की समस्या का समाधान महज 24 घंटे के भीतर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, कलावती देवी ने 24 अप्रैल को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में उपस्थित होकर अपने पति के निधन के बाद उत्पन्न आर्थिक कठिनाइयों से अवगत कराया। उन्होंने राज्य विधवा सम्मान पेंशन योजना से जोड़ने का अनुरोध किया। मामले की गंभीरता को समझते हुए जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने तत्काल सामाजिक सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। प्रशासन की तत्परता का परिणाम यह रहा कि अगले ही दिन, 25 अप्रैल को उपायुक्त ने अपने कार्यालय कक्ष में कलावती देवी को स्वयं अपने हाथों से राज्य विधवा सम्मान पेंशन योजना का स्वीकृति पत्र सौंप दिया। स्वीकृति पत्र प्राप्त होने पर कलावती देवी ने जिला प्रशासन की त्वरित पहल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस सहायता से उन्हें कठिन समय में बड़ी राहत मिली है। यह पहल न केवल प्रशासन की कार्यकुशलता को दर्शाती है, बल्कि आमजन की समस्याओं के प्रति उसकी संवेदनशीलता का भी प्रमाण है।

ट्रेनों की लेटलतीफी के खिलाफ टाटानगर में चला हस्ताक्षर अभियान

पूर्वी सिंहभूम। यात्री ट्रेनों की लगातार हो रही लेटलतीफी के विरोध में रविवार को टाटानगर स्टेशन परिसर में रेल यात्री संघर्ष समिति की ओर से व्यापक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में यात्रियों ने इसमें भाग लिया। अभियान की शुरुआत जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने स्वयं हस्ताक्षर कर की। इसके बाद यात्रियों ने उत्साहपूर्वक ह्वाइट बोर्ड और फॉर्म पर अपने हस्ताक्षर दर्ज कर विरोध जताया। कई लोगों ने मौके पर ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया। सुबह से ही स्टेशन परिसर में लोगों की भीड़ जुटने लगी थी। प्लेटफॉर्म से बाहर निकलने वाले अधिकांश यात्रियों ने इस अभियान में हिस्सा लिया। हस्ताक्षर के लिए दो स्थान बनाए गए थे। एक प्लेटफॉर्म नंबर एक के प्रवेश मार्ग के पास और दूसरा टिकट बुकिंग कार्यालय के समीप। डिजिटल माध्यम से भी समर्थन दर्ज किया गया, जहां लोगों ने क्यूआर कोड स्कैन कर अपनी सहमति दी। इस दौरान सरयू राय ने रेलवे अधिकारियों के रवैये को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यात्री ट्रेनों की अनदेखी कर मालगाड़ियों को प्राथमिकता देना गलत है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो रेल पटरियों पर बैठकर विरोध किया जाएगा। संघर्ष समिति के संयोजक शिवशंकर सिंह ने भी रेलवे प्रशासन के नकारात्मक रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि आंदोलन को दबाया नहीं जा सकता। आफताब अहमद सिद्दिकी, सुबोध श्रीवास्तव, कन्हैया सिंह और अजय कुमार सहित कई लोगों ने रेलवे पर यात्रियों की उपेक्षा का आरोप लगाया। अभियान में आशुतोष राय, अमृता मिश्रा, अमित शर्मा, नीरज सिंह, प्रकाश कोया, राजेश प्रसाद, अंजली सिंह, कौशल, निर्मल सिंह, रणजीत प्रसाद, दुर्गा राव, जीतेंद्र सिंह, विकास सहनी, मनोज सिंह, तारक मुखर्जी, शेषनाथ पाठक सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

के.के.एन स्टेडियम में कराटे बेल्ट ग्रेडिंग, 43 खिलाड़ियों ने हासिल की नई बेल्ट

देवघरः-के.के.एन स्टेडियम में अशिहारा कराटे फेडरेशन द्वारा कराटे बेल्ट ग्रेडिंग का आयोजन किया गया, जिसमें सेंसेई चंदन भार्गव के 43 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सेंसेई एस.के. प्रभाकर ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर ब्लू, येलो, ग्रीन, ब्राउन, प्री ब्लैक और ब्लैक बेल्ट प्रदान किए। ब्लैक बेल्ट पाने वालों में आराध्या कुमारी, शौर्य पराशर, आदित्य, विराट कुमार मंडल, तेजश्व बरनवाल, रोहन कुमार और आदित्य तिवारी शामिल रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्यम राज, सुदीप कुमार राय समेत कई लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

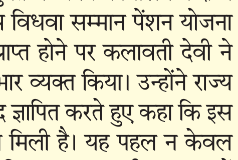

2570वीं बुद्ध जयंती पर बोधी सोसायटी में चित्रांकन प्रतियोगिता, 400 विद्यार्थियों ने लिया भाग

पूर्वी सिंहभूम। बोधी सोसायटी जमशेदपुर के तत्वावधान में 2570वीं बुद्ध जयंती के अवसर पर रविवार से चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन शुरू हुआ। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों से लगभग 400 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों के माध्यम से शांति, अहिंसा और भगवान गौतम बुद्ध के संदेशों को समाज तक पहुंचाना रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी सह श्रीलेदर्स के पार्टनर शेखर डे, समाजसेवी पुरवी घोष तथा जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर अमरजीत की उपस्थिति में हुआ। सभी अतिथियों ने भगवान गौतम बुद्ध के समक्ष पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर शेखर डे ने कहा कि भगवान गौतम बुद्ध शांति और करुणा के प्रतीक थे। उन्होंने पूरी दुनिया को शांति, प्रेम और अहिंसा का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर समाज में सौहार्द और भाईचारे को बढ़ावा दें। चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन सोसायटी प्रांगण में किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय "युद्ध नहीं, शांति" रखा गया, जबकि छोटे बच्चों के लिए "गौतम बुद्ध का चित्रांकन" विषय निर्धारित किया गया।

उपायुक्त चतरा का सदर अस्पताल चतरा में औचक निरीक्षण

स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता व पारदर्शिता सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

चतरा जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त रवि आनंद ने शनिवार को सदर अस्पताल, चतरा का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत का बारीकी से आकलन किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं सेवा की गुणवत्ता को परखते हुए आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी कक्ष, इमरजेंसी यूनिट, प्रसूति एवं शिशु वार्ड, दवा भंडारण कक्ष सहित अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन करते हुए ड्यूटी रोस्टर के अनुपालन की जांच की और सभी कर्मियों को समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ सत्येंद्र कुमार सिन्हा सहित संबंधित पदाधिकारी भी मौजूद रहें। उपायुक्त ने दवाओं की उपलब्धता, उनके रख-रखाव एवं वितरण प्रणाली की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि आवश्यक दवाएं हर हाल में उपलब्ध रहें, ताकि मरीजों को बाहर से दवा खरीदने की जरूरत न पड़े। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों से संवाद कर उपचार की गुणवत्ता, उपलब्ध सुविधाओं एवं समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, प्रतीक्षालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लेते हुए उपायुक्त ने स्वच्छता एवं सुव्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अस्पताल का वातावरण स्वच्छ व व्यवस्थित होना चाहिए, जिससे मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उपायुक्त रवि आनंद ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सभी चिकित्सक एवं कर्मी मरीजों के प्रति संवेदनशील व जवाबदेह व्यवहार अपनाएं तथा प्रत्येक मरीज को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पहुंचे तथा अस्पताल में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक जानकारी व सहयोग मिले। उपायुक्त ने कहा कि आमजनों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से इस प्रकार के औचक निरीक्षण आगे भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जा सके।

जैक बोर्ड 10वीं परिणाम 2026: प्रोजेक्ट हाई स्कूल हनहट का शानदार प्रदर्शन, 98.11% छात्र सफल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कैरो/लोहरदगा : झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं वार्षिक परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इसी क्रम में प्रोजेक्ट हाई स्कूल, हनहट कैरो का परिणाम भी काफी उत्कृष्ट रहा। इस वर्ष विद्यालय के कुल 106 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 104 विद्यार्थी सफल रहे। विद्यालय का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 98.11% रहा, जो एक सराहनीय उपलब्धि है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 28 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 69 ने द्वितीय श्रेणी तथा 7 विद्यार्थियों ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की। वहीं 2 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे। टॉप 10 छात्रों की सूची में पल्लवी कुमारी ने (405)अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। विपिन उरांव (400 अंक) द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि गिदरन कुमारी (370 अंक) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अन्य प्रमुख विद्यार्थियों में ऋषिकेश भूषण भगत (361), बुजेता कुमारी (359), ऐमान नाज (356), सीता कुमारी (356), दिव्या कुमारी (349), खुशबू कुमारी (348) एवं रूपा कुमारी (342) शामिल हैं।

विद्यालय के प्राचार्य कृष्णा उरांव के नेतृत्व में शिक्षकगण—कुलदीप कुमार मिश्रा, अनीता बाला, सुधा मैम, रीमा कुमारी, बुधराम सर, लोकेश कुमार एवं खोलो मैम—ने छात्रों की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह उत्कृष्ट परिणाम संभव हो पाया है। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चितरी महुआ टोली में हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा संपन्न, भक्ति और भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

सेन्हा/लोहरदगाः प्रखंड के चितरी महुआ टोली में भक्ति, श्रद्धा और अपार उत्साह के साथ तीन दिवसीय हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह भंडारा कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान पूरा क्षेत्र बजरंगबली के जयकारों और मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहा। इस पावन अवसर पर जय श्रीराम समिति के जिला संरक्षक अजय सोनी, ओम महतो, बजरंग करवा और उपेंद्र कुशवाहा सहित कई प्रमुख पदाधिकारी कार्यक्रम स्थल पहुंचे। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का पारंपरिक तरीके से अंग वस्त्र प्रदान कर भव्य स्वागत और सम्मान किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जय श्रीराम समिति के जिला संरक्षक व अन्य पदाधिकारियों ने सनातन धर्म की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा धार्मिक आयोजन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये समाज को एकता के सूत्र में पिरोने और हमारी सांस्कृतिक विरासत को सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम हैं। निरंतरता और बड़ी भागीदारी ही धर्म के प्रचार-प्रसार का आधार है। तीन दिनों तक चले इस अनुष्ठान में पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा, जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक बना रहा। कार्यक्रम के अंतिम दिन आयोजित विशाल भंडारे में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा। इस मौके पर मुख्य रूप से राजेंद्र साहू, प्रकाश साहू, विजय गुप्ता, विपिन सिंह, उदय सिंह, सुरेश सिंह, सीताराम साहू, रजनीश सिंह, सकलदीप सिंह, मंजू देवी, सीमा देवी, राधा देवी, श्रवण साहू, मुरारी सिंह, धीरज कुमार पाठक, राम साहू, अजय साहू, राधिका देवी, सुरेंद्र साहू, शिवा साहू सहित भारी संख्या में श्रद्धालु और जय श्रीराम समिति के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पब्लिक विजन में समाचार छपते ही मिला सुराग, 11 दिनों से लापता युवती सकुशल बरामद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः मीडिया की सजगता और सामाजिक जिम्मेदारी का एक बड़ा उदाहरण लोहरदगा में देखने को मिला है। सदर थाना क्षेत्र के रघुटोली से बीते 16 अप्रैल से लापता 19 वर्षीय युवती अंजलि कुमारी को सकुशल बरामद कर लिया गया है। युवती के मिलने से उसके परिजनों ने राहत की सांस ली है और 'पब्लिक विजन' अखबार का आभार व्यक्त किया है। जानकारी के अनुसार, अंजलि कुमारी पिछले 11 दिनों से लापता थी, जिससे परिजन काफी परेशान थे। शनिवार को पब्लिक विजन में युवती की गुमशुदगी की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी। खबर में दिए गए मोबाइल नंबरों और फोटो के आधार पर स्थानीय लोगों ने सक्रियता दिखाई। समाचार पढ़ने के बाद कई जागरूक नागरिकों ने फोन कर युवती के बारे में जानकारी साझा की। मिले इनपुट्स के आधार पर खोजबीन तेज की गई, तो पता चला कि अंजलि सेन्हा थाना क्षेत्र के अररू गांव में अपने एक रिश्तेदार के घर पर थी। बताया जा रहा है कि वह 16 अप्रैल को ही वहां पहुंच गई थी, लेकिन संचार की कमी या किसी गलतफहमी के कारण परिजनों तक इसकी सूचना नहीं पहुंच पाई थी। सूचना मिलते ही परिजन शनिवार शाम को ही सक्रिय हुए और रविवार सुबह युवती को अररू गांव से सकुशल वापस अपने घर (भरनो थाना क्षेत्र के बोड़ो टोली) ले आए। अंजलि के सुरक्षित लौटने पर घर में खुशी का माहौल है। परिजनों ने कहा अगर अखबार में खबर नहीं छपती, तो शायद हमें सही जानकारी मिलने में और वक्त लग जाता। पब्लिक विजन की टीम और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने हमें फोन कर जानकारी दी।

बड़गांव के खेत में मिला अचेत अज्ञात व्यक्ति, सदर अस्पताल में भर्ती

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत बड़गांव क्षेत्र से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक अज्ञात व्यक्ति बीते शनिवार की रात से ही खेत के बीचों-बीच अचेत अवस्था में पड़ा मिला। रविवार सुबह जब स्थानीय ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी, तो इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, व्यक्ति किस परिस्थिति में खेत तक पहुँचा और वहाँ कैसे गिरा, इसकी जानकारी फिलहाल किसी को नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि व्यक्ति रात भर खुले आसमान के नीचे खेत में पड़ा रहा। सुबह होने पर जब लोग खेतों की ओर निकले, तब मामले का खुलासा हुआ। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घटना की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग को दी। सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुँची और पीड़ित को प्राथमिक उपचार देते हुए सदर अस्पताल लोहरदगा में भर्ती कराया।

अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा व्यक्ति का उपचार किया जा रहा है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक उक्त व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन व्यक्ति की शिनाख्त करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि उसके परिजनों को सूचित किया जा सके।

दामोदर महोत्सव की तैयारियों को लेकर लोहरदगा पहुंचे विधायक सरयू राय

चुल्हापानी को पर्यटन स्थल बनाने का संकल्प

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री, जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सह युगांतर भारती के संरक्षक सरयू राय शनिवार को लोहरदगा परिसदन पहुंचे। उनके आगमन पर जिले के उपायुक्त संदीप कुमार मीणा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी उत्साहपूर्वक उनका अभिनंदन किया। विधायक सरयू राय के स्वागत में जिला प्रशासन के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ताओं और युगांतर भारती से जुड़े लोगों का जमावड़ा रहा। सेवा भारती के दीपक सराफ सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें सम्मानित किया। यह दौरा आगामी दामोदर महोत्सव की रूपरेखा तैयार करने और क्षेत्र के पर्यावरणीय महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। परिसदन में आयोजित बैठक के दौरान सरयू राय ने आगामी दामोदर महोत्सव की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य केवल आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि नदी संरक्षण और पर्यावरण की शुद्धता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से महोत्सव को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। बैठक का मुख्य केंद्र दामोदर नदी का उद्गम स्थल चुल्हापानी रहा। सरयू राय ने इसके ऐतिहासिक और प्राकृतिक महत्व को देखते हुए इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि चुल्हापानी के प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ किए बिना वहाँ बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाना चाहिए। इसे पर्यटन मानचित्र पर लाने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। जब लोग उद्गम स्थल की सुंदरता को देखेंगे, तो वे नदियों के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक बनेंगे। इस दौरे ने न केवल महोत्सव की तैयारियों को गति दी है, बल्कि लोहरदगा के पर्यटन विकास की नई उम्मीदें भी जगाई हैं।

हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो घायल, रेफर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

चतरा। हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को दो अलग अलग सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप घायल हो गए। पहली घटना वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के प्रतापपुर - जोरी मुख्य पथ पर निंजरा बजरंगबली मंदिर के समीप घटी जहां जोरी बाजार से वापस अपने घर हारा लौट रहे युवक का बाइक एक अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। जिसके बाद युवक का बाइक असंतुलित हो गया और वह सड़क पर जा गिरा। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि ग्रामीणों और राहगीरों ने घायल युवक को आनन फानन में निजी वाहन से स्वास्थ्य उपकेंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया। घायल युवक की पहचान प्रतापपुर थाना क्षेत्र के हारा गांव निवासी लालू सिंह के 20 वर्षीय पुत्र उपेंद्र कुमार के रूप में हुई है। घायल युवक का एक पैर फ्रैक्चर बताया जा रहा है। दूसरी घटना हंटरगंज - शेरघाटी मुख्य पथ पर शनिवार दोपहर सोनवर्षा जंगल के समीप घटी। जहां चतरा से सब्जी खाली करवाकर एक बाइक सवार युवक वापस अपने घर जा इस था इसी दौरान उसका बाइक विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टक्कर हो गई जिसके बाद अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया घायल युवक की पहचान बिहार के गयाजी जिले के आमस थाना क्षेत्र के कोच्चि मालियांननचक गांव निवासी युग प्रजापति के 35 वर्षीय पुत्र उपेंद्र प्रजापति रूप में हुई है।

NSUI लोहरदगा में अनुशासन समिति का गठनः शैलेश कुमार बने अध्यक्ष

तौसीफ और फैज को मिली को-ऑर्डिनेटर की कमान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोहरदगाः राष्ट्रीय छात्र संगठन ने लोहरदगा जिला इकाई को वैचारिक और संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। संगठन के भीतर अनुशासन सुनिश्चित करने और गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से एक नई अनुशासन समिति की घोषणा की गई है। यह विस्तार एनएसयूआई झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विनय उराँव एवं लोहरदगा प्रभारी मुशर्रफ हुसैन के दिशा-निर्देशों पर किया गया है। नवनियुक्त अध्यक्ष शैलेश कुमार, को-ऑर्डिनेटर तौसीफ अंसारी, को-ऑर्डिनेटर फैज अहमद पदाधिकारियों का चयन किया गया। वही एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मनौवर आलम ने कहा नवनियुक्त समिति का प्राथमिक कार्य संगठन के भीतर अनुशासन बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि सभी छात्र गतिविधियां संगठन की नीतियों के अनुरूप पारदर्शी ढंग से संचालित हों। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। संगठन को मजबूत और अनुशासित बनाए रखना हमारी पहली प्राथमिकता है। यह अनुशासन समिति संगठन के कार्यों को पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में अहम भूमिका निभाएगी। हमें उम्मीद है कि सभी कार्यकर्ता नियमों का पालन करते हुए NSUI को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। इस नई नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय छात्र नेताओं का मानना है कि शैलेश कुमार के नेतृत्व में अनुशासन समिति न केवल विवादों का निपटारा करेगी, बल्कि छात्रों की समस्याओं को उठाने के लिए एक बेहतर कार्य-संस्कृति भी विकसित करेगी।

भूमि की रिसाव शक्ति को पेड़-पौधे लगाकर बढ़ाया जा सकता है। बढ़ती हुई जड़ें तहों को तोड़ देती हैं तथा गहरे छेद बना देती है। जब जड़े सूख जाती हैं तो भूमि के रिसाव के लिये छेद बन जाते हैं। फसलें उगने से बहने वाले जल की मात्रा में कमी पायी गयी है जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि भूमि में जल का रिसाव बढ़ा। पौधे लगाने से भूमि में सूक्ष्म जीवों की गतिविधियों में भी बढ़ोत्तरी होती है तथा मिट्टी की संरचना में परिवर्तन आता है। छेद की संख्या और कोशिकाएं बढ़ जाती हैं। मिट्टी में जैविक पदार्थों के बढ़ने से जैसे कि गोबर खाद इत्यादि देने से रिसाव बढ़ता है. रिसाव बढ़ाने के लिए प्राथमिक जुताई तथा बाद की जुताई या गुड़ाई का बहुत महत्व है। जुताई या गुड़ाई न केवल रिसाव बढ़ाती है बल्कि खरपतवारों का नियंत्रण तथा धूल की सतह बिछाकर नमी का संरक्षण भी करती है। पौधों की दूरी और संख्या भी भूमि में नमी को सोखने में सहायक होती है।

वर्षा जल संचयन और भूमि की उर्वरता

असिंचित खेती की कुंजी

सम्पूर्ण भारत मानसूनी वर्षा के क्षेत्र में आता है, जिसके कारण प्रायः वर्षा की अनिश्चितता और असमानता बनी रहती है। अतः उन सभी क्षेत्रों में जहां सिंचाई का कोई साधन अभी तक नहीं बन पाया है, जो भी खेती की जाती है उसे असिंचित खेती के नाम से जाना जाता है। इसी असिंचित खेती का दूसरा नाम बारानी खेती भी है। असिंचित खेती की मुख्य समस्या पानी या नमी का अभाव है जिसके कारण खेती का संपूर्ण कार्य अनिश्चितता के वातावरण में किया जाता है। इस प्रकार की खेती भारत वर्ष में लगभग 70% कृषि योग्य भूमि में की जाती है जिससे प्रतिवर्ष 45-50% अन्न उत्पादन प्राप्त होता है।

भूमि की रिसाव शक्ति को पेड़-पौधे लगाकर बढ़ाया जा सकता है। बढ़ती हुई जड़ें तहों को तोड़ देती हैं तथा गहरे छेद बना देती है। जब जड़े सूख जाती हैं तो भूमि के रिसाव के लिये छेद बन जाते हैं। फसलें उगने से बहने वाले जल की मात्रा में कमी पायी गयी है जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि भूमि में जल का रिसाव बढ़ा। पौधे लगाने से भूमि में सूक्ष्म जीवों की गतिविधियों में भी बढ़ोत्तरी होती है तथा मिट्टी की संरचना में परिवर्तन आता है। छेद की संख्या और कोशिकाएं बढ़ जाती हैं। मिट्टी में जैविक पदार्थों के बढ़ने से जैसे कि गोबर खाद इत्यादि देने से रिसाव बढ़ता है. रिसाव बढ़ाने के लिए प्राथमिक जुताई तथा बाद की जुताई या गुड़ाई का बहुत महत्व है। जुताई या गुड़ाई न केवल रिसाव बढ़ाती है बल्कि खरपतवारों का नियंत्रण तथा धूल की सतह बिछाकर नमी का संरक्षण भी करती है। पौधों की दूरी और संख्या भी भूमि में नमी को सोखने में सहायक होती है। अतः खेतों में पौधों की संख्या इस प्रकार रखनी चाहिए कि भूमि से प्राप्त पोषक तत्वों और जल का अधिकतम उपयोग हो सके। यदि असिंचित क्षेत्रों में पौधों की संख्या अधिक रखी जायेगी तो भूमि में एकत्रित नमी शीघ्र समाप्त हो जायेगी और फसल पकने से पहले ही सूख जाएगी। अधिकतम उपज के लिए जलवायु और भूमि को ध्यान में रखकर ऐसी फसलों का चुनाव करना चाहिये जो कि प्राप्त जल का समुचित उपयोग कर सके।

वर्षा जल का मिट्टी नमी के रूप में संचय मुख्यतः मिट्टी की जल सोखने की क्षमता, भूमि सतह पर पानी रुकने की अवधि तथा मिट्टी नमी धारण क्षमता

पर निर्भर करता है। विभिन्न कर्षण क्रियाओं से भूमि-पृष्ठ अवस्था में सुधार करके मिट्टी के जल सोखने तथा धारण करने की क्षमता बढ़ाई जा सकती है। कम्पोस्ट, गोबर खाद तथा हरी खाद के प्रयोग से भी मिट्टी (खासकर हल्की मिट्टी) की जलधारण क्षमता बढ़ाई जा सकती है।

उपयुक्त कृषि यंत्रों से सही बीज शैया तैयार करने खरपतवार नष्ट करने, धूल अवरोधी परत बनाने जिससे मृदा नमी संचित रह सके तथा भू-पृष्ठ को मिट्टी कटाव के प्रतिरोधी बनाने में सहायता मिलती है। मिट्टी एवं जल प्रबंध में नमी संचय हेतु कई क्रियायें उपयोगी पायी गयी हैं, जैसे -

द्य समतलीकरण एवं मेड़ बंदी- वर्षा जल के समान वितरण एवं अधिक समय तक प्रक्षेत्र में ठहरने के लिये खेतों को समतल करके मेड़ बंदी करना आवश्यक है। मेड़ बंदी करने से भूमि कटाव रुकता है तथा मृदा-नमी एवं मृदा उर्वरता को अधिक समय तक बनाये रखा जा सकता है।

- पहाड़ी क्षेत्रों में लम्बे ढाल खेतों को मेड़ों द्वारा छोटी-छोटी पट्टियों में बांटना तथा अतिरिक्त जल निकास के लिये उचित नाली का प्रबंध करना सही मृदा-जल प्रबंध के आवश्यक अंग हैं। कम वर्षा तथा अपेक्षाकृत कम पारगम्य मिट्टी वाले क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिये समान ऊंचाई को मिलाने वाले बांधों का निर्माण करना चाहिए। इन बांधों के निर्माण से वर्षा का अधिक से अधिक जल प्रक्षेत्र में ही रुककर भूमि में सूख जाता है।
- सभी कृषि क्रियायें ढाल के विपरीत (आर-पार) करनी चाहिए। इससे पानी के बहाव में गतिरोध होता है, अधिक पानी जमीन में रिसता है और मिट्टी का कटाव कम होता है। फसल बोने की प्रणाली में परिवर्तन करके वर्षा जल का संरक्षण तथा उपयोग फसल बुआई की पद्धति में परिवर्तन करके भी किया जाता है। औसत या कम वर्षा वाले क्षेत्रों में जहां की मिट्टी हल्की होती है, कूड-नाली विधि अत्यधिक उपयोगी सिद्ध हुई है। इसमें खरीफ की फसलों को मेड़ों पर तथा रबी की फसलों को नाली के क्षेत्र में बोया जाता है। इसमें एक सीमित क्षेत्र के वर्षा जल को नाली में एकत्र किया जाता है। क्यारी विधि भी कूड-नाली की एक सुधरी विधि है। जिसमें अपेक्षाकृत बड़े क्षेत्र से जल को दोनों और निर्मित कूडों में एकत्र किया जाता है जहाँ से पाश्वीर्य रिसाव द्वारा नमी की आपूर्ति होती है और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में यह विधि जल निकासी में सहायक होती हैं।

फसल जड़ अवरोध परत

फसलों की कटाई के बाद उनकी जड़ों तथा खूटियों आदि को खेत में ही छोड़ देने से पृष्ठीय जल बहाव में अवरोध उत्पन्न होता है तथा भूमि कटाव कम होता है। इससे जल संरक्षण अधिक होता है। अधिक भारी भूमि में खेत में विशेष दूरी पर गहरी नाली नुमा खाईयां बना दी जाती हैं। और उनमें पुवाल, फसलों की जड़ें तथा डंठल इत्यादि भर दिये जाते हैं। इससे भी जल संरक्षण में सहायता मिलती है। अतिरिक्त जल को दो कतारों या फसलों के बीच नाली बनाकर, खेत निचले भाग या प्रक्षेत्र तालाब में एकत्रित किया जा सकता है। खेत के निचले भाग में जहां अधिक पानी रुकने की संभावना रहती है, अधिक जल मांग वाली फसल जैसे धान उगाकर रबी में गेहूं की खेती की जा सकती है।

दूध दोहने का नया तरीका

थन और अयन में पानी को छिड़काव, बॉटे को दूध दोहने से पहले डालना, थनों को सहलाना और बछड़े/बछियों का चाटना सभी दूध दोहने में सहायक होते हैं। दूध दोहने वाले हरमोन को प्रभाव 5 से 8 मिनट तक रहता है। इसलिए दूध निकालने की प्रक्रिया तुरंत एवं तेजी से की जानी चाहिए। तभी पशु से पूरा दूध उत्पादन लिया जा सकता है। डर,दर्द एवं भावनात्मक विघ्न दूध रोकने में मदद करते हैं

दूध, पशु के थन और अयन में उतरना एक विशिष्ट प्रक्रिया है। मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र इस पर प्रभाव डालते हैं। विभिन्न प्रकार के हारमोन निकलते हैं, जो थन एवं अयन में दूध उतारते हैं। थन और अयन में पानी को छिड़काव, बॉटे को दूध दोहने से पहले डालना, थनों को सहलाना और बछड़े/बछियों का चाटना सभी दूध दोहने में सहायक होते हैं। दूध दोहने वाले हरमोन को प्रभाव 5 से 8 मिनट तक रहता है। इसलिए दूध निकालने की प्रक्रिया तुरंत एवं तेजी से की जानी चाहिए। तभी पशु से पूरा दूध उत्पादन लिया जा सकता है। डर,दर्द एवं भावनात्मक विघ्न दूध रोकने में मदद करते हैं। इसलिए पशु दोहने के पहले बाहरी वातावरण खुश नुमा होना चाहिए। दूध दोहना एक बड़ा कार्य है। डेयरी में कुल मानव घंटों का 50-60 प्रतिशत दूध दोहने में निकलता है। एक अच्छा दूध निकालने वाला 10-15 गायों का दूध निकाल सकता है। दूध एक ऐसा पदार्थ है जो सभी प्रकार के दोषों को ग्रहण कर लेता है। थन एवं अयनों को अच्छी तरह से धोना चाहिए। ग्वालों के हाथ साफ होना चाहिए। नाखून भी साफ होना चाहिए। दूध की तीन विधियां हैं।

तर्जनी एवं अंगूठे की मदद से।
नाखून लगाकर दूध निकालना।
पूर्ण हाथ पद्धति।

सामान्य रूप से गायों में बायें तरफ से दूध निकाला जाता है। थनों का कोई क्रम नहीं रहता है। वह दूध भरने के ऊपर निर्भर रहता है।

तर्जनी एवं अंगूठे की मदद से : नई जनने वाली केड़ियों और पाड़ियों के थन छोटे होने के कारण इस विधि से दूध निकाला जाता है। यह पशु को बहुत तकलीफदायक रहती है।

नाखून लगाकर दूध निकालना : भैसों में तथा बड़े थन वाली गायों में यह विधि अपनाई जाती है परन्तु दूध दोहने में पशु को कष्ट होता है। चोट भी लग सकती है।

पूर्ण हाथ विधि : यह विधि वैज्ञानिक विधि है। इसमें पूर्ण हाथ के द्वारा पूर्ण रूपेण दूध निकाला जा सकता है।

कुछ दूध निकालने वाले ग्वाले थन को गीला करने के लिए दूध या लार लगाते हैं। यह स्वच्छ उत्पादन की दृष्टि से उपयुक्त है। इसके साथ-साथ ऐसा करने से थन फट सकते हैं।

उपरोक्त विधियों के अतिरिक्त मशीन से भी दुहाई की जा सकती है, जहां पर अधिक दूध उत्पादन देने वाली गायें एवं भैंसें हैं जिनका दूध उत्पादन 20 लीटर प्रति दिन प्रति पशु है, वहां मशीन द्वारा दुहाई कराई जाती है। यह दबाव के सिद्धान्त पर काम करती है।

क्यारियां तैयार करना : खेत के ऊंचे स्थान पर जहां पानी इकट्ठा होने की संभावना न हो, बीज बोने के लिये क्यारियाँ बनानी चाहिए.ऐसी क्यारियां छोटी लगभग 231 मी. या 331 मी. लम्बी चौड़ी आकार की तथा भूमि सतह से 15-20 सेमी. ऊंची होनी चाहिए. क्यारियाँ बनाने से पहले भूमि की जुताई कर मिट्टी अच्छी तरह भुर-भुरी बना लेना चाहिए.

सब्जियों की बहार से हरी-भरी बगिया

स्थल का चुनाव-नर्सरी स्थापना में मुख्य रूप से आदर्श जलवायु, भूमि तथा सिंचाई व्यवस्था आवश्यक है. भूमि अच्छी किस्म की हो अर्थात् दुमट भूमि जिसका जल निकास अच्छा हो नर्सरी के लिये उपयुक्त होती है. सिंचाई के लिये पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध होना चाहिए.

क्यारियां तैयार करना

खेत के ऊंचे स्थान पर जहां पानी इकट्ठा होने की संभावना न हो, बीज बोने के लिये क्यारियाँ बनानी चाहिए.ऐसी क्यारियां छोटी लगभग 231 मी. या 331 मी. लम्बी चौड़ी आकार की तथा भूमि सतह से 15-20 सेमी. ऊंची होनी चाहिए. क्यारियाँ बनाने से पहले भूमि की जुताई कर मिट्टी अच्छी तरह भुर-भुरी बना लेना चाहिए. क्यारियां तैयार कर इनमें 15 किलो अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद प्रति क्यारी मिलाकर हल्की गुड़ाई कर समतल कर लेना चाहिए.

भूमि उपचार

क्लोरोपायरीफास 2 मिली/लीटर पानी+कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम लीटर/पानी में घोलकर क्यारी की मिट्टी को तर करके क्यारियों को पॉलीथिन की चादर या पुरानी बोरियों से 24 घंटे के लिये ढंक दें. इसके बाद बीज की बुवाई करें.

बीजोपचार

बुवाई के पहले बीज को कार्बेण्डाजिम दवा 1 ग्राम प्रति किलो ग्राम या ट्रायकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित करें. अच्छी अंकुरण क्षमता वाला बीज किसी विश्वसनीय संस्था से ही खरीदना चाहिए तथा खरीदते समय पैकिंग पर बीज की अंकुरण क्षमता, शुद्धता आदि की जांच आवश्यक रूप से करें.

बीज की बुवाई

तैयार की गई क्यारियों में 5 सेमी. की दूरी पर निशान लगा लें. इन पर लकड़ी की सहायता से हल्का व पतला कुंड बनायें. इन कुंडों में 1-2 सेमी. की दूरी पर 0.5 से.मी. की गहराई पर बीज की बुवाई करें.बुवाई के बाद क्यारी को पलाश के पत्तों या धान की पुआल से ढंक दें. तथा अंकुरण होने तक दिन में एक बार हल्की सिंचाई हजारे से करते रहे.अंकुरण होने पर पत्ते/पुआल हटा दें. सामान्य परिस्थितियों में 4-6 दिनों में अंकुरण पूर्ण हो जाता है.

नर्सरी की देखभाल

बीजों के अंकुरण के बाद पौध रोपाई के लिये तैयार होने में 4-5 सप्ताह का समय लग जाता है. अतः इस अवधि में पौधे को कीट एवं रोगों से बचाने के लिये अंकुरण के 8वें दिन पर बाविस्टीन 1 ग्राम/लीटर+ डायमिथियेट 1 मिली/लीटर के हिसाब से छिड़काव करें. यदि पौधे कमजोर दिखाई दें तो 0.5 प्रतिशत यूरिया का छिड़काव कर देना चाहिए.

संक्षिप्त समाचार

बिहार के डिप्टी सीएम विजय चौधरी पहुंचे बाबा धाम, लिया महादेव का आशीर्वाद

देवघर, एजेंसी। बिहार के डिप्टी मुख्यमंत्री विजय चौधरी आज बाबा नगरी पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर पहुंचने पर पंडा समाज द्वारा उनका स्वागत किया गया, जिसके बाद उन्होंने बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर राज्य की सुख-समृद्धि की कामना की। इससे पहले बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी बाबा धाम पहुंच चुके हैं और उन्होंने भी बाबा बैद्यनाथ का आशीर्वाद लिया था। लगातार बिहार के शीर्ष नेताओं का बाबा धाम पहुंचना, आने वाले समय में धार्मिक और राजनीतिक दोनों ही दृष्टिकोण से अहम माना जा रहा है। श्रावण मास से पहले ही नेताओं की यह आवाजाही चर्चा का विषय बनती जा रही है।

एकमा में दो मंदिरों में चोरी:दानपात्र, नकदी सहित 15 हजार की संपत्ति चोरी

सारण, एजेंसी। सारण जिले के एकमा थाना क्षेत्र के फुचटी कला गांव में दो मंदिरों में चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने शिव मंदिर और राम-जानकी मंदिर को निशाना बनाया। इस घटना के बाद इलाके में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। मंदिर के पुजारी संजय मिश्रा ने शुक्रवार को इस संबंध में आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि शिव मंदिर से चोरों ने घंटा, घड़ी और दानपात्र चुरा लिया। वहीं, राम-जानकी मंदिर से पुजारी का मोबाइल, घड़ी और लगभग पांच हजार रुपये नकद सहित कुल 15 हजार रुपये मूल्य की संपत्ति चोरी हुई है। पुजारी संजय मिश्रा की शिकायत पर एकमा थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की जा रही है। प्रभारी थानाध्यक्ष विनायक राम ने बताया कि पुजारी के आवेदन के बाद पुलिस जांच में जुट गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

प्रसव के बाद जीएसटी अधिकारी के नवजात बच्चे की मौत

पटना, एजेंसी। रोहतास जिले के सासाराम से शुक्रवार की रात एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां प्रसव के बाद एक नवजात बच्चे की मौत ने अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। शहर के लालगंज नहर स्थित समर्पण हॉस्पिटल में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सदर एसडीएम डॉ। नेहा कुमारी ने भारी पुलिस बल के साथ अचानक छापेमारी की। प्राप्त जानकारी के अनुसार सासाराम स्थित जीएसटी कार्यालय में कार्यरत महिला अधिकारी ज्योति कुमारी को प्रसव के लिए समर्पण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। प्रसव के कुछ समय बाद ही उनके नवजात बच्चे की मौत हो गई। इसको लेकर महिला अधिकारी ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही और उपचार में कोताही बरतने का आरोप लगाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम डॉ। नेहा कुमारी ने सदर डीएसपी कुमार वैभव के साथ अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया और अस्पताल के कागजात, मेडिकल सुविधाओं तथा ड्यूटी पर तैनात कर्मियों के बारे में पूछताछ की। वहीं, एसडीएम की इस कार्रवाई से अस्पताल कर्मियों में अफरातफरी का माहौल बना रहा। मामले में डीएसपी कुमार वैभव ने बताया कि बच्चे की मौत के कारणों और अस्पताल की कार्यशैली की गहनता से जांच की जा रही है। यदि अस्पताल प्रबंधन की ओर से कोई भी लापरवाही या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो अस्पताल के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और इसका लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। फिलहाल घटना के बाद स्थानीय लोगों में निजी अस्पतालों की मनमानी को लेकर काफी आक्रोश देखा जा रहा है।

बिहार में 'डायन' बताकर महिला पर हमला, बीच-बचाव करने आए पति की मौत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर से अंधविश्वास से जुड़ी एक दर्दनाक खबर सामने आई है। जिले के फकुली थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में महिला को 'डायन' बताकर कुछ ग्रामीणों ने उसके घर पर हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे उसके 72 वर्षीय पति की मौत हो गई। डायन बताकर महिला को कर रहे थे प्रताड़ित : परिजनों के अनुसार, गांव के कुछ लोग पिछले तीन दिनों से महिला को डायन बताकर प्रताड़ित कर रहे थे। शनिवार सुबह करीब 6 से 7 लोग लाठी-डंडा लेकर उनके घर पहुंचे और महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। वहीं शोर सुनकर शख्स अपनी पत्नी को बचाने पहुंचा तो आरोपियों ने उन्हें धक्का दे दिया और लाठी-डंडे से पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि गंभीर रूप से घायल होकर गिरने के बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि अंधविश्वास के नाम पर सुनियोजित तरीके से हमला किया गया, जिससे एक बेगुनाह की जान चली गई। मामले में पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। किसी भी आरोपी को बक्शा नहीं जाएगा। हालांकि मामले में अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। डीएसपी 2 अनिमेष चंद्र ज्ञानी के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कुछ लोग महिला को डायन कहकर विवाद कर रहे थे। इसी दौरान धक्का लगने से महिला के पति गिर पड़े, जिससे उनकी मौत हो गई।

फाइल दबाकर बैठने वाले अफसरों को सीएम सम्राट ने चेताया

बिहार को बदलना है, बिहार को समृद्धि की ओर ले जाना है और विकसित भारत का सपना पूरा करना है : सम्राट चौधरी

पटना, एजेंसी। बिहार का मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सम्राट चौधरी अपने विधानसभा क्षेत्र तारापुर पहुंचे. यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में हिस्सा लिए. इसके साथ ही ढोल पहाड़ी में पर्यटन विकास के योजनाओं का शिलान्यास भी किया. सीएम सम्राट चौधरी ने खुले मंच से लोगों को संबोधित भी किया.

सीएम सम्राट ने फाइल दबाकर बैठने वाले अफसरों को चेताया. इसके साथ ही कहा, बिहार का मुख्यमंत्री बन गया यह सबसे महत्वपूर्ण है साथियों. मैं विधायक तो कई बार रहा हूं, विधान परिषद का सदस्य रहा हूं, लेकिन जिस इलाके में जन्म लिया था पहली बार सेवा करने का मौका मिला है.

आगे कहा, आपके माध्यम से आज प्रदेश में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने बिहार की गद्दी पर बिहार का मुख्यमंत्री बनाने का काम किया, जो मेरे लिए भी चुनौती है. मुझे भी एहसास है कि बिहार को बदलना है, बिहार को समृद्धि की ओर ले जाना है और विकसित भारत का सपना पूरा करना है.

तारापुर में सीएम सम्राट चौधरी ने अतिक्रमण को लेकर कहा, मुझे मालूम हुआ कि मेरे भी घर की सीढ़ी को प्रशासन ने तोड़ने का काम किया. इससे इतना स्पष्ट है कि अगर आपका घर निजी जमीन पर है तो कुछ नहीं होगा. अगर सरकारी जमीन में होगा तो उसको ध्वस्त करना पड़ेगा. साथ ही यह भी कहा, अब सबके घरों पर 1 किलोवाट का सोलर प्लेट लगेगा, जिसके बाद पहले 125 यूनिट फ्री बिजली मिलती थी लेकिन अब 150 यूनिट बिजली मिलेगी.

मुंगेर में सीएम सम्राट के आने से पहले पुलिस और प्रशासन ने व्यवस्था टाइट कर दी थी. तारापुर शहीद चौक पर जो अतिक्रमणकारी फल और ठेले लगाया करते थे, उसे हटा दिया गया था. चारों ओर मुख्यमंत्री के होर्डिंग लगाए गए थे. मुख्यमंत्री के आगमन के कारण सड़क काफी साफ सुथरी और चौड़ी नजर आई.

बिहार में एक और अपराधी का एनकाउंटर, सुनसान पड़े राइस मिल के पास पुलिस ने मारी गोली

पटना, एजेंसी। बिहार में पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है. इस बीच एक और अपराधी का एनकाउंटर किया गया. नवादा जिले में रविवार की सुबह पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें अपराधी के पैर में गोली मारी गई. मामला जिले के रोह थाना इलाके के कोशी गांव के पास का है. फिलहाल, घायल अपराधी का इलाज कराया जा रहा है. पुलिस को अपराधी के पास से देशी कट्टा और कारतूस बरामद होने की भी चर्चा है.

मिली जानकारी के मुताबिक, अपराधी की पहचान टिंकू यादव के रूप में हुई है. टिंकू अशोक मिस्त्री के हत्याकांड में नामजद अभियुक्त था. उसे पुलिस काफी दिनों से ढूंढ रही थी और उस पर 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित था. गुप्त सूचना के आधार पर एसआईटी, जिला आसूचना इकाई और स्थानीय थाना पुलिस ने एक सुनसान पड़े राइस मिल परिसर की घेराबंदी की, जहां कुछ संदिग्ध अपराधियों के छिपे होने की आशंका थी.

सूत्रों के मुताबिक, पुलिस टीम की ओर से सरेंडर की चेतावनी दिए जाने के दौरान बदमाशों की ओर से अचानक फायरिंग शुरू कर दी गई. जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें एक इनामी अपराधी के पैर में गोली लगने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया. टिंकू यादव मूल रूप से जमुई जिले के लछुआड़ का रहने वाला है. वह जिले से जुड़े कई अन्य आपराधिक मामलों में भी नामजद है.

इससे पहले पटना में लूटकांड के अपराधी का एनकाउंटर किया गया था. पटना के रामकृष्ण नगर इलाके के एक ज्वेलरी शॉप में 20 लाख की लूट हुई थी. इसी लूटकांड में शामिल अपराधी दिलीप कुमार का एनकाउंटर किया गया था. इसकी पुष्टि पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने की थी.

बंगाल चुनाव को लेकर कटिहार में बढ़ी निगरानी, अलर्ट मोड में पुलिस

कटिहार, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बिहार के सीमावर्ती जिला कटिहार में चप्पे-चप्पे पर निगरानी बढ़ा दी गई है। पुलिस कप्तान शिखर चौधरी के निर्देश पर सभी थानों को अलर्ट पर रखा गया है। खासकर बॉर्डर से सटे थाने और इलाकों (बारसोई अनुमंडल के बलरामपुर, आजमनगर, आबादपुर, सुधानी, तेलता सदर अनुमंडल के प्राणपुर, रौशना थाना क्षेत्र, मनिहारी अनुमंडल के अमदाबाद थाना) को पूरी तरह अलर्ट कर दिया गया है।

सीमा से सटे प्रमुख सड़कों, चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर अस्थायी चेकपोस्ट बनाए गए हैं। यहां पुलिस पदाधिकारी के साथ पुलिस बल तैनात है। टू व्हीलर, फोर व्हीलर और मालवाहक गाड़ियों की भी सघन जांच की जा रही है। हर आने-जाने वाली गाड़ियों की बारीकी से जांच की जा रही है। गाड़ियों के कागजात, डिक्की और संदिग्ध सामान की सघन तलाशी ली जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध सामग्री की आवाजाही पर रोक लगाई जा सके। पुलिस विशेष रूप से नकदी, हथियार और अन्य संदिग्ध वस्तुओं की आवाजाही पर विशेष नजर रख रही है। इसके लिए टेक्निकल मॉनिटरिंग का भी सहारा लिया जा रहा है। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है और उनकी पहचान का सत्यापन किया जा रहा है। दिन के साथ-साथ रात में भी सीमावर्ती इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, नदी मार्ग और कच्चे रास्तों पर भी पुलिस की पैनी नजर बनी हुई है।

पुलिस का उद्देश्य साफ है कि कोई भी व्यक्ति इन रास्तों का इस्तेमाल कर अवैध गतिविधियों को अंजाम न दे सके। साथ ही पश्चिम बंगाल में चुनाव निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराया जा सके। पुलिस खासकर असामाजिक तत्व पर पैनी नजर बनाए हुई है।

90 हजार की रिश्वत लेते दारोगा गिरफ्तार, निगरानी ने दबोचा

50 हजार डीएसपी को देने की 'डील'

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने शनिवार की देर शाम भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। राजगीर थाना में तैनात पुलिस अवर निरीक्षक देवकांत कुमार को 90 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। निगरानी टीम ने आरोपी को पटना ले जाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

झूठे आर्म्स एक्ट केस में फंसाया गया डॉक्टर: पीड़ित डॉक्टर रविशंकर सिंह ने बताया कि 31 मार्च 2026 को गांव में बच्चों के बीच हुए विवाद के बाद दोनों बच्चों को मेडिकल के लिए राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में दूसरे पक्ष के लोगों ने उन पर हमला करने की कोशिश की तो डॉक्टर ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल हवा में लहराई। इसी आधार पर उन पर झूठा आर्म्स एक्ट का केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया।

जेल से छूटने के बाद रिश्वत की मांग: आठ दिन बाद जेल से छूटकर आने पर राजगीर थाने के एसआई देवकांत कुमार, जो मामले के जांच अधिकारी (ढ्ढह्र) थे, ने डॉक्टर से संपर्क किया। उन्होंने लाइसेंसी पिस्टल छुड़ाने और लाइसेंस रद्द न होने देने के बदले एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी। बाद में दोनों पक्षों में 90 हजार रुपये पर सौदा पक्का हुआ।

निगरानी विभाग में शिकायत, फिर ट्रैप: डॉक्टर रविशंकर सिंह ने पटना स्थित निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई। निगरानी टीम ने प्रारंभिक जांच में मामला सही पाया। इसके बाद एक विशेष दबिश दल गठित किया गया। एसआई देवकांत कुमार ने बकाया रिश्वत लेने के लिए डॉक्टर को राजगीर के सुनसान इलाके में बुलाया।

सुनसान जगह पर रंगे हाथ पकड़ा: निगरानी विभाग के दारोगा श्रीराम चौधरी के नेतृत्व में टीम सादे लिबास में पहले से मौजूद थी। जब एसआई देवकांत कुमार 90 हजार रुपये की रिश्वत ले रहे थे, तब टीम ने उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले आरोपी 20 हजार रुपये भी वसूल चुका था।

बिहार में चोरों ने बच्चों के मिड-डे-मील पर किया हाथ साफ

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर जिले से चोरों द्वारा बच्चों के भोजन पर बुरी नजर डाली गई है। यहां चोर बच्चों का निवाला चुरा कर ले गए हैं। दरअसल जिले के जिले के उजियारपुर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंदौली में चोर विद्यालय का ताला तोड़कर मिड-डे-मील से जुड़ी सामग्री व अन्य सामान उठा ले गए। वहीं घटना के बाद अब पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है।

चोरों ने की बच्चों के निवाले की चोरीः मिली जानकारी के अनुसार जिले के उजियारपुर प्रखंड स्थित रामचंद्रपुर अंधैल के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चंदौली में चोरों ने बच्चों के निवाले की चोरी कर ली। शिक्षक जब विद्यालय पहुंचे तब उन्हें इस घटना की जानकारी हुई। इसके बाद शिक्षकों ने उजियारपुर पुलिस को घटना की सूचना दी। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है।

दो गैस सिलेंडर व अन्य सामग्री ले उड़े चोरः बताया जा रहा है कि चोरों की नजर विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के खाने पर पड़ी है। चोरों ने स्कूल के एक कमरे मे रखे 23 बोरी चावल, 30 किलो दाल, 70 किलो चना, एक जार तेल और 19 किलो के दो गैस सिलेंडर सहित अन्य सामग्री पर अपना हाथ साफ किया है।

स्थानीय लोगों से भी पूछताछ जारीः घटना की सूचना पर पंहुची पुलिस तफ्तीश में जुटी है, वहीं इस मामले मे स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। बच्चों के निवाले चोरी होने के मामले मे उजियारपुर थाना प्रभारी अजीत कुमार के मुताबिक उन्हें स्कूल से मिड डे मिल का समान चोरी होने की सूचना मिली है। मौके पर पंहुच कर पुलिस टीम ने जांच शुरु कर दी है।

भूखे पेट स्कूल से वापस लौटे बच्चेः वहीं वैसे स्कूल से मिड-डे मिल का समान चोरी होने की सूचना पर बड़ी संख्या मे स्थानीय लोग व सम्बंधित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंच गए। सभी में घटना को लेकर काफी आक्रोश है। मामले में स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक के मुताबिक मध्याह्न भोजन का पूरा सामान चोरी होने के कारण, बच्चे भी भूखे हैं वे सभी भूखे पेट ही स्कूल से वापस लौटे।

वैशाख पितृपक्ष में उमड़ा आस्था का सैलाब, नेपाल और भूटान से आए पिंडदानी, पुनपुन के पावन तट पर किया पूर्वजों का पिंडदान

मसौढ़ी, एजेंसी। वैशाख के पावन महीने में पिंडदान की परंपरा पूरे जोरों पर है। मोक्षदायिनी मानी जाने वाली पुनपुन नदी के तट पर इन दिनों नेपाल, भूटान और अन्य देशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शनिवार को यहां करीब 300 विदेशी पिंडदानियों का हुजूम उमड़ पड़ा, जो अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए विधि-विधान से पिंडदान कर रहे हैं।

नेपाल-भूटान से पहुंचे श्रद्धालुः नेपाल और भूटान से आए श्रद्धालुओं ने सबसे पहले पुनपुन नदी में पवित्र स्नान किया। इसके बाद वेदियों पर बैठकर पंडों के मंत्रोच्चार के बीच जौ, तिल, चावल और कुश से बने पिंड अर्पित किए। एक नेपालवासी पिंडदानी ने बताया, 'हमारे शास्त्रों में लिखा है कि गया से पहले पुनपुन में पिंडदान करना जरूरी है। इसलिए पूरा परिवार लेकर यहां आए हैं। यहां आकर मन को असीम शांति मिली और पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। '

भूटान से पहली बार भारत आई महिला भावुकः भूटान से आई एक महिला श्रद्धालु ने बताया कि वे पहली बार भारत आई हैं। उनके पिताजी की इच्छा थी कि पुनपुन में पिंडदान किया जाए। आज उनकी वह इच्छा पूरी हो गई। महिला ने कहा, 'व्यवस्था बहुत अच्छी है। बिहार की धार्मिक परंपरा और आतिथ्य सत्कार देखकर हम अभिभूत हैं। '

पुनपुन को 'आद्य गया' का दर्जा : पुनपुन पांडा समाज के सचिव राकेश उर्फ रिंकू बाबा ने बताया कि इस वर्ष पितृपक्ष के दौरान विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नेपाल और भूटान के अलावा मॉरीशस से भी लोग ऑनलाइन संकल्प लेकर पिंडदान करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुनपुन को 'आद्य गया' कहा जाता है। यहां पिंडदान के बाद ही गया के फल्गु नदी तट पर पिंडदान का पूरा महत्व है। इस बार यह पिंडदान 14 मई तक चलेगा।

पुराणों में चैत्र-वैशाख अमावस्या का विशेष महत्वः नारद पुराण के अनुसार चैत्र और वैशाख माह में किए गए श्राद्ध से पितरों को विशेष तृप्ति मिलती है। अमावस्या को पर्व माना गया है। इस तिथि पर तीर्थ स्नान, दान और पितृ पूजा का विशेष महत्व है। पुनपुन पांडा समिति के पूर्व अध्यक्ष तारीणी मिश्र ने बताया कि पुराणों में चंद्रमा को पितृ लोक बताया गया है। ज्योतिष ग्रंथों के अनुसार कुछ विशेष अमावस्या शुभ फल देती हैं।

पितरों की संतुष्टि के लिए दान और श्राद्धः अमावस्या के दिन पितरों की संतुष्टि के लिए श्राद्ध-तर्पण के साथ जरूरतमंदों को भोजन कराना और दान देना अत्यंत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से दान सीधा पितरों तक पहुंचता है। इस दिन मांसाहार और नशे से दूर रहना चाहिए, अन्यथा पितृदोष लगने की मान्यता है।

प्रशासन की व्यवस्थाएं सराहनीयः प्रशासन की ओर से पुनपुन घाट पर सुरक्षा, साफ-सफाई और टेंट की अच्छी व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं ने बिहार की धार्मिक परंपरा और बेहतर आतिथ्य सत्कार की सराहना की। पुनपुन पांडा समिति के अनुसार 16 दिनों तक यहां श्रद्धालुओं का तांता लगा रहेगा और 14 मई तक यह विशेष पिंडदान जारी रहेगा।

मगध विश्वविद्यालय में पहली बार छात्र महासंगम, जीतन राम मांझी ने किया शुभारंभ

गया , एजेंसी। बिहार के मगध विश्वविद्यालय में पहली बार पूर्ववर्ती छात्र महासंगम का भव्य आयोजन किया गया। बोधगया स्थित विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में 5000 से अधिक पूर्व छात्र शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

64 साल बाद पूर्व छात्रों का संगम : करीब 64 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आयोजित इस महासंगम में विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, उपलब्धियों और चुनौतियों को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं और स्मृतियों का मिलन है, जिसमें पूर्व छात्रों ने अपने पुराने दिनों को फिर से जिया।

1962 में हुई थी स्थापना : विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार, मगध विश्वविद्यालय की स्थापना 1 मार्च 1962 को हुई थी। प्रारंभ में इसे आरा में स्थापित करने की योजना थी, लेकिन तत्कालीन शिक्षा मंत्री सत्येंद्र नारायण सिन्हा के प्रयासों से इसे बोधगया में स्थापित किया गया। शंकराचार्य मठ के महंत सत्यानंद गिरी द्वारा 500 एकड़ भूमि दान में दी गई थी।

पूर्व छात्रों ने मांझी को कहा 'बड़का भैया' : कार्यक्रम में पहुंचे जीतन राम मांझी का पूर्व छात्रों ने मगही अंदाज में 'बड़का भैया' कहकर स्वागत किया। मांझी स्वयं इस विश्वविद्यालय के शुरुआती दौर के छात्र रहे हैं और उन्होंने यहां से अपनी शिक्षा पूरी की थी।

''मगध विश्वविद्यालय के गौरवशाली इतिहास को याद करना हम पूर्ववर्ती छात्रों की जिम्मेदारी है, हम उस दौर में यहां से स्नातक किया है जब विश्वविद्याल ने आगे बढ़ने के लिए कदम रखा था, ये बात भी सही है कि एक समय था जब इस विश्वविद्यालय का पूर्वी भारत में दूसरा स्थान था, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बाद यह सबसे बड़ी विश्वविद्यालय था जहां सबसे बड़ा कैंपस था, लेकिन इसकी हालत बेहद खराब हो गई थी, अब फिर से मगध विश्वविद्यालय ने अपनी पहचान बनाई है।''- जीतन राम मांझी, पूर्ववर्ती छात्र एवं केंद्रीय मंत्री

देश-विदेश से भागीदारी की कोशिश : कार्यक्रम में राजनीति और शिक्षा जगत से जुड़े कई लोग शामिल हुए, लेकिन विदेशों और उच्च पदों पर कार्यरत पूर्व छात्र इस बार नहीं पहुंच सके। वाइस चांसलर प्रो। एस।पी। शाही ने कहा कि अगली बार अमेरिका, लंदन सहित अन्य देशों में कार्यरत पूर्व छात्रों को भी शामिल किया जाएगा।

मंच पर मौजूद जीतन राम मांझी

शिक्षा और सामाजिक बराबरी पर जोर : मांझी ने अपने संबोधन में कहा कि पिछड़े समाज को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश में साक्षरता दर बढ़ी है, लेकिन अनुसूचित जाति में यह अभी भी काफी कम है। उन्होंने समान शिक्षा प्रणाली लागू करने की जरूरत पर बल दिया।

मगध विवि के वीसी का संबोधन : इस अवसर पर मगध विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज 65 वर्षों के इतिहास में बड़ा दिन है, गौरवशाली परंपराओं को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया है, एक नई परंपरा की शुरुआत हुई है, पूर्ववर्ती छात्रों का एक संगठन विश्वविद्यालय स्तर का बनेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के हाल की उपलब्धियों का भी जिक्र किया।

नीतीश कुमार के नाम पर बनेगा परीक्षा भवन : कार्यक्रम के अंत में वाइस चांसलर ने घोषणा की कि 34 करोड़ रुपये की लागत से एक मल्टीपरपस परीक्षा भवन का निर्माण किया जाएगा, जिसका नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखा जाएगा। साथ ही विश्वविद्यालय में एआई आधारित शिक्षा की शुरुआत करने की भी बात कही गई।

संपादकीय

भारत व दक्षिण कोरिया के बीच हुई नई डील के सियासी निहितार्थ

भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति मजबूत होना सबसे ज्यादा मायने रखता है। जहां भारत दक्षिण कोरिया की 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' को आगे बढ़ाने के घोषणाओं से भारत को उत्तर पूर्व एशिया और इंडो पैसिफिक में एक अलग मध्य शक्ति के रूप में स्थापित करने में मदद मिलती है। दुनियाभर में भारत की कूटनीति अपने अनोखे अंदाज के लिए चर्चित रहती आई है, क्योंकि हम तमाम हानि-लाभ की परवाह किए बगैर वसुधैव कुटुंबकम और सर्वे भवंतु सुखिन: के सभ्यता-संस्कृतिगत सिद्धांतों को अमलीजामा पहनाते आए हैं। हालांकि कोई इसे गुटनिरपेक्षता समझता है तो कोई निज स्वार्थपरकता, जो गलत भी नहीं है। आखिर बिना स्वार्थ साधे परमार्थ भी किया जाए तो कैसे? इसलिए व्यवहारम फलदायकम हमारा मूलमंत्र है। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच हुई नई डील (व्यापार, तकनीक, रक्षा और ऊर्जा सहयोग) को इसी नजरिए से देखने की जरूरत है, क्योंकि इससे ही द्विपक्षीय रिश्तों के साथ साथ हिंद प्रशांत के रणनीतिक संतुलन में भी गहरे सियासी निहितार्थ निकलते हैं। आइए क्रमबद्ध तरीके से इसे समझते हैं- पहला, भारत की वैश्विक रणनीतिक स्थिति मजबूत होना सबसे ज्यादा मायने रखता है। जहां भारत दक्षिण कोरिया की विशेष रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के घोषणाओं से भारत को उत्तर पूर्व एशिया और इंडो पैसिफिक में एक अलग मध्य शक्ति के रूप में स्थापित करने में मदद मिलती है। वहीं, दक्षिण कोरिया का भारत नेतृत्व वाली पहलों जैसे इंडिया पैसिफिक ओशियन इनिशिएटिव और सोलर एलायंस में शामिल होना भारत की मल्टी एलायंस रणनीति को वैधता देता है। दूसरा, अमेरिकी चीन टकराव में एक मजबूत तीसरा धुरा, जो संतुलन कारी साबित हो सकता है। दक्षिण कोरिया, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में अमेरिका का मजबूत सहयोगी है, अब भारत के साथ चिप, एआई, ऊर्जा और जल मार्ग जैसे क्षेत्रों में गहरा तकनीकी आर्थिक सहयोग बना रहा है; यह चीन केंद्रित आपूर्ति श्रृंखला से बचने के लिए डी-रिस्किंग रणनीति का हिस्सा है, क्योंकि इससे भारत, अमेरिका जैसे देशों के लिए चीन के बिना एक वैकल्पिक टेक और विनिर्माण हब बनने की दिशा में आगे बढ़ता है, जिससे हिंद प्रशांत में चीन विरोधी छोटे गुटों के लिए भारत का भू रणनीतिक मूल्य बढ़ता है। भारत इसे भुनाने में भी पीछे नहीं रहता, ताकि भारत के पड़ोसियों से चीन के बेहतर होते सम्बन्धों को उसके पड़ोस से साधकर अपना हित वर्द्धन किया जा सके। तीसरा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा असर इसलिए कि भारत और दक्षिण कोरिया के बीच व्यापार 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने के साथ ही चिप से शिप जैसी डील्स को रफ्तार देने से दोनों देश आपूर्ति श्रृंखलाओं में आपसी निर्भरता बढ़ा रहे हैं। इससे किसी भी एक बड़े खिलाड़ी (जैसे चीन या अमेरिका) के दबाव से निकलने की लचीलापन बढ़ता है। इसके अलावा, दोनों देशों ने ऊर्जा आपूर्ति, आर्थिक सुरक्षा वार्ता और नौसैनिक लॉजिस्टिक सहयोग पर भी जोर दिया है, जिससे दक्षिण कोरिया को भी भारत के माध्यम से ईरान और मध्य पूर्व से ऊर्जा तक पहुंच के विकल्प मिलते हैं। इससे भारत को विभिन्न तरह की मजबूती मिलती है। चौथा, चीन और उत्तर कोरिया पर निर्देशित संदेश का रणनीतिक फायदा मिलता है। भारत दक्षिण कोरिया की बढ़ती रक्षा और तकनीकी साझेदारी, खासकर चिप, एआई, डिफेंस इंडस्ट्री और नौसैनिक लॉजिस्टिक पर काम, क्षेत्रीय स्थिरता के नाम पर चीन की समुद्री दबाव रणनीति के खिलाफ एक छोटा बफर बनाती है। यह उत्तर कोरिया के लिए भी यह ज्यादा टेंशन वाला है, क्योंकि दक्षिण कोरिया भारत सहयोग से उसके अपने देश के खिलाफ एक और बाहरी प्रतिनिधित्व बनता है, जो चीन? रूस के साथ उसके एकमात्र बड़े सहयोग पर भी राजनीतिक दबाव डाल सकता है। पांचवां, भारत के भीतरी राजनीतिक लाभ महत्वपूर्ण होते हैं। भारत के लिए यह डील एक ऐसा नारा बनती है जिससे सत्ताधारी गठबंधन यह दिखाने की कोशिश कर सकता है कि मल्टी एलायंस विदेश नीति और तकनीक आधारित वैश्विक फैक्टरी की तस्वीर धीरे धीरे असली हो रही है। इससे चुनावी राजनीति में मजबूत वैश्विक भागीदार बनने की चित्रण रणनीति मजबूत होती है, खासकर जब भारत अमेरिका, जापान, कोरिया और ऑस्ट्रेलिया के साथ अलग अलग गैर आधिकारिक गुटों में एक बड़ा खिलाड़ी बन रहा है। चूंकि इससे भारतीय प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होता है, इसलिए सराहनीय पहल है।

परमाणु ठिकानों को हर हाल में युद्ध के दायरे से बाहर रखा जाए, चाहे वह पारंपरिक युद्ध हो या साइबर युद्ध। इसके लिए वैश्विक सहमति और कड़े प्रतिबंध जरूरी हैं। साथ ही, आइएईए जैसी संस्थाओं को और अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाना होगा, ताकि उन पर सभी देशों का विश्वास कायम रह सके। अगर आज भी दुनिया नहीं चेती, तो कल एक छोटी-सी चूक एक बड़े परमाणु हादसे में बदल सकती है।

अंतरिक्ष में युद्ध की दस्तक! मानव सभ्यता अपने ही बनाए तकनीकी जाल में फंसने जा रही है

(विजन कुमार पांडेय)

अंतरिक्ष युद्ध की भयावहता इसी में है कि उसका असर बहुत व्यापक और दूरगामी होता है। एक उपग्रह का नष्ट होना केवल एक उपकरण का खत्म होना नहीं होता, बल्कि यह उस तंत्र के टूटने की शुरुआत होती है, जिस पर आधुनिक जीवन टिका हुआ है। विश्व भर में युद्ध का स्वरूप जिस तेजी से बदल रहा है, उससे यह आशंका भी गहराती जा रही है कि आने वाले दिनों में यह केवल जमीन, समुद्र या हवा तक सीमित नहीं रहेगा। यह अंतरिक्ष की ओर भी बढ़ता हुआ एक ऐसा संभावित संकट है, जिसकी भयावहता का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। पश्चिम एशिया में संघर्ष से स्पष्ट संकेत मिले हैं कि भविष्य के युद्ध में आसमान और अंतरिक्ष से लड़ने की रणनीति को प्राथमिकता दी जा सकती है। इसमें मानवीय भूमिका कम होगी, लेकिन इसके असर का दायरा व्यापक होगा। आज का युद्ध सीमाओं पर खड़े सैनिकों से ज्यादा उन उपग्रहों पर निर्भर है, जो हजारों किलोमीटर ऊपर चुपचाप पूरी दुनिया की गतिविधियों को संचालित करते हैं। सैन्य रणनीतियों से लेकर मिसाइल और ड्रोन हमलों तक, संचार से लेकर मार्गदर्शन तक, हर चीज अंतरिक्ष से नियंत्रित हो रही है। यही वह बिंदु है, जहां युद्ध एक ऐसे आयाम में प्रवेश कर सकता है, जिसके परिणाम पूरी व्यवस्था के ध्वस्त हो जाने की त्रासदी के रूप में सामने आएंगे। ऐसे में अब समूची मानव सभ्यता को इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि कहीं वह अपनी ही विकसित की गई तकनीकी शक्ति को अपने विनाश का साधन तो नहीं बना रही है? अंतरिक्ष युद्ध की भयावहता इसी में है कि उसका असर बहुत व्यापक और दूरगामी होता है। एक उपग्रह का नष्ट होना केवल एक उपकरण का खत्म होना नहीं होता, बल्कि यह उस तंत्र के टूटने की शुरुआत होती है, जिस पर आधुनिक जीवन टिका हुआ है। जब उपग्रह पर हमले होंगे, तो अंतरिक्ष मलबे के खतरनाक जाल में बदलने लगेगा। हजारों टुकड़ों में बिखरा यह मलबा बंदूक की गोलियों की तरह तेजी से घूमेगा और दूसरे उपग्रहों से टकराकर उन्हें नष्ट कर सकता है। यह एक ऐसा चक्र है, जो शुरू तो किया जा सकता है, लेकिन उसे रोकना संभव नहीं होता। इसका अंजाम यह हो सकता है कि अंतरिक्ष दशकों तक खतरनाक मलबे का कब्रिस्तान बन जाए और समूची मानव सभ्यता तकनीकी रूप से फिर अंधकार युग में धकेल दी जाए। जब अंतरिक्ष में कोई गड़बड़ी होगी, तो उसका असर धरती पर व्यापक रूप से महसूस होगा। एक ऐसी दुनिया की कल्पना भी डराती है, जहां इंटरनेट अचानक बंद हो जाए, मोबाइल नेटवर्क गायब हो जाएं और संचार के सभी साधन पूरी तरह से ठप पड़ जाएं। हवाई जहाज अपने रास्ते से भटक जाए, समुद्र में जहाज अपना रास्ता खो दें, और यहां तक कि आपातकालीन सेवाएं भी काम करना बंद कर दें। अस्पताल के उपकरण, बैंकिंग प्रणाली और आपदा प्रबंधन सब कुछ ठप पड़ जाए। फिर यह किसी एक देश की समस्या नहीं होगी, बल्कि पूरी मानव सभ्यता के ठहर जाने जैसा होगा। तब यह युद्ध बिना बम गिराए भी जीवन की रफ्तार को रोक देगा। तब यह प्रभाव केवल एक तकनीकी समस्या तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीधे-सीधे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव को हिला देगा। आज की दुनिया में डिजिटल तंत्र सिर्फ सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक जीवन रेखा बन चुके हैं। बैंकिंग प्रणाली, आनलाइन वित्तीय लेन-देन, शेयर बाजार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, ये सब कुछ उपग्रह आधारित संचार और मार्गदर्शन पर निर्भर है। वर्तमान परिदृश्य में जहां 'क्रिप्टोकरेंसी' और 'रियल-टाइम ग्लोबल ट्रेडिंग' तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में संभावित अंतरिक्ष युद्ध का खतरा और भी गंभीर हो जाता है। इसके अलावा, बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर कामकाज ठप हो जाने का सीधा असर आम लोगों के जीवन पर पड़ेगा। जरूरी वस्तुओं की कमी हो जाएगी, महंगाई अचानक बढ़ जाएगी और रोजगार पर भी खतरा मंडराने लगेगा। सरकारें आपातकालीन उपाय अपनाने पर मजबूर होंगी, लेकिन डिजिटल निर्भरता इतनी गहरी हो चुकी है कि पारंपरिक प्रणाली तुरंत उसकी भरपाई नहीं कर पाएगी। सबसे खतरनाक बात यह है कि इससे होने वाली तबाही अचानक दबे पांव आएगी- न कोई धमाका, न युद्ध का शोर। व्यवस्था एक ऐसे संकट में घिर जाएगी, जिसकी तुलना किसी भी पारंपरिक युद्ध से करना मुश्किल होगा। दुनिया आज उस खतरनाक मोड़ पर खड़ी है, जहां अब परमाणु ठिकाने भी युद्ध की मार से सुरक्षित नहीं हैं। जो स्थान कभी वर्जित माने जाते थे, आज वे सैन्य रणनीति का हिस्सा बनते जा रहे हैं। यह सिर्फ एक सैन्य रणनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था के ढहने का संकेत है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस खतरे को स्पष्ट रूप से उजागर किया है। यूक्रेन का जापोरिजिया परमाणु संयंत्र, जो यूरोप का सबसे बड़ा संयंत्र है, वह रूसी सेना के हमलों की जद में है। अगर वहां कोई बड़ी दुर्घटना होती है, तो उसका प्रभाव केवल यूक्रेन तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह पूरे यूरोप को अपनी चपेट में ले सकता है। इसी तरह पश्चिम एशिया में तनाव कम होता नजर नहीं आ रहा है। अमेरिका और इजराइल लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खाड़ी देशों के लिए खतरा मानता रहे हैं। पिछले वर्ष अमेरिका की ओर से फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर हमले यह दिखाते हैं कि दुनिया की महाशक्तियां भी अब 'लाल रेखा' को लांघ रही हैं। इस तरह के हमले समाधान नहीं, बल्कि जोखिम और अस्थिरता को कई गुना बढ़ा देते हैं। इस पूरे परिदृश्य का एक और चिंताजनक पहलू है- साइबर युद्ध। अमेरिका की परमाणु सुरक्षा एजंसी में सेंध की कोशिश और वैश्विक ऊर्जा कंपनियों पर 'रैंसमवेयर' हमले यह दिखाते हैं कि परमाणु ढांचों पर अब केवल बम और मिसाइल का नहीं, बल्कि डिजिटल खतरा भी मंडरा रहा है। एक साइबर हमला किसी भी परमाणु रिएक्टर को अस्थिर कर सकता है, जिसके परिणाम किसी परमाणु विस्फोट से कम नहीं होंगे। अंतरराष्ट्रीय कानून स्पष्ट रूप से कहते हैं कि ऐसे ठिकानों पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, जहां से खतरनाक विकिरणों का उत्सर्जन हो सकता है।

10-20 रु. में मिलने वाली झालमुड़ी, लाखों लोगों का रोजगार, हल्के में मत लीजिए सरकार

(सुधांशु माहेश्वरी)

20 रुपये की झालमुड़ी में किसानों से लेकर मजदूरों तक, व्यापारी से लेकर रेहड़ी वालों तक, सभी की मेहनत शामिल होती है।पश्चिम बंगाल चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का झालमुड़ी खाना चर्चा का विषय बन गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 24 घंटे के अंदर पीएम मोदी के उस वीडियो को 100 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। जिस झालमुड़ी का स्वाद पीएम मोदी ने चखा, पश्चिम बंगाल के साथ भारत के कई दूसरे राज्यों में ये लोगों का पसंदीदा स्नैक है। बात चाहे उत्तर प्रदेश की हो, पंजाब की हो, झारखंड की हो या फिर ओडिशा, अलग-अलग नामों से प्रचलित यह स्नैक वहां भी खूब खाया जाता है। इसको बनाना जितना आसान है, इसकी कीमत भी उतनी ही किफायती है। 10 से लेकर 20 रुपये तक में पेट भर झालमुड़ी लोगों को मिल जाती है। झालमुड़ी से लाखों लोगों का घर चलता है। जिन चीजों से मिलकर यह स्नैक तैयार होता है, वही उसकी असल इकोनॉमिक्स है। झालमुड़ी बनाने में मुख्य रूप से मुरमुरा, सरसों का तेल, बारीक कटी सब्जियां, भुनी मूंगफली, उबले आलू, हरी मिर्च और मसालों का इस्तेमाल होता है। इसका मतलब है कि एक 20 रुपये की झालमुड़ी में किसानों से लेकर मजदूरों तक, व्यापारी से लेकर रेहड़ी वालों तक, सभी की मेहनत शामिल है। शुरुआत खेत में फसल की उगाई से होती है, फिर फैक्ट्री में प्रोसेसिंग और अंत में एक ठेले वाले तक उसकी सप्लाई पहुंचती है। इस पूरी प्रक्रिया को झालमुड़ी के उदाहरण से ही समझने की कोशिश करते हैं। झालमुड़ी में सबसे मूल सामग्री मुरमुरा है जो चावल से बनता है। इस अकेले मुरमुरा बनने की प्रक्रिया में खेत में काम करने वाले मजदूर, राइस मिल में काम करने वाले मशीन ऑपरेटर,पैकिंग स्टाफ और ट्रांसपोर्ट सप्लाई में शामिल ड्राइवर्स को नौकरी मिलती है। इसी तरह सरसों का तेल भी झामुढ़ी में इस्तेमाल होता है। इसकी बनने की प्रक्रिया में भी किसान शामिल है, फिर फैक्ट्रियों में उसकी सफाई करने वाला मजदूर है और अंत में उनकी पैकेजिंग में शामिल दूसरे कारीगर। यहां पर भी किसानों से लेकर फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूर, पैकेजिंग में शामिल स्टाफ और ट्रांसपोर्ट में इस्तेमाल हो रहे ड्राइवरों को नौकरी मिल रही है। मसाले भी झालमुड़ी की एक बड़ी यूएसपी हैं जिनके बिना इस स्नैक का स्वाद ही नहीं आ सकता। यहां भी नमक उद्योग, मसाला उद्योग, पैकेजिंग इंडस्ट्री और ट्रांसपोर्ट-लॉजिस्टिक्स तक सब शामिल हैं। झालमुड़ी की सप्लाई चेन तो समझ आ गई है, यह स्नैक देश के लाखों ठेले वालों की एक बड़ी आजीविका भी बन चुका है। केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक भारत में 49.48 लाख रजिस्टर्ड स्ट्रीट वेंडर्स हैं। यहां भी सबसे ज्यादा स्ट्रीट वेंडर उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं जिनकी संख्या 8.49 लाख से भी ज्यादा है। पश्चिम बंगाल में भी बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स मौजूद हैं, हालांकि जानकार मानते हैं कि बड़ी संख्या अब भी रजिस्ट्रेशन के दायरे से बाहर है। यह ध्यान रखना भी जरूरी है कि सभी स्ट्रीट वेंडर फूड आइटम नहीं बेचते हैं। कपड़े, घरेलू सामान और दूसरी चीजें भी बेची जाती हैं। लेकिन यहां ज्यादा बड़ी संख्या फूड स्ट्रीट वेंडर्स की होती है, शहरों में यह चलन और ज्यादा प्रबल दिख जाता है। यही वेंडर्स सड़कों पर झालमुड़ी जैसे नाश्ते बेचते हैं। उसी से उनका घर चलता है और दो वक्त की रोटी मिल पाती है। झालमुड़ी को एक तरह से 'रेल स्नैक' भी कहा जा सकता है। प्लेटफॉर्म पर इंतजार करता यात्री हो या ट्रेन पकड़ने की जल्दी में भागता मुसाफिर, इसकी लोकप्रियता वहां भी साफ दिखती है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6074

5	4	2	6			9	7	3
				4			8	
	1	3	9					
						5		
	3		2	1	4		9	
		4						
					9	1	6	
	5			7				
1	7	9			2	4	3	5

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6073

9	5	2	1	3	4	8	6	7
3	1	7	5	6	8	2	9	4
4	6	8	7	9	2	5	3	1
2	8	5	6	7	1	9	4	3
1	3	4	8	5	9	7	2	6
7	9	6	2	4	3	1	8	5
6	2	1	4	8	5	3	7	9
5	4	9	3	2	7	6	1	8
8	7	3	9	1	6	4	5	2

वर्ग पहेली 6074

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1781 को इस देश के निवासियों द्वारा लॉस एंजिल्स की स्थापना की गई (2)
3. काजू का सबसे अधिक उत्पादन और उपभोग इस देश में होता है (3)
6. नफीरी, एक मंगलवाद्य जिसका नाम बिस्मिल्लाखां के साथ जुडा है (4)
8. प्रबल अभिलाषा, तीव्र उत्कंठा (3)
10. मस्तक, मत्था (3)
11. सुबकी ले लेकर रोना (4)
12. अस्वीकार करना, नकारना, सहमति देना (4)
15. प्रकार, ढंग, विधि (3)
18. घोर ध्वनि करना, गर्जन करना, गाजना (4)
20. नया (2)
21. विस्तार, काला, अनासन्न (2)
22. रहने का ढंग, गिरवी (3)
24. क्रोध या आवेश में आने का भाव, उत्तेजना, झल्लाहट (3)
25. ध्यानी, स्वेच्छाचारी (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. विशिष्ट, अलौकिक, खास (3)
2. स्नान करवाना (4)
3. भ्राता, जो एक ही कुल में उत्पन्न हुआ हो (2)
4. ख्वाहिश, तमन्ना, इच्छा (3)
5. बकवास करना, प्रलाप करना (3)
7. ड्रामा, अभिनेता द्वारा मंच रेडियों, दूरदर्शन आदि पर अभिनय प्रदर्शन (3)
9. पक्षाघात (3)
11. स्वर्ण कर्म, जर निगारी (3)
13. कुल लाल सुर्खी लिए हुए (4)
14. सुप्रसिद्ध कवि कालिदास की प्रसिद्ध कृति (4)
16. कानून के मुताबिक, विधान के अनुसार (4)
17. श्रवण करना, अभिमुख होना, कान देना (3)
19. मुलायम, कोमल (3)
23. सर्वनाम उत्तम पुरूष का बहुवचन (2)

वर्ग पहेली 6073 का हल

प्या	रे	ला	ल		क	त	र
ज	ल	ज			पा	व	न
	मा		त	मा	ल		क
स्व	र्ग	त	रू		मा	न	ना
र		म		ज	ली	ल	
गं	गा	सा	ग	र		से	वा
गा	ज		री		आ	तु	र
	र	की	ब		शा		ना

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा है, लेकिन संभाल लिया तो फायदा आपका ही होगा। काम का दबाव आपको थका सकता है, फिर भी आप जिम्मेदारी निभाते हुए अपने टारगेट पूरे करने में लगे रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों में रुकावट आ सकती है। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना बेहतर रहेगा। खर्चे बढ़ेंगे।

वृष
आज का दिन सोच-समझकर कदम उठाने का है। कानूनी मामलों में थोड़ी परेशानी आ सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखें। विद्यार्थियों को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे कठिन विषय भी आसान लगेंगे। किसी भी निर्णय में दिल से ज्यादा दिमाग का इस्तेमाल करें। भावनाओं में आकर लिया गया फैसला गलत साबित हो सकता है।

कर्क
आज आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता दोनों चरम पर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी या पद मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ मिलकर कोई प्रॉपर्टी डील फाइनल कर सकते हैं। लेकिन अजनबियों पर भरोसा करने से बचें। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है। आपकी तरक्की में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

सिंह
आज आपको संतुलन बनाकर चलने की जरूरत है। आय तो अच्छी होगी, लेकिन खर्च भी तेजी से बढ़ सकते हैं। पिताजी की सेहत पर विशेष ध्यान दें, उनकी लापरवाही आपको चिंता दे सकती है। विरोधियों की बातों में आने से बचें। समझदारी और धैर्य से काम लेंगे तो दिन आपके पक्ष में रहेगा और परेशानियां धीरे-धीरे दूर होंगी।

मिथुन
आज नई जिम्मेदारियां आपका इंतजार कर रही हैं। परिवार में एकता बनी रहेगी, लेकिन भागदौड़ आपको थोड़ा थका सकती है। धीरे-धीरे तनाव कम होगा और आप खुद को बेहतर महसूस करेंगे। खर्चे बढ़ सकते हैं, लेकिन ऊर्जा भी भरपूर रहेगी। जीवनसाथी का साथ आपको मजबूती देगा।

कन्या
आज का दिन धैर्य और समझदारी का है। अपने कामों पर पूरा फोकस रखें और जल्दबाजी से बचें। आपकी मीठी वाणी ही आपको मान-सम्मान दिलाएगी। हालांकि, परिवार में चल रही खटपट आपका मूड थोड़ा खराब कर सकती है। नई जगह जाने या बड़े फैसले लेने से बचें।

तुला
आज का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आया है। कामकाज में सफलता मिलेगी और नई कोशिशें रंग लाएंगी। अविवाहित लोगों के जीवन में प्यार की एंट्री हो सकती है। लेकिन किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचें। दूर के किसी रिश्तेदार से थोड़ी निराशाजनक खबर मिल सकती है। मामा पक्ष से धन लाभ संभव है।

वृश्चिक
आज आप मस्ती के मूड में रहेंगे, लेकिन ध्यान रखें। काम में लापरवाही नुकसान दे सकती है। फोकस बनाए रखना जरूरी है, तभी काम सही समय पर पूरे होंगे। किसी अजनबी की बातों में आकर फैसला लेने से बचें। अच्छी बात ये है कि कोई रुका हुआ सरकारी काम आज पूरा हो सकता है। विद्यार्थी अपने भविष्य को लेकर कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं।

मकर
आज उन्नति के रास्ते खुल रहे हैं। जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज आपको खुश कर देगा। लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी रखें। खासकर किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचें। शौक और आराम की चीजों पर खर्च बढ़ेगा। परिवार में विवाह से जुड़ी खुशखबरी माहौल को खुशनुमा बना देगी। घूमने-फिरने का प्लान भी बन सकता है।

कुंभ
आज का दिन खुशी और समाधान लेकर आया है। कार्यक्षेत्र में किसी जटिल काम को सुलझाने के लिए आपको अपने जूनियर्स की मदद लेनी पड़ेगी और सफलता भी मिलेगी। संतान की संगति पर ध्यान देना जरूरी है। खर्चों में कटौती करके आप अपनी सेविंग मजबूत कर सकते हैं। लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने से मन को राहत मिलेगी।

धनु
आज का दिन नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ने का है। कुछ चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन आप अपनी समझदारी से उन्हें पार कर लेंगे। विद्यार्थी कुछ नया सीखने या करने के लिए उत्साहित रहेंगे। पुरानी गलतियों से सीख लेना आपको आगे बढ़ाएगा। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। नया काम शुरू करने का विचार आएगा।

मीन
आज नौकरीपेशा लोगों के लिए शानदार दिन है। आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और बॉस के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे। प्रमोशन की खुशखबरी मिल सकती है। मामा पक्ष से धन लाभ के योग बन रहे हैं। लेकिन किसी निवेश को लेकर ज्यादा उत्साहित न हों। किसी के कहने पर पैसा लगाना नुकसान दे सकता है। सोच-समझकर ही कदम बढ़ाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

‘भूत बंगला’ की फ्रेंचाइजी बनाना चाहती हैं एकता कपूर

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म ‘भूत बंगला’ इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से धीमी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जी हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ‘भूत बंगला’ की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फुल-फ्लेज्ड फ्रेंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, ‘भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे प्यार और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने की पूरी संभावना है।’ हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं।

‘भूत बंगला’ के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरुआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरुआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपए की कमाई ही कर पाई है।

धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला पर लंबे समय से बायोपिक बनने को लेकर चर्चा चल रही है। अब खबर आ रही है कि इस प्रोजेक्ट में ‘धुरंधर’ फेम सारा अर्जुन मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में पहले कई बार देरी हुई है, मगर अब फिल्म के आगे बढ़ने की संभावना है। खबर यह भी है कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय, यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी।

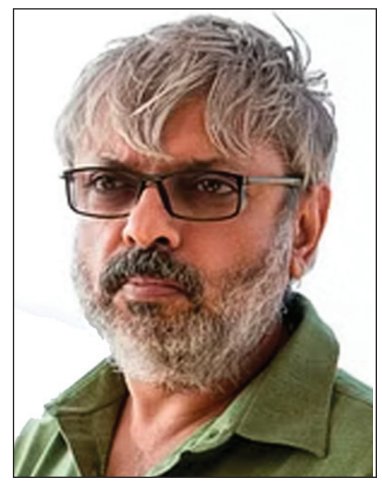

प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अपकमिंग फिल्म का प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होने वाला है। यह फिल्म पहले कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से टल गई थी। अब संजय लीला भंसाली एक प्रोड्यूसर के तौर पर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ेगा।

सारा ने लुक में किए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा अर्जुन ने इस फिल्म के लिए अपने लुक में बदलाव किए हैं। उन्होंने मधुबाला के रोल के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, दिलीप कुमार और किशोर कुमार जैसे दूसरे किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है।

इन कलाकारों के नाम पर हो चुकी चर्चा

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले कियारा आडवाणी को लीड रोल के लिए जा रहा था। सारा से पहले जिन दूसरी एक्ट्रेस को यह रोल ऑफर किया गया था, उनमें कल्याणी प्रियदर्शन, शरवरी और अनीत पड्डा भी शामिल थीं। हालांकि, एक्ट्रेस या मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

कई पहलुओं के दिखाएगी फिल्म

यह अनटाइटल्ड फिल्म इंडस्ट्री में मधुबाला के शानदार करियर के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ और मुश्किलों को भी दिखाने की कोशिश करेगी। दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते से लेकर म्यूजिशियन किशोर कुमार के साथ उनकी शादी तक, यह फिल्म मधुबाला की जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव को दिखाएगी।

ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का पल है ‘आसमानी’ का प्रीमियर

कई बार किसी कलाकार के लिए प्रोजेक्ट उसका सपना बन जाता है। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री और प्रोड्यूसर सयानी गुप्ता के साथ हुआ है, जिनकी शॉर्ट फिल्म ‘आसमानी’ अब दुनिया के सामने पहली बार पेश होने जा रही है। यह सिर्फ एक फिल्म का प्रीमियर नहीं, बल्कि ढाई साल की मेहनत, सीख और संघर्ष का वह पल है, जिसका इंतजार वह लंबे समय से कर रही थीं। इसी खास मौके से पहले उन्होंने अपने इमोशन्स इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा किए। सयानी गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में बताया कि पिछले ढाई साल उनकी जिंदगी के सबसे मेहनत भरे साल रहे हैं, जो अब जाकर 24 घंटे के अंदर एक बड़े मोड़ पर पहुंच रहे हैं। उनकी फिल्म ‘आसमानी’ का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है और वह इसे अपने बच्चे की तरह मानती हैं, जो अब दुनिया को दिखाई जाएगी। उन्होंने लिखा, ‘यह पल मेरे लिए बेहद खास है, और मैं चाहती हूं कि यह फिल्म लोगों के दिल तक पहुंचे।’ इस फिल्म की खास बात यह है कि सयानी गुप्ता ने इसमें अभिनय के साथ इसकी कहानी को खुद लिखा है, निर्देशित किया और प्रोड्यूस भी किया है। यह उनके करियर का वह पड़ाव है, जहां उन्होंने कैमरे के सामने ही नहीं बल्कि कैमरे के पीछे भी अपनी पहचान बनाई है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से भी प्यार और शुभकामनाएं मिल रही हैं। अभिनेत्री और पूर्व मिस यूनिवर्स दीया मिर्जा ने कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके लिए खुशी जताई। उन्होंने कमेंट में लिखा, ‘गुड लक और फ्लाई।’ ‘आसमानी’ सयानी गुप्ता की पहली पूरी तरह से बनाई गई प्रोडक्शन फिल्म है। इसमें मशहूर अभिनेत्री रेवती और अभय कौल जैसे कलाकार नजर आएंगे। इससे पहले सयानी ने कुछ प्रोजेक्ट्स में सह-निर्माता के तौर पर काम किया था लेकिन यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट है, जिसे उन्होंने खुद लीड किया है। सयानी ने पहले बताया था कि यह उनका लंबे समय का सपना था कि वह ऐसी कहानियां बनाएं जो अलग हों और जिनमें नए विचार हों। वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माण में सहयोग और रचनात्मकता को बढ़ावा मिले। इसलिए वह हर प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे, लेकिन पूरी मेहनत और समझ के साथ करना चाहती हैं।

अशनीर ग्रोवर की बायोपिक का हिस्सा नहीं हैं इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान जल्द ही फिल्म ‘अधूरे हम अधूरे तुम’ से बतौर लीड एक्टर वापसी करने वाले हैं। लेकिन इस बीच ऐसी खबरें सामने आई थीं कि इमरान बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में भी नजर आ सकते हैं। बीते दिनों इस बायोपिक से आमिर खान के भी छुड़ने की खबरें सामने आई थीं। अब इमरान खान ने इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है और खबरों के पीछे की सच्चाई से रूबरू करवाया है।

इमरान ने अफवाहों को किया खारिज

इमरान खान ने अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में काम करने की खबरों को सिरे से खारिज किया। अभिनेता ने कहा कि मैंने इस परियोजना के बारे में सुना तक नहीं है। यह सच नहीं है। इस प्रतिक्रिया के साथ ही इमरान ने यह स्पष्ट कर दिया कि वो इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं हैं। वहीं इमरान की प्रतिक्रिया के बाद अब प्रोजेक्ट के अस्तित्व को लेकर भी संदेह पैदा हो रहा है।

आमिर के फिल्म से जुड़ने की थीं खबरें

बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर की बायोपिक बन रही है। इस बायोपिक से आमिर खान के जुड़ने की भी खबरें सामने आई थीं। खबरों में ऐसा दावा किया गया था कि आमिर फिल्म में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। यानि वो अशनीर ग्रोवर की भूमिका में ही नजर आ सकते हैं। साथ ही ये बताया गया था कि फिल्म को राहुल मोदी निर्देशित कर सकते हैं। उनके द्वारा ही फिल्म की कहानी भी लिखी जाने की खबरें सामने आई थीं। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई थी। लेकिन अब इमरान खान ने इस प्रोजेक्ट को लेकर साफ तौर पर इनकार कर दिया है। भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर, शार्क टैंक इंडिया में निवेशक के रूप में आने के बाद बेहद लोकप्रिय हो गए।

इस फिल्म से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे इमरान

वहीं इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो लंबे समय बाद ‘अधूरे हम अधूरे तुम’ से बतौर लीड एक्टर वापसी करेंगे। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर के प्रमुख भूमिका में नजर आने की संभावना है। इमरान खान आखिरी बार इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई फिल्म ‘हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस’ में नजर आए थे। फिल्म में उनकी भूमिका छोटी थी।

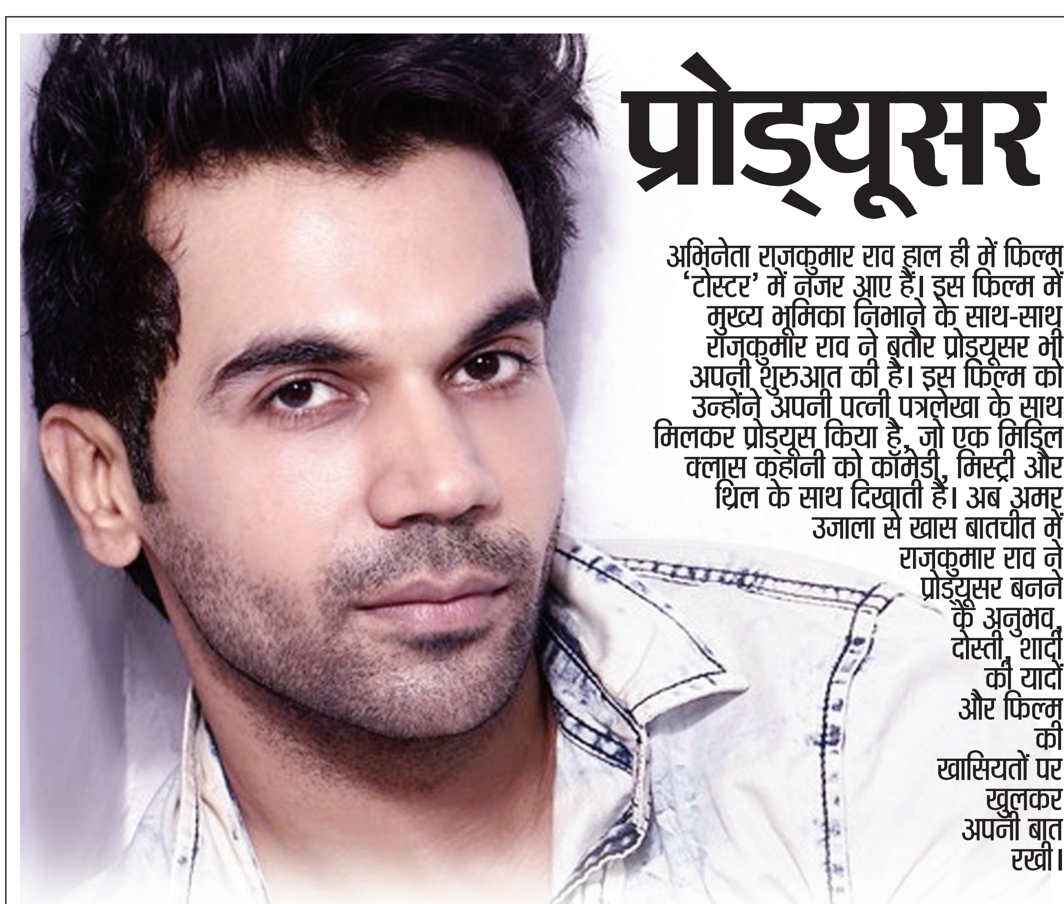

प्रोड्यूसर बनना आसान नहीं

अभिनेता राजकुमार राव हाल ही में फिल्म ‘टोस्टर’ में नजर आए हैं। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ राजकुमार राव ने बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी शुरुआत की है। इस फिल्म को उन्होंने अपनी पत्नी पत्रलेखा के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है, जो एक मिडिल क्लास कहानी को कॉमेडी, मिस्ट्री और थ्रिल के साथ दिखाती है। अब अमर उजाला से खास बातचीत में राजकुमार राव ने प्रोड्यूसर बनने के अनुभव, दोस्ती, शादी की यादों और फिल्म की खासियतों पर खुलकर अपनी बात रखी।

प्रोड्यूसर बनने का अनुभव कैसा रहा और आपने क्या नया सीखा?

मुझे लगता है कि यह मुझे मजबूत बनाने वाला अनुभव है। क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा काम है, बहुत मेहनत है। प्रोड्यूसर होना आसान नहीं है। मैं यही सोचता रहा कि पत्रलेखा ने यह सब कैसे मैनेज किया, उनसे मैंने बहुत कुछ सीखा है। मुझे लगता था कि प्रोड्यूसर का काम बहुत आसान होता होगा। एक बार आपने टीम सेट कर दी, उसके बाद सब हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं है। चौबीसों घंटे हर दिन आपको बहुत सारे फैसले लेने होते हैं। छोटे भी और बड़े भी। लगातार बातें करनी होती हैं, मीटिंग करनी होती है, बहुत सारा पेपरवर्क होता है। हर चीज के लिए हजारों लोगों से संपर्क रखना पड़ता है, तो काम बहुत ज्यादा होता है। चूंकि, हम दोनों अभिनेता हैं, इसलिए हमें क्रिएटिव चीजों पर भी ध्यान देना पड़ता है। एडिट कैसा जा रहा है, डीआई कैसा जा रहा है, साउंड कैसा सुनाई दे रहा है? हर चीज देखनी पड़ती है

पर्दे पर कंजूस किरदार और असल जिंदगी में प्रोड्यूसर, कहीं पैसों का खास ख्याल रखने की प्रैक्टिस तो नहीं चल रही?

यह बिल्कुल एक संयोग है। इसका असल जिंदगी से कोई लेना देना नहीं है। (हंसते हुए) हम लोग असल जिंदगी में बिल्कुल अलग हैं, कंजूस तो बिल्कुल नहीं है। बल्कि हम तो ऐसे प्रोड्यूसर हैं जो चाहते हैं कि सेट पर लोगों को बहुत अच्छा खाना मिले, सबको समय पर खाना दिया जाए। हम खुद इतने साल से अभिनेता हैं, इसलिए हमें ठीक से पता है कि सेट पर किन चीजों से लोगों को दिक्कत होती है, क्या परेशानियां होती हैं। अगर लोग शिकायत करते हैं तो हम चाहते हैं कि ऐसा न हो। अगर कोई बात हम तक पहुंचे तो हम उसे तुरंत ठीक करें, क्योंकि हमें खुद पता है कि क्या सही है और क्या गलत।

बतौर प्रोड्यूसर आपने अपनी पहली फिल्म के लिए डार्क कॉमेडी ही क्यों चुनी?

ऐसा कुछ नहीं था। यह पहली चीज थी जो हमारे पास आई थी। इससे पहले भी हमने कुछ और चीजें पढ़ी थीं, लेकिन यह हमें क्लिक हुई। इसे पढ़कर बहुत मजा आया। इसके किरदार और कहानी बहुत दिलचस्प हैं। हम हमेशा से यही चाहते थे कि यह फिल्म स्ट्रीमिंग के लिए बने। हमें लगा कि इस ओटीटी प्लेटफार्म पर वहां कॉमेडी कम है, तो यह वैसी फिल्म हो सकती है जिसे ऑडियंस खूब पसंद करें। इसमें एक मिडिल क्लास सोसायटी की कहानी है, जिसे बहुत ही मजेदार तरीके से दिखाया गया है। कहानी बहुत रियल है, जो इंडियन फॅमिली से जुड़ी हुई है। सब कुछ बहुत फन तरीके से दिखाया गया है। यह एक अलग तरह की फिल्म है, जिसमें मिस्ट्री भी है, थ्रिल भी है और कॉमेडी भी है।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल में बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन के पहले दिन संक्रमण चिकित्सा पर मंथन

भोपाल । राजधानी भोपाल एक बार फिर राष्ट्रीय चिकित्सा जगत का केंद्र बना, जब जहांनुमा पैलेस में भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं गैस्ट्रोकेयर मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारा आयोजित 11वां एनुअल नेशनल कॉन्फ्रेंस बिग अपडेट 2026 इंफेकॉन का भव्य शुभारंभ हुआ। देशभर से आए वरिष्ठ चिकित्सकों, गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट, फिजिशियन, सर्जन और युवा डॉक्टरों की मौजूदगी में संक्रमण से जुड़ी आधुनिक चुनौतियों और उपचार की नई दिशाओं पर मंथन शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सम्मेलन के पहले दिन विशेषज्ञों ने साफ कहा कि आज संक्रमण केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि तेजी से बदलती चिकित्सा चुनौती है, जिसमें समय पर पहचान, सही एंटीबायोटिक उपयोग और वैज्ञानिक प्रबंधन सबसे अहम है। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. संजय कुमार ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान लगातार बदल रहा है और संक्रमण के क्षेत्र में नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। ऐसे समय में डॉक्टरों का अपडेट रहना बेहद जरूरी है, ताकि मरीजों को विश्वस्तरीय उपचार मिल सके। उन्होंने कहा कि यह मंच अनुभव, शोध और आधुनिक ज्ञान को एक साथ जोड़ने का प्रयास है। पहले वैज्ञानिक सत्र में इन्फेक्शन और इंफ्लेमेशन में अंतर कैसे पहचाना जाए तथा सीआरपी और पीसीटी जांच की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने बताया कि कई बार संक्रमण और सूजन के लक्षण समान दिखाई देते हैं, जिससे गलत उपचार का खतरा बढ़ जाता है। सही जांच और क्लिनिकल समझ से बेहतर निर्णय लिया जा सकता है। इसके बाद रेजिस्टेंट इंफेक्शन के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं के अनुचित उपयोग से बैक्टीरिया दवाओं के प्रति प्रतिरोधक बनते जा रहे हैं, जो आने वाले समय में गंभीर संकट बन सकता है। डॉक्टरों ने जिम्मेदार एंटीबायोटिक उपयोग पर जोर दिया विशाखापट्टनम से आए डॉ. चालापथि राव आचार्य ने कहा, ऐसे राष्ट्रीय चिकित्सा सम्मेलन केवल ज्ञान साझा करने का मंच नहीं होते, बल्कि यह भविष्य की बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था की दिशा तय करते हैं।

हरियाणा से मणिपुर भेजी जा रही थी शराब, ट्रक समेत 20 लाख रुपये की 237 पेटी बरामद

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। आबकारी विभाग की टीम ने शनिवार रात ग्रेटर नोएडा के नॉलेज

पार्क क्षेत्र में एक बड़ी शराब तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। टीम को सूचना मिली कि शारदा गोल चक्कर से रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने वाले रास्ते पर एक संदिग्ध अशोक लीलैंड ट्रक लकड़ी के बाक्स में शराब छिपाकर ले जा रहा है। तुरंत कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिकारियों ने ट्रक को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में लकड़ी के बाक्स के अंदर 237 पेटी हरियाणा मार्का शराब बरामद की गई। शराब की कुल कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई जा रही है। आबकारी विभाग की टीम ने पूरे ट्रक को जब्त कर लिया। मौके पर मौजूद ट्रक चालक लाखाराम को गिरफ्तार कर लिया। वह राजस्थान के बाड़मेर जिले के ग्राम कानासर का निवासी है। पूछताछ में लाखाराम ने बताया कि वह ऑटो पार्ट्स की फर्जी बिल्टी बनाकर यह शराब हरियाणा से बिहार और बंगाल के रास्ते होते हुए मणिपुर ले जा रहा था। अधिकारी सुबोध कुमार ने इस मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार चालक लाखाराम, ट्रक मालिक और संबंधित डिस्टलरी के खिलाफ थाना नॉलेज पार्क मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम अब इस शराब तस्करी के पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है। यह देखा जा रहा है कि शराब कहां से आई, किस डिस्टलरी से सप्लाई हुई और आगे कहां-कहां भेजी जाने वाली थी। तस्करों के अन्य साथियों की भी तलाश की जा रही है।

चार बच्चे पैदा करें हिंदू, एक आरएसएस को समर्पित कर दें:बाबा बागेश्वर

कांग्रेस ने लगाया शिवाजी के अपमान का आरोप

मुंबई, एजेंसी। बाबा बागेश्वर के नाम से मशहूर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर अपने बयान से चौंकाया है। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री ने कहाकि हिंदुओं के कम से कम चार बच्चे होने चाहिए। इनमें से एक बच्चे को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को समर्पित करना चाहिए। बाबा बागेश्वर ने शुक्रवार को डॉ. अबाजी थट्टे सेवा और अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रस्तावित 'भारत दुर्गा मंदिर' के शिलान्यास समारोह में हिंदुओं से अपनी आबादी बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहाकि यह धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए आवश्यक है। इस दौरान आरएसएस चीफ मोहन भागवत, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

आबादी को लेकर सचेत रहें हिंदू

धीरेंद्र शास्त्री ने आगाह किया कि यदि हिंदू अपनी आबादी को लेकर सचेत नहीं रहे तो भविष्य में अस्तित्व का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के कम से कम चार बच्चे होने चाहिए और उनमें से एक को आरएसएस को समर्पित करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि एक बार भारत दुर्गा मंदिर पूरा हो जाने के बाद भारत 'अखंड भारत' (अविभाजित भारत) बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने ऐतिहासिक हस्तियों का संदर्भ देते हुए देशभक्ति की भावना को रेखांकित करने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बीच के संबंधों का उदाहरण दिया। उन्होंने

यह भी उल्लेख किया कि हाल के दिनों में कई हिंदुत्व नेताओं ने आबादी में असंतुलन को लेकर चिंताएं जताई हैं।

वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने शनिवार को प्रवचनकर्ता धीरेंद्र शास्त्री पर छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्थ रामदास से जोड़कर उनका अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक प्रेस वार्ता में कहाकि शिवाजी महाराज और रामदास स्वामी को आपस में न जोड़ें। वे अलग-अलग कालखंडों से संबंधित हैं। यह भाजपा द्वारा इतिहास को विकृत करने का जानबूझकर किया गया प्रयास है।

सपकाल ने आरोप लगाया कि छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान करना भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय नीति है। उन्होंने कहाकि महाराष्ट्र की जनता शिवाजी महाराज के प्रति किसी भी प्रकार का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। धीरेंद्र शास्त्री, (मुख्यमंत्री) देवेंद्र फडणवीस, (केंद्रीय मंत्री) नितिन गडकरी और आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत को महाराष्ट्र से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हालांकि शास्त्री ने इन नेताओं की उपस्थिति में अत्यंत आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं, लेकिन उनमें से किसी ने भी बुनियादी विरोध तक दर्ज नहीं कराया।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि आरएसएस के विचारक एमएस गोलवलकर और हिंदुत्ववादी नेता वीडी सावरकर के लेखन में शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में आपत्तिजनक संदर्भ शामिल हैं। शास्त्री ने कथित तौर पर कहा था कि शिवाजी महाराज ने वर्षों के युद्ध के बाद अपने गुरु समर्थ रामदास से संपर्क किया और अपनी जिम्मेदारियों का त्याग करके विश्राम करने की इच्छा व्यक्त की। शास्त्री ने यह भी दावा किया कि समर्थ रामदास ने छत्रपति शिवाजी द्वारा उन्हें भेंट किया गया मुकुट उनके सिर पर वापस रख दिया और उन्हें शासन जारी रखने का निर्देश देते हुए याद दिलाया कि सच्ची सेवा व्यक्तिगत थकावट के बावजूद अपने दायित्वों को पूरा करने में निहित है। शास्त्री द्वारा की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिन में पहले कहाकि हमारे द्वारा पढ़े गए इतिहास या उपलब्ध पुस्तकों में ऐसा कोई उदाहरण नहीं है।

हिमाचल में हजारों कर्मचारियों को बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने रद्द किया सुक्खू सरकार का एक बड़ा फैसला

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और व्यापक असर वाले फैसले में सुक्खू सरकार को झटका देते हुए हिमाचल प्रदेश भर्ती और सरकारी कर्मचारियों की सेवा की शर्त अधिनियम, 2024 को पूरी तरह रद्द कर दिया है। यह फैसला न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और रोमेश वर्मा की खंडपीठ ने शनिवार को सुनाया, जिसमें एक साथ 445 याचिकाओं का निपटारा किया गया। सुक्खू सरकार ने साल 2024 में विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस अधिनियम को पारित किया था। इसके विरोध में कई कर्मचारियों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि अधिनियम की धारा 3, 5 और 9 संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ हैं। कोर्ट के अनुसार इन धाराओं को हटाने के बाद कानून में कोई ठोस प्रावधान नहीं बचता, इसलिए पूरे अधिनियम को निरस्त करना ही उचित है। अदालत ने यह भी कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस अधिनियम के आधार पर की गई सभी कार्रवाई असंवैधानिक और अमान्य मानी जाएगी। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया कि कर्मचारियों से पहले दिए गए वित्तीय लाभों को वापस लेने, उन्हें देने से इनकार करने या वसूली से जुड़े सभी आदेश और निर्देश अब रद्द माने जाएंगे। साथ ही राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अदालतों के पूर्व फैसलों के अनुरूप कर्मचारियों को उनके सभी लाभ तीन महीने के भीतर उपलब्ध कराएं। दरअसल, यह मामला उन हजारों कर्मचारियों से जुड़ा है जिन्हें वर्ष 2003 के बाद अनुबंध के आधार पर नियुक्त किया

गया था। बाद में इन कर्मचारियों को नियमित तो कर दिया गया, लेकिन उनकी अनुबंध अवधि को नियमित सेवा में नहीं जोड़ा गया और उन्हें उस आधार पर मिलने वाले वित्तीय लाभ भी नहीं दिए गए। इसी को लेकर कर्मचारियों ने अदालत का रुख किया था। कर्मचारियों ने अपनी दलीलों में कहा कि वे इस मामले में सुप्रीम कोर्ट तक जा चुके हैं और वहां से उन्हें राहत भी मिली थी। इसके बावजूद राज्य सरकार ने 2024 में यह अधिनियम लागू किया और 17 जुलाई 2025 को इसके तहत आदेश जारी कर पहले से मिले लाभों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि सरकार को कानून बनाने का अधिकार जरूर है, लेकिन वह कानून के जरिए अदालत के फैसलों को पलट नहीं सकती। उन्होंने इसे न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल बताया।

बसपा के 3 वरिष्ठ नेताओं के निष्कासन की खबरें फेक और तथ्यहीन: मायावती

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी के तीन वरिष्ठ नेताओं के निष्कासन की खबरों को पूरी तरह फेक और तथ्यहीन बताया है। मायावती ने इस संबंध में वायरल हो रहे पत्र का खंडन किया है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया

प्लेटफार्म 'एक्स' पर शनिवार की रात पोस्ट लिखकर इस संबंध में स्थिति स्पष्ट की। इस पोस्ट में मायावती ने लोगों से इस खबर पर ध्यान न देने और मीडिया से ऐसी खबरों के प्रति सावधानी बरतने की अपील की है। 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा, 'जैसा कि सर्वविदित है कि बी.एस.पी. अध्यक्ष, ज़िला ग़ाज़ियाबाद द्वारा कल जय प्रकाश सिंह को तथा बी.एस.पी. अध्यक्ष, ज़िला बुलन्दशहर द्वारा आज धर्मवीर सिंह अशोक, पूर्व विधायक को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया गया, जिसकी काफी चर्चा मीडिया में है, लेकिन आज ही बाद में पाटी के तीन वरिष्ठ लोगों – मेवालाल गौतम, मुनक़ाद अली और नौशाद अली – को पार्टी से निष्कासित करने वाला बी.एस.पी. अध्यक्ष, ज़िला बुलन्दशहर के जाली लेटरपैड पर जारी प्रेस विज्ञप्ति पूर्णत: फेक व फ़र्ज़ी है इसीलिये उस पर क़तई ध्यान नहीं दिया जाये। मीडिया भी ऐसे तथ्यहीन ख़बरों से बचे तथा आगे ऐसे फेक ख़बरों पर ज़रूरी सावधानी बरते अर्थात् पुष्टि/सत्यापन ज़रूर कर ले तो यह उचित होगा।' बता दें कि बुलंदशहर बसपा के जिलाध्यक्ष रवींद्र प्रधान द्वारा एक पत्र जारी किया था जिसमें पूर्व एमएलसी धर्मवीर सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने और पार्टी में अनुशासनहीनता अपनाने के कारण बसपा से निष्कासित किए जाने की बात लिखी थी।

चारमीनार एक्सप्रेस में अचानक लगी आग, भट्टी की तरह जलने लगा कोच; मची अफरा-तफरी

भुवनगिरी , एजेंसी। तेलंगाना के यदाद्री भुवनगिरी जिले में चारमीनार एक्सप्रेस में अचानक आग लग गई। ट्रेन के एक कोच से अचानक तेज लपटें उठने लगीं। जानकारी के मुताबिक उस समय ट्रेन अलेर रेलवे स्टेशन के पास थी। सूत्रों का कहना है कि घटना के वक्त ट्रेन की रफ्तार ज्यादा नहीं थी। यह धीमी गति से आगे बढ़ रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग एस-5 कोच में लगी थी। इसेक बाद अफरा-तफरी मच गई और लोग बाहर निकलने लगे। किसी यात्री के हताहत होने की सूचना फिलहाल नहीं है।

सोशल मीडिया पर ट्रेन में आग लगने के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसमें देखा जा सकता है कि कोच से पहले धुआं उठता है और फिर आग की लपटें खिड़कियों से निकलने लगती है। थोड़ी ही देर में ट्रेन का कोच भट्ठी बन जाता है। चेन की खींचने की वजह से ट्रेन रुक गई। हालांकि कई यात्री ट्रेन रुकने से पहले ही बाहर कूद गए। ट्रेन की रफ्तार ज्यादा ना होने की वजह से बड़ा हादसा टल गया। आग लगने की वजह अब तक साफ नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक

रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और जांच कर रहे हैं। इसके अलावा दमकल की गाड़ियों के प्रयास से आग को बुझा दिया गया है। जानकारों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से ट्रेन में आग लग सकती है। कोच में आग लगने के बाद धुआं उठा तो यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ यात्रियों ने चेन खींच दी। वहीं ट्रेन रुकने से पहले ही कई यात्री खिड़कियों से कूदने लगे। बता दें कि कई बार ट्रेन की तेज गति इस तरह के हादसों को अधिक संगीन बना देती हैं। हालांकि ट्रेन रेलवे स्टेशन के ही पास थी और इसकी गति ज्यादा नहीं थी। इसलिए यह जल्दी रुक भी गई और आग बाकी के कोचों तक नहीं फैली।

बीजेपी बकासुरों की पार्टी बन गई, जो सब कुछ निगल जाती है: संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी के 2/3 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने पर शिवसेना (यूबीटी) ने निशाना साधा। संजय राउत ने शनिवार को कहा, 'सबको पता है कि बीजेपी कैसी राजनीति कर रही है। उनकी राजनीति को एक शब्द में कहें तो वह बेशर्म है। उन्हें कोई शर्म नहीं है। क्योंकि ये वही लोग हैं, जैसे राघव चड्ढा, जो कल तक हमारे दोस्त थे और खुलेआम कहते थे कि बीजेपी गुंडों, बदमाशों और भ्रष्ट लोगों की पार्टी है। और आज वही लोग थोक में उसी पार्टी में शामिल हो गए हैं।' संजय राउत ने कहा कि महाभारत में एक राक्षस था - बकासुर। उसकी भूख कभी खत्म नहीं होती थी, उसका पेट कभी नहीं भरता था। बीजेपी अब बकासुरों की पार्टी बन गई है, जो सब कुछ निगल जाती है। उन्होंने कहा, 'राघव चड्ढा जैसे सात लोग उस नरक जैसी पार्टी में शामिल हो गए हैं। हमें इसका कोई अफसोस नहीं है। उन्हें जल्द ही पता चल जाएगा कि नरक कैसा होता है। विपक्ष कभी कमजोर नहीं होगा। ये छह-सात लोग जो गए हैं, वे कोई जननेता नहीं हैं। ये सिर्फ सोशल मीडिया के पेज-3 नेता हैं, इससे ज्यादा कुछ नहीं।' आम आदमी पार्टी से बगावत कर भाजपा में शामिल हुईं स्वाति मालीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि उनकी पूर्व पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है और इसके नेता अरविंद केजरीवाल अब पहले जैसे नहीं हैं। दिल्ली

में सत्ता गंवाने के महज एक साल बाद,क्क को शुक्रवार को उस समय सबसे बड़ा झटका लगा, जब राघव चड्ढा और मालीवाल समेत 7 राज्यसभा सदस्यों ने एक साथ पार्टी छोड़ दी। बागियों में पार्टी संगठन के अहम चेहरे संदीप पाठक, पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी भी शामिल हैं। शनिवार को कहा कि पार्टी सातों बागी सांसदों को राज्यसभा से अयोग्य घोषित कराने के लिए राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखेगी। संजय सिंह ने कहा, 'दल-बदल रोधी कानून स्पष्ट रूप से कहता है कि राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार का विभाजन या गुटबंदी नहीं हो सकती। इसे कोई कानूनी मान्यता नहीं मिलती, भले ही दो-तिहाई बहुमत हो।' उन्होंने शुक्रवार को इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा के ऑपरेशन लोटस का हिस्सा बताते हुए कहा था कि पंजाब की जनता इन सातों को कभी माफ नहीं करेगी।

मैं बेल पर हूं, मुझ पर 36 केस, ममता बनर्जी पर क्यों नहीं?: राहुल गांधी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए प्रचार अपने चरम पर है। शनिवार को बंगाल में एक रैली के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ममता बनर्जी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर जमकर हमला बोला। उन्होंने टीएमसी और भाजपा के ऊपर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने उनके ऊपर दर्जनों केस करवा रखे हैं, लेकिन ममता बनर्जी के ऊपर कोई केस नहीं है। पूरा देश जानता है कि टीएमसी भ्रष्टाचार में धंसी हुई है, इसके बाद भी इसके नेताओं के ऊपर कोई जांच नहीं है। राहुल ने कहा की ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा जानती है कि असली लड़ाई टीएमसी से नहीं है बल्कि कांग्रेस से है।

पश्चिम बंगाल चुनाव के मद्देनजर कोलकाता में एक रैली को संबोधित कर रहे राहुल गांधी ने ममता सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं अभी बेल पर हूं। उन्होंने कहा, 'आज में यहां आया हूं, मैं बेल पर हूं। नरेंद्र मोदी ने मेरा घर ले लिया। मेरे ऊपर केस कर दिए गए। मेरा सरकारी घर ले लिया गया। मेरी लोकसभा की सदस्यता रद्द कर

दी गई। ईडी ने मेरा 55 घंटे इंटेरोगेशन किया। आखिर ममता दीदी के ऊपर कोई केस क्यों नहीं है। ईडी ने ममता बनर्जी का इंटेरोगेशन क्यों नहीं किया। '

कांग्रेस नेता ने अपने हमले को और भी ज्यादा तीखा करते हुए टीएमसी पर लगे आरोपों की फेहरिस्त खोल दी। उन्होंने कहा, 'पूरा बंगाल जानता है कि तृणमूल के नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। इन्होंने शारदा चिटफंड घोटाला किया। 17 लाख से ज्यादा निवेशकों के पैसे डुबो दिए। इनका 1900 करोड़ रुपए देनदारी का बकाया है।

गुरुग्राम के 51 सेक्टरों में होगा बुलडोजर ऐक्शन; अवैध निर्माण किए जाएंगे जमींदोज

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम के 51 सेक्टरों में अवैध निर्माण पर सोमवार से बुलडोजर चलेगा। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की तरफ से यह कार्रवाई की जाएगी। एचएसवीपी के संपदा अधिकारी एक और दो ने सेक्टर-तीन से लेकर सेक्टर-57 तक विकसित 49 सेक्टरों के अलावा सेक्टर-37सी और सेक्टर-110ए के निवासियों से आग्रह किया है कि वह खुद अतिक्रमण हटा लें। शुक्रवार को एचएसवीपी की संपदा अधिकारी डॉ. अनुपमा मलिक ने सेक्टर-34 स्थित अपने कार्यालय में एक वार्ता को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल से लेकर आठ मई तक तोड़फोड़ की जाएगी। इसको लेकर पांच टीम का गठन किया है, जो अलग-अलग सेक्टरों में तोड़फोड़ करेगी। उन्होंने बताया कि 27 अप्रैल और 28 अप्रैल को सेक्टर-24, 25ए, 27, 43, 31-32ए और 30 में तोड़फोड़ होगी।

29 अप्रैल और 30 अप्रैल को सेक्टर-39, 45, 28, 42 और 51 में बुलडोजर चलेगा। डॉ. मलिक के मुताबिक चार मई और पांच मई को सेक्टर-57, 49, 50, 38, 46, 40 और 41 में तोड़फोड़ की कार्रवाई की जाएगी। सेक्टर-52, 47, 55, 56, 52ए और 53 में छह मई और सात मई को बुलडोजर चलेगा।

चलेगा बुलडोजर

इस दौरान सड़कों पर अवैध रूप बनाए गए किचन गार्डन, निजी पार्क, गमलों, मकानों के ऊंचे रैंप, रेहड़ियों, क्योसक के अलावा अन्य अतिक्रमण और अवैध निर्माण को तोड़ा जाएगा। यह कार्रवाई 29 सेक्टरों में होगी। एचएसवीपी के संपदा अधिकारी-एक राकेश सैनी ने बताया कि उनके कार्यालय अधीन आ रहे 22 सेक्टरों में सोमवार से बुलडोजर चलाया जाएगा। यह कार्रवाई एक जुलाई तक चलेगी। सोमवार को सेक्टर-21 से कार्रवाई की शुरूआत की जाएगी। 28 अप्रैल को भी इस सेक्टर में अभियान चलाया जाएगा। 30 अप्रैल और एक मई को सेक्टर-चार, चार मई को सेक्टर-पांच, छह मई को सेक्टर-तीन, आठ मई को सेक्टर-छह, 11 मई और 14 मई को सेक्टर-सात, 15 और 18 मई को सेक्टर-सात एक्सटेंशन, 19 और 20 मई को सेक्टर-नौ, 21 और 22 मई को सेक्टर-नौए, 25 मई और 26 मई को सेक्टर-10, 28 मई और 29 मई को सेक्टर-10ए, एक जून और दो जून को सेक्टर-12ए, तीन जून और चार जून को सेक्टर-14, पांच जून और आठ जून को सेक्टर-15 के पार्ट एक, नौ जून और 10 जून को सेक्टर-15 के पार्ट दो समेत कई स्थानों पर तोड़फोड़ होगी। संपदा अधिकारी-दो डॉ. अनुपमा मलिक ने बताया कि तोड़फोड़ कार्रवाई के दौरान कब्जा प्रमाण पत्र का उल्लंघन कर रहे मकानों की सूची बनेगी।

मैड्रिड ओपन 2026: मैच के दौरान तबीयत बिगड़ने पर इगा स्वियाटेक टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली। मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को मैच के बीच में ही टूर्नामेंट से हटना पड़ा। अमेरिकी खिलाड़ी Ann Li के खिलाफ खेलते हुए स्वियातेक ने अज्ञात बीमारी के चलते रिटायर हर्ट होने का फैसला किया।

मैच का हाल: ली को मिला फायदा – जब स्वियातेक ने मुकाबला छोड़ा, उस समय एन ली 7-6 (4), 2-6, 3-0 से आगे चल रही थीं। निर्णायक सेट में पिछड़ने के बाद स्वियातेक ने मेडिकल टाइमआउट लिया और कुछ देर बाद कोर्ट पर लौटीं, लेकिन अपनी स्थिति में सुधार न देख उन्होंने मैच से हटने का फैसला किया।

डिफेंडिंग चैंपियन का सफर खत्म – मैड्रिड ओपन 2024 की चैंपियन स्वियातेक इस बार खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही थीं, लेकिन बीमारी के कारण उनका सफर समय से पहले ही समाप्त हो गया। इससे टूर्नामेंट में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

एन ली का शानदार प्रदर्शन – इस जीत के साथ विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज एन ली ने टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की दूसरी जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला Leylah Fernandez से होगा, जहां वह अपनी लय बरकरार रखना चाहेंगी।

'हम पंजाब किंग्स के इस युवा खिलाड़ी की उतनी बात नहीं करते' : पूर्व भारतीय ओपनर

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय ओपनर दीप दासगुप्ता का मानना है कि पंजाब किंग्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज़ प्रभसिमरन सिंह को जितनी चर्चा मिलनी चाहिए, उतनी नहीं मिल रही। उन्होंने कहा, 'हम इस खिलाड़ी की उतनी बात नहीं करते, जितनी करनी चाहिए। पिछले सीजन के बाद भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और इस साल भी वह लगातार रन बना रहे हैं। '

'बहुत सेफ विकेटकीपर हैं प्रभसिमरन '– दासगुप्ता ने प्रभसिमरन की विकेटकीपिंग की भी तारीफ करते हुए कहा, 'वह दुनिया के सबसे बेहतरीन विकेटकीपर नहीं हो सकते, लेकिन एक बहुत ही सेफ कीपर हैं। उनके पीछे खड़े होने से टीम को भरोसा मिलता है और वह ओपनर के तौर पर भी बड़ा फर्क पैदा कर रहे हैं।'

शानदार फॉर्म में चल रहे हैं प्रभसिमरन – Punjab Kings के लिए खेलते हुए प्रभसिमरन सिंह इस सीजन में बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने अब तक 6 पारियों में 287 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 57.40 और स्ट्राइक रेट 192.61 का रहा है। इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाए हैं, जिससे वह टीम के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ बने हुए हैं।

पावरप्ले में रिकॉर्डतोड़ बल्लेबाज़ी – दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 266 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रभसिमरन सिंह और Priyansh Arya ने पावरप्ले में तूफानी बल्लेबाज़ी की। दोनों ने मिलकर पहले 6 ओवर में 116 रन जोड़ दिए, जो आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। प्रभसिमरन ने सिर्फ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और पावरप्ले में ही 23 गेंदों पर 71 रन ठोक दिए।

126 रन की साझेदारी और ऐतिहासिक रन चेज – प्रभसिमरन और प्रियांश आर्या के बीच पहले विकेट के लिए सिर्फ 41 गेंदों में 126 रन की साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। प्रभसिमरन ने 26 गेंदों पर 76 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इस शानदार शुरुआत के दम पर पंजाब किंग्स ने 266 रन का लक्ष्य 6 विकेट रहते और 7 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

पंजाब किंग्स की लगातार जीत – इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार जीत का सिलसिला जारी रखा। टीम अब तक खेले गए सभी मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी ऊंचा है।

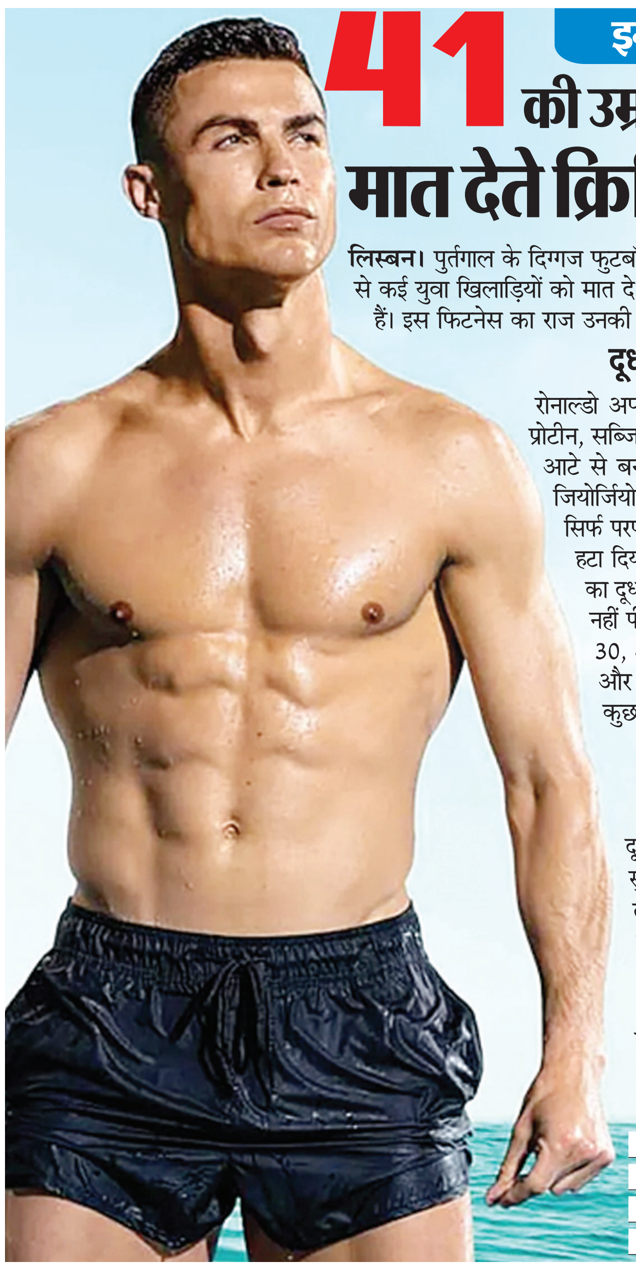

इन चीजों से करते हैं परहेज

41 की उम्र में युवा खिलाड़ियों को मात देते क्रिस्टियानो रोनाल्डो

लिस्बन। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो 41 की उम्र में अपनी फुर्ती से कई युवा खिलाड़ियों को मात दे देते हैं। वह अपने खेल का स्तर शीर्ष पर बनाए रखे हैं। इस फिटनेस का राज उनकी अनुशासित दिनचर्या और सख्त डायट में छुपा है।

दूध को डायट से रखते हैं दूर

रोनाल्डो अपनी डायट से दूध को पूरी तरह बाहर रखते हैं। वह प्रोटीन, सब्जियों और हैल्दी फैट्स पर जोर देते हैं। वहीं, चीनी और आटे से बनीं चीजों से परहेज करते हैं। उनके पूर्व निजी शेफ जियोर्जियो बारोने के अनुसार, रोनाल्डो के डाइट से दूध को न सिर्फ परफॉर्मेंस के कारण बल्कि मान्याताओं के चलते पूरी तरह हटा दिया गया है। वह कहते हैं, इंसान ही है जो दूसरे जानवरों का दूध पीता है। कोई भी अन्य जानवर तीन महीने के बाद दूध नहीं पीता। यह प्रकृति में कहीं नहीं पाया जाता। लेकिन इंसान 30, 40, 50 और 60 साल की उम्र तक दूध पीते रहते हैं और मेरे विचार में यह गलत है। रोनाल्डो थोड़ा-थोड़ा सब कुछ खाते हैं, लेकिन जोर हमेशा हेल्दी चीजों पर रहता है।

जीवनशैली : नींद और बर्फीले पानी से नहाने को प्राथमिकता

दूध को प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन्स से भरपूर सुपर ड्रिंक माना जाता है, फिर भी रोनाल्डो ने इसे पूरी तरह अपने जीवनशैली से बाहर रखा है। इससे उनके शरीर में फैट का स्तर 10 प्रतिशत से नीचे बना रहता है और वह फिट रहते हैं। उनका रूटीन सिर्फ खाने तक सीमित नहीं, वह रिकवरी के तरीकों जैसे नींद और बर्फ के पानी से नहाने को भी प्राथमिकता देते हैं।

ये है रोनाल्डो की डायट

नाश्ते में –	एवाकाडो, कॉफी, अंडे, हैम और फल
लंच में–	चिकन, मछली, ऑलिव्स, सलाद
डिनर में –	मछली या मीट और हरी सब्जियां
(आटे से बनी चीजें, पास्ता, ब्रेड उनकी डायट का हिस्सा नहीं)	

जब प्रीति जिंटा से गले लगकर गदगद हुए चहल, सोशल मीडिया पर मची हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 का 35वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। अरुण जेट्ली स्टेडियम में खेले गए मैच में पंजाब ने दिल्ली को छह विकेट से हराकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया। पंजाब किंग्स की शानदार जीत के जश्न में टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा भी शामिल हुईं। सोशल मीडिया पर उनकी तमाम तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

पंजाब की शानदार जीत

पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज किया। दिल्ली ने केएल राहुल के नाबाद 152 रन की बदौलत 20 ओवर में दो विकेट पर 264 रन बनाए। जवाब में पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह और कप्तान श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 265 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। आईपीएल का यह सबसे सफल रन चेज है। ये रिकॉर्ड पहले भी पंजाब के ही नाम था जिन्होंने 2024 में केकेआर के खिलाफ दो विकेट पर 262 रन बनाए थे। अब पंजाब ने अपने इस रिकॉर्ड में सुधार किया है।

अजेय अभियान जारी

पंजाब का आईपीएल 2026 में अजेय अभियान जारी है और वह अंक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 26 गेंदों पर नौ चौकों और पांच छक्कों की मदद से 76 रन बनाए, जबकि श्रेयस 36 गेंदों पर तीन चौकों और सात छक्कों के सहारे 71 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली के लिए कुलदीप यादव ने दो विकेट झटके, जबकि अक्षर पटेल और विपराज निगम को एक-एक सफलता मिली।

प्रीति जिंटा भी हुईं जीत के जश्न में शामिल

टीम की इस ऐतिहासिक जीत के बाद मैदान पर जश्न का माहौल देखने लायक था। खिलाड़ियों के साथ-साथ टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा भी बेहद उत्साहित नजर आईं और उन्होंने मैदान पर आकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इस दौरान एक खास पल तब देखने को मिला जब युजवेंद्र चहल ने प्रीति जिंटा को गले लगाकर अपनी खुशी जाहिर की। यह भावुक और खुशनुमा पल कैमरों में कैद हो गया और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फैंस इस तस्वीर को खूब पसंद कर रहे हैं और अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

लीग चरण में आधे से ज्यादा मैच हुए पूरे, चार टीमों का दबदबा; कोहली से छिनी ऑरेंज कैप

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में कुल 70 लीग चरण के मुकाबले खेले जाने हैं सभी 10 टीमों ने आधा सफर तय कर लिया है। पहले चरण में पंजाब किंग्स का दबदबा देखने को मिला क्योंकि इस टीम ने अभी तक एक भी मैच नहीं गंवाया है और वह शीर्ष पर बनी हुई है। अब यहां से आईपीएल का मौजूदा सीजन रोमांचक हो जाएगा क्योंकि अब प्लेऑफ की दौड़ बेहद कठिन होगी। यहां से जो भी टीम मैच हारेगी, उसके लिए आगे का सफर मुश्किल होता चला जाएगा।

आईपीएल 2026 में शनिवार को दो मैच खेले गए। पहले मैच में पंजाब किंग्स ने रिकॉर्ड 265 रन का लक्ष्य हासिल किया, तो दूसरे मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने 229 रन का लक्ष्य हासिल किया। आइए देखते हैं कि राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच के बाद अंक तालिका में कौन सी टीम किस स्थान पर है और ऑरेंज और पर्पल कैप फिलहाल किस खिलाड़ी के पास है...

पंजाब शीर्ष पर बरकरार – अंक तालिका में पंजाब किंग्स ने अपना दबदबा बरकरार रखा है। पंजाब सात मैचों से 13 अंक लेकर पहले स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सात मैचों से 10 अंक लेकर दूसरे, सनराइजर्स हैदराबाद आठ मैचों से 10 अंक लेकर तीसरे और राजस्थान रॉयल्स आठ मैचों से 10 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। चेन्नई सुपर किंग्स सात मैचों से छह अंक लेकर पांचवें, दिल्ली कैपिटल्स सात मैचों से 6 अंक लेकर छठे, गुजरात टाइटंस सात मैचों से छह अंक लेकर सातवें, मुंबई इंडियंस सात मैचों से चार अंक लेकर आठवें, लखनऊ सुपर जाएंट्स सात मैचों से चार अंक लेकर नौवें, और कोलकाता नाइट राइडर्स सात मैचों से तीन अंक लेकर 10वें स्थान पर है। समान अंक के बावजूद टीमों की रैंकिंग में नेट रन रेट की वजह से अंतर है।

ऑरेंज-पर्पल की दौड़ में कौन आगे – ऑरेंज कैप सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास है। अभिषेक ने राजस्थान के खिलाफ 29 गेंदों पर 57 रन की पारी खेलकर इसे हासिल किया। अभिषेक के आठ मैचों की आठ पारियों में 380 रन हो गए हैं। इसमें 36 चौके और 28 छक्के शामिल हैं। केएल राहुल सात मैचों की सात पारियों में 357 रन बनाकर दूसरे और वैभव सूर्यवंशी आठ मैचों में 357 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं। मालूम हो कि शनिवार को केएल राहुल और वैभव दोनों ने शतक लगाया था, लेकिन दोनों की टीमों को हार का सामना करना पड़ा। पंजाब के खिलाफ दिल्ली के लिए राहुल ने 67 गेंदों पर नाबाद 152 रन की पारी खेली थी, जबकि राजस्थान के वैभव ने हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंदों पर 103 रन बनाए थे। सीएसके के अंशुल कंबोज के पास पर्पल कैप है। कंबोज ने सात मैचों में 14 विकेट लिए हैं।

पुरुष टी20 में सबसे कम पारियों में वैभव सूर्यवंशी ने जड़े चार शतक, IPL में दूसरी बार लगाया सैकड़ा

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के युवा विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए शानदार शतकीय पारी खेली। इस दौरान उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह पुरुष टी20 में सबसे कम पारियों में चार शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए।

वैभव ने हासिल की बड़ी उपलब्धि – सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए आईपीएल मुकाबले में 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव ने 36 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का दूसरा शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 15 गेंदों में अपना अर्धशतक जड़ा। वह पुरुष टी20 में सबसे कम पारियों में चार शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 26 टी20 पारियों में चार शतक जड़े। इस मामले में उन्होंने उस्मान खान (33 पारियां), साई सुदर्शन (72 पारियां), क्रिस गेल (77 पारियां) और माइकल क्लिंगर (88 पारियां) को पीछे छोड़ा।

रियान पराग की फॉर्म से चिंतित नहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, जल्द बड़ी खेलने की उम्मीद जताई

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि कप्तान रियान पराग का आईपीएल के वर्तमान सत्र में पहले आठ मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन चिंता का विषय नहीं है और उम्मीद जताई कि वह जल्द ही बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेंगे। भारतीय टीम के नियमित खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरेल की मौजूदगी के बावजूद राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी के लिए रियान का चयन चर्चा का विषय रहा है। उन्होंने आठ मैचों में 112.82 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 88 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 20 है। राठौड़ बोले- रियान की बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं राठौड़ ने कहा, रियान की बल्लेबाजी में कोई खामी नहीं है। वह अभ्यास के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। वह कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कभी-कभी खेल में ऐसा ही होता है। कभी-कभी आप ऐसे दौर से गुजरते हैं जहां आप उतने रन नहीं बना पाते जितने बनाना चाहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह खेल का हिस्सा है। वह वापसी करेंगे और मजबूत वापसी करेंगे। मुझे पूरा यकीन है। हम उनकी बल्लेबाजी को लेकर चर्चा कर रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी (234 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 357 रन), यशस्वी जायसवाल (153 के स्ट्राइक रेट से 255 रन) और ध्रुव जुरेल (130 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 232 रन) के शानदार प्रदर्शन के सामने रियान का प्रदर्शन फीका पड़ जाता है। वह रवींद्र जडेजा (132) और डोनोवन फरेरा (130) से भी पीछे हैं।

एनगिडी की हालत स्थिर, जल्द मिलेगी अस्पताल से छुट्टी

आईपीएल मैच में सिर पर लगी थी चोट

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के घातक गेंदबाज लुंगी एनगिडी फील्डिंग करते वक्त चोटिल हो गए। फिजियो ने मैदान पर पहुंचकर उनका हाल जाना, जिसके बाद मैदान पर एंबुलेंस बुलाई गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। अब दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से उनकी हेल्थ को लेकर बड़ा अपडेट दिया गया है। टीम की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा गया, 'एनगिडी की हालत स्थिर है। जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिलेगी।'

- **सिर में लगी गंभीर चोट** – दिल्ली और पंजाब के बीच आईपीएल मुकाबले के दौरान दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी चोटिल को फील्डिंग के दौरान सिर में गंभीर चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया।
- **कैसे हुआ हादसा** – यह हादसा तीसरे ओवर में हुआ, जब दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल रहे एनगिडी मिड-ऑफ से दौड़ते हुए कैच लेने की कोशिश कर रहे थे। बल्लेबाज प्रियांश आर्या के शॉट पर वह गेंद का सही अंदाजा नहीं लगा पाए और संतुलन बिगड़ने के कारण बुरी तरह गिर पड़े। गिरते समय उनके सिर का पिछला हिस्सा जोर से जमीन से टकराया।
- **फिजियो मैदान पर पहुंचे** – घटना के तुरंत बाद मैदान पर मौजूद खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ उनकी मदद के लिए दौड़े। कुलदीप यादव और डेविड मिलर समेत कई खिलाड़ी काफी चिंतित नजर आए।

भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन पर हासिल की जीत

क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जगी

नई दिल्ली । भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी। यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

सिंधू को दिया आराम– उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

बैडमिंटन में हुआ बड़ा बदलाव, अब 15×3 स्कोरिंग सिस्टम से होंगे मैच

नई दिल्ली। बैडमिंटन मैच अब 21म3 नहीं, बल्कि 15म3 स्कोरिंग सिस्टम से खेले जाएंगे। मैच अब 21-21 के तीन गेम की जगह 15-15 के तीन गेम खेले जाएंगे। इस नए स्कोरिंग सिस्टम पर शनिवार को डेनमार्क के होर्सेन्स में बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भारी बहुमत से मुहर लगा दी गई। बैठक में पेश प्रस्ताव को मतदान में 198-43 के अंतर से पारित किया गया है। नया सिस्टम चार जनवरी, 2027 से लागू किया जाएगा।

बीडब्ल्यूएफ की अध्यक्ष ने किया स्वागत– बीडब्ल्यूएफ का तर्क है कि नए सिस्टम से खेल में हाई प्रेशर मूवमेंट जल्दी आएंगे और रोमांचकता बढ़ जाएगी। बैडमिंटन में 21 प्वाइंट वाला मौजूदा प्रारूप साल 2006 में लागू किया गया था। इस प्रारूप में मैच लगातार 45 मिनट से 100 मिनट तक खिंच रहे थे, जिससे प्रसारक नाराज थे। उनकी मांग थी कि पांचों सेगमेंट (पुरुष और महिला एकल, युगल और मिश्रित) के मुकाबले तीन घंटे के भीतर खत्म होने चाहिए। बीडब्ल्यूएफ की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है।

ये होंगे प्रमुख बदलाव

- 60 सेकेंड का मिडगेम ब्रेक 11वें के बजाय 8वें प्वाइंट पर होगा।
- दो गेम के बीच के ब्रेक की अवधि 120 सेकेंड रखी जाएगी।
- 15 प्वाइंट पर पहुंचकर खिलाड़ी को दो प्वाइंट का अंतर बनाना होगा।
- प्वाइंट्स की अधिकतम सीमा 30-29 के बजाय अब 21-20 होगी।

संक्षिप्त समाचार

अपहरण के बाद युवक की हत्या, इलाके में तनाव

पलामू: मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र में अपहरण के बाद एक युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शनिवार रात अगवा किए गए युवक का शव रविवार को बरामद होने से इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है। मृतक की पहचान विनीत तिवारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात रेडमा स्थित समदा आहर के पास कुछ लोगों ने युवक के साथ गाली-गलौज की और फिर उसका अपहरण कर लिया। परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। रविवार को सदर थाना क्षेत्र के जोरकट इलाके से युवक का शव बरामद किया गया। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी स्वयं मौके पर पहुंचे और मामले की जांच का जायजा लिया। अपराधियों तक पहुंचने के लिए स्निफर डॉग की भी मदद ली जा रही है। परिजनों ने अपहरण का आरोप पड़ोसी प्रदीप तिवारी और उसके भाई पर लगाया है, जो फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना से आक्रोशित लोगों ने रेडमा इलाके में सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं, डीएसपी राजीव रंजन ने शव बरामद होने की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की गहन जांच की जा रही है। एसपी कपिल चौधरी ने कहा कि घटना से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए हैं और पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि घटना से जुड़ी कोई भी जानकारी पुलिस को दें, उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी। प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद को घटना का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे आपराधिक कृत्यों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पेंशन व मईयां सम्मान योजना सत्यापन को लेकर प्रशिक्षण, 15 मई तक चलेगा अभियान

हरिहरगंज. हरिहरगंज प्रखंड सभागार में शनिवार को राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न पेंशन योजनाओं एवं मईयां सम्मान योजना के सत्यापन को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस प्रशिक्षण में सेविकाओं, पंचायत सहायकों, पंचायत सचिवों, संबंधित पंचायतों के मुखियाओं, अंचल कर्मियों तथा नगर पंचायत के वार्ड पार्षदों ने भाग लिया. प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि यह विशेष सत्यापन अभियान 15 मई तक संचालित किया जाएगा. अभियान के तहत प्रारंभिक सत्यापन कार्य सेविकाओं द्वारा किया जाएगा, जिसके बाद उसका पुनः सत्यापन पंचायत सचिवों के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि योजनाओं का लाभ सही एवं पात्र लाभुकों तक पहुंचे. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) पारितोष प्रियदर्शी ने की. उन्होंने उपस्थित सभी कर्मियों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं की पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए यह सत्यापन बेहद आवश्यक है. इस मौके पर अंचलाधिकारी मनीष कुमार सिन्हा, नगर पंचायत के उपाध्यक्ष सुशील कुमार रवि, वार्ड पार्षद त्रिपुरारी राम समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं कर्मी उपस्थित रहे. प्रशिक्षण सत्र में योजनाओं के क्रियान्वयन, सत्यापन प्रक्रिया और रिपोर्टिंग से संबंधित विस्तृत जानकारी भी दी गयी.

कोस्को नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

पलामू पलामू में कोस्को नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी मेयर मनोज कुमार सिंह, गौतम सिंह उर्फ डब्ल्यू सिंह, युवा समाजसेवी सह युवाओं के धड़कन मोहम्मद साहिद एवं समाजसेवी आयुष तिर्की उर्फ राजू तिर्की उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर टूर्नामेंट का उद्घाटन किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के खेल आयोजन से युवाओं में ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार होता है। खेल न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है, जिससे वे आगे बढ़कर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं।अतिथियों ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा और उन्हें राज्य स्तर तक पहुंचाने में मदद की जाएगी। टूर्नामेंट में क्षेत्र के कई टीमों ने भाग लिया, जिससे माहौल रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक बना रहा। दर्शकों की भारी भीड़ ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और पूरे आयोजन को सफल बनाया। यह आयोजन पलामू के युवाओं के लिए प्रेरणादायक साबित हो रहा है।

पश्चिमी सिंहभूम के मटकोम बेड़ा गांव में युवक ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम । पश्चिमी सिंहभूम के मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित मटकोम बेड़ा गांव में रविवार को 18 वर्षीय सूरज मछुवा ने अपने ही घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, घटना के समय सूरज अपने तीन छोटे भाई-बहनों के साथ घर पर था। दोपहर के बाद जब उसके भाई-बहन खेलने के लिए बाहर चले गए, तब वह घर में अकेला रह गया। इसी दौरान उसने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। कुछ समय बाद जब परिजन घर लौटे, तो उन्होंने सूरज को फंदे से लटका देखा। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर जांच प्रक्रिया शुरू की। परिजनों के अनुसार, सूरज अपने भाई-बहनों के साथ गांव में ही रहता था, जबकि उसके माता-पिता रोजी-रोटी की तलाश में ओडिशा में मजदूरी करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही माता-पिता भी तत्काल गांव लौट आए। परिवार वालों ने बताया कि सूरज किसी काम में नहीं लगा था और अधिकतर समय घर पर ही रहता था। उसका स्वभाव शांत था और वह कम बोलता था। ऐसे में उसने यह कदम क्यों उठाया, यह बात अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजन भी इस घटना से स्तब्ध हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चाईबासा भेज दिया है। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है, ताकि घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके।

छतरपुर में अवैध स्पिरिट पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 840 लीटर बरामद, 6 गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

छतरपुर (पलामू): पलामू पुलिस द्वारा अवैध शराब एवं स्पिरिट के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत छतरपुर थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध स्पिरिट बरामद की गई तथा छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस संबंध में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध यादव ने बताया कि सूचना मिली थी कि छतरपुर-जपला मुख्य मार्ग स्थित एक शराब दुकान के समीप एक सफेद पिकअप वाहन में अवैध स्पिरिट लोड कर उसे बिहार ले जाया जा रहा है, जबकि एक स्विफ्ट कार द्वारा उसे एस्कॉर्ट किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए इलाके में घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही स्विफ्ट कार का चालक मौके से फरार हो गया, जबकि पिकअप वाहन को पकड़ लिया गया। वाहन की तलाशी लेने पर 24 डिब्बों में करीब 840 लीटर अवैध स्पिरिट बरामद की गई। मौके पर किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकार किया कि उक्त स्पिरिट को अवैध रूप से बिहार ले जाया जा रहा था। इस मामले में छतरपुर थाना कांड संख्या 60/26 दिनांक 26.04.2026 के तहत बीएनएस की विभिन्न धाराओं एवं झारखंड उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में अमन कुमार (18), शंकर दयाल (24), पियूष सिंह (27), प्रिंस कुमार (19), अमन कुमार (22) एवं विकास कुमार (24, बिहार) शामिल हैं। इनके पास से एक पिकअप वाहन (JH02BQ 2869), 24 डिब्बा अवैध स्पिरिट, 5 मोबाइल फोन एवं 11,000 नकद भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने फरार स्विफ्ट कार एवं उसके चालक/मालिक की पहचान कर ली है तथा उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब एवं स्पिरिट के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ओवरलोड हाइवा पर पुलिस का शिकंजा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हरिहरगंज की सरज़मीं पर इन दिनों कानून का डंका कुछ यूँ बज रहा है कि बेनियम ढुलाई करने वालों की नींद उड़ गई है। पीपरा थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस ने बड़ी मुस्तैदी दिखाते हुए ओवरलोड बोल्डर से लदे दो हाइवा ट्रकों को जब्त कर लिया। थाना प्रभारी बिमल कुमार की अगुवाई में सुल्तानी मोड़, एनएच-139 के सर्विस रोड पर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान शक के आधार पर रोके गए दो हाइवा ट्रकों की तलाशी ली गई। जांच में खुलासा हुआ कि दोनों गाड़ियां अपनी क्षमता से कहीं अधिक बोल्डर ढो रही थीं, साथ ही जरूरी कागजात भी अधूरे पाए गए। फौरन कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों हाइवा (जेएच 01 जीएफ 8122) और (जेएच 01 एफएक्स 4988) को जब्त कर पीपरा थाना पहुंचा दिया। मामले की सूचना जिला खनन पदाधिकारी को दे दी गई है और विस्तृत रिपोर्ट भी सौंप दी गई है। थाना प्रभारी ने साफ किया कि जांच रिपोर्ट मिलते ही नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई के बाद ओवरलोडिंग, अवैध खनन और बिना चालान पत्थर ढुलाई करने वाले ट्रक मालिकों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने संकेत दिए हैं कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि सड़कों की सुरक्षा के साथ-साथ अवैध खनन पर भी सख्ती से लगाम कसी जा सके।

रसोई गैस किल्लत को लेकर एसडीओ ने पदाधिकारियों के साथ कि बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू: नगर पंचायत हुसैनाबाद कार्यालय के सभागार में रसोई गैस की किल्लत और उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए गैस एजेंसियों को हर हाल में होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस बैठक में मौजूद अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो ने स्पष्ट किया है कि गैस सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओं को अब भटकने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन उपभोक्ताओं के पास (डीएसी) नंबर है, उन्हें एजेंसी के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है, उनके घर तक गैस पहुंचाई जाएगी।यदि होम डिलीवरी की व्यवस्था में कोताही बरती गई, तो प्रशासन सख्त कदम उठाते हुए सभी होटलों में विधिवत छापेमारी अभियान चलाएगा। प्रशासन के इस कड़े कदम से हुसैनाबाद के स्थानीय निवासियों को लंबी कतारों और गैस की कालाबाजारी से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। वहीं गैस एजेंसी के प्रबंधक रंजन कुमार ने प्रशासन को भरोसा दिलाया है कि मंगलवार से सुचारू रूप से होम डिलीवरी शुरू कर दी जाएगी। इस बैठक के बाद सभी प्रशासनिक अधिकारियों की टीम ने स्वयं गैस एजेंसी कार्यालय पहुंचकर जमीनी स्थिति का जायजा भी लिया। इस बैठक में शहर की व्यवस्था और आपूर्ति को दुरुस्त करने के लिए कई विभाग के अधिकारी शामिल हुए जिसमें अंचलाधिकारी पंकज कुमार ,बीडीओ सुनील कुमार वर्मा ,कार्यपालक पदाधिकारी शशि शेखर सुमन, थाना प्रभारी चंदन कुमार ,आपूर्ति पदाधिकारी मनोज कुमार, पार्षद अनवर आलम एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

एक मई से सड़कों पर ठेला वर्जित, पुलिस क्लब परिसर में लगेगी फल मंडी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मेदिनीनगर: शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से मेदिनीनगर नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। महापौर अरुणा शंकर ने स्पष्ट किया है कि 1 मई से शहर के मुख्य मार्गों पर फल के ठेले लगाने की अनुमति नहीं होगी। इसके बदले सभी फल विक्रेताओं को एक निर्धारित स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा। रविवार को महापौर अरुणा शंकर छह मुहान स्थित सेट पुलिस क्लब परिसर का निरीक्षण करने पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने परिसर की तत्काल सफाई कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर बिना अनुमति फल के ठेले लगाए जा रहे हैं, जिससे यातायात बाधित हो रहा है। महापौर ने बताया कि 1 मई से कचहरी चौक से सर्किट हाउस तक, सादिक मंजिल चौक से छह मुहान तक तथा बाजार क्षेत्र में लगे सभी फल के ठेलों को हटाकर पुलिस क्लब परिसर में एक जगह व्यवस्थित किया जाएगा। यह स्थान शहर के बीचों-बीच होने के कारण लोगों को भी सुविधा होगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित तिथि के बाद यदि कोई भी ठेला मुख्य मार्गों पर अनाधिकृत रूप से खड़ा पाया गया, तो उससे प्रतिदिन 500 का जुर्माना वसूला जाएगा। महापौर ने कहा कि इस व्यवस्था से एक ओर जहां शहर में यातायात सुगम होगा, वहीं दूसरी ओर लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार के फल आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जल्द ही चैनपुर और शाहपुर बाजार को भी व्यवस्थित किया जाएगा। इसके लिए चौपाल के माध्यम से स्थानीय लोगों की सहमति लेकर ठेला लगाने के लिए उपयुक्त स्थान तय किया जाएगा।

खूंटी के सिरका गांव में पारंपरिक जागरण सह मंडा झूलन जतरा का आयोजन, ग्रामीण संस्कृति की दिखी झलक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

खूंटी । खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड अंतर्गत सिरका गांव में रविवार को पारंपरिक जागरण सह मंडा झूलन जतरा का आयोजन किया गया। चाला अखड़ा खोड़हा, सिरका शाखा की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और झारखंड की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान धुंआसी, फुलकुंदी, भगतिया नृत्य और छऊ नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्ययंत्रों की धुन पर कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी, जिससे पूरा वातावरण सांस्कृतिक रंग में रंग गया। साथ ही मेले का भी आयोजन किया गया, जहां ग्रामीणों और आसपास के लोगों ने पारंपरिक संस्कृति, खान-पान और लोक जीवन का आनंद लिया। भगतिया झूलन के बाद 15 खोड़हा दलों द्वारा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। ग्रामीणों ने देर तक इन प्रस्तुतियों का आनंद लिया और कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खूंटी के झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक राम सूर्या मुंडा ने कहा कि इस प्रकार के पारंपरिक आयोजन झारखंड की सभ्यता, संस्कृति और पहचान के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में शामिल होकर वे स्वयं को सौभाग्यशाली महसूस करते हैं। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार, विशेषकर हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गांवों के धुमकुड़िया को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों के बीच पारंपरिक वाद्ययंत्रों का वितरण कर संस्कृति को सहेजने और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आम जनता से झारखंडी परंपरा, लोक कला और संस्कृति के संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि यह हमारी पहचान है और इसे सहेजना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का संचालन झिरगा खालखो ने किया, जबकि उद्घोषक की भूमिका सुमित धनवार ने निभाई। पाहन अनमोल बाखला ने विधिवत पूजन कार्य संपन्न कराया। आयोजन को सफल बनाने में दीपक महतो, मांदी बाखला, पचुआ महतो, गोला देमता, मंगरी खालखो, विजय तिर्की सहित सभी ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम ने गांव में सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना को और मजबूत किया।

जमीन कारोबारी की अपहरण के बाद हत्या, इलाके में सनसनी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पलामू: जिले में अपराधियों ने एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम देते हुए शहर के चर्चित जमीन कारोबारी विनीत तिवारी का अपहरण कर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। रविवार सुबह सदर थाना क्षेत्र के जोरकट इलाके से उनका शव नग्न अवस्था में बरामद होने के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती देर रात अज्ञात अपराधियों ने विनीत तिवारी का फिल्मी अंदाज में अपहरण कर लिया। आशंका जताई जा रही है कि अपराधी पहले से पूरी योजना बनाकर आए थे और सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन तुरंत शहर थाना पहुंचे और मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने पलामू एसपी से मिलकर जल्द से जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है। परिजनों ने आशंका जताई है कि हत्या के पीछे जमीन विवाद या पुरानी रंजिश हो सकती है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी संभावित पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। आसपास के इलाकों में छानबीन की जा रही है और संदिग्धों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में भय का माहौल है, जबकि पुलिस ने जल्द खुलासा करने का दावा किया है।

गढ़वा में वेतन भुगतान पर कड़ी निगरानी, नए नियम लागू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गढ़वा : बोकारो और हजारीबाग में वेतन मद से करोड़ों रुपये की अवैध निकासी के मामलों के सामने आने के बाद झारखंड सरकार सतर्क हो गई है। इसी क्रम में गढ़वा जिला प्रशासन ने वेतन भुगतान और ट्रेजरी प्रबंधन को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर डीडीसी पशुपतिनाथ मिश्रा ने समाहरणालय में आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला में अधिकारियों को नए नियमों की जानकारी दी। कार्यशाला में स्पष्ट किया गया कि अब किसी भी सरकारी कर्मी का वेतन जारी करने से पहले कड़े सत्यापन प्रक्रिया का पालन अनिवार्य होगा। निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों (डीडीओ) को निर्देश दिया गया कि वे प्रत्येक कर्मचारी के नाम, पद, जन्मतिथि और नियुक्ति से जुड़े सभी विवरणों का मिलान सर्विस बुक से करें। साथ ही बैंक खाते की जानकारी का भौतिक सत्यापन पासबुक या कैंसल चेक के माध्यम से करना होगा। प्रशासन ने डिजिटल एम्पलॉयी प्रोफाइल को अपडेट कर उसे फ्रीज करने का भी निर्देश दिया है, ताकि बिना अनुमति कोई बदलाव न हो सके। इसके अलावा सभी कर्मियों के लिए पैन, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी का केवाईसी अपडेट अनिवार्य कर दिया गया है। ओटीपी से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी बरतने और इसे किसी के साथ साझा नहीं करने की हिदायत दी गई है। वित्तीय अनुशासन को मजबूत करने के लिए तीन वर्षों से एक ही पद पर कार्यरत बिलिंग क्लर्कों का स्थानांतरण या कार्य परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है। जिन कार्यालयों में केवल एक क्लर्क कार्यरत है, वहां विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। कोषागार पदाधिकारी प्रशांत मिंज ने बताया कि अब प्रत्येक डीडीओ को यह प्रमाणित करना होगा कि संबंधित कर्मचारी का पूरा सत्यापन किया जा चुका है। बिना प्रमाण के ट्रेजरी से भुगतान जारी नहीं होगा। डीडीसी ने कहा कि सरकारी धन के उपयोग में पारदर्शिता और जिम्मेदारी अत्यंत आवश्यक है। नियमों की अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यशाला में एसडीएम संजय कुमार, श्री बंशीधर नगर एसडीओ प्रभाकर मिर्धा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

लोहरदगा में बराती वाहन दुर्घटनाग्रस्त, पाँच घायल, रिम्स रेफर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

लोहरदगा के कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत कुडू–लोहरदगा मुख्य मार्ग पर स्थित फादर बंगला के निकट रविवार प्रातःकाल एक दुःखद घटना घटित हुई। एक बारात में सम्मिलित वैगनआर वाहन असावधानीवश मार्ग किनारे खड़े एक शुष्क आम वृक्ष से जा टकराया, जिससे उसमें सवार पाँच जन गंभीर रूप से आहत हो गए। विवरण अनुसार, रांची नगर के मधुकम निवासी राजेश साहू अपने परिवार सहित अपनी पुत्री के विवाहोत्सव में सम्मिलित होने हेतु लोहरदगा के गुदरी बाजार स्थित मुंद्रिका बैंक्वेट हॉल पधारे थे। विवाह संपन्न होने उपरांत वे प्रातः लगभग पाँच बजे अपने गृह नगर रांची हेतु प्रस्थान कर रहे थे। इसी क्रम में प्रातः लगभग सात बजे फादर बंगला के समीप वाहन चालक को निद्रा की झपकी आ जाने से वाहन नियंत्रण से बाहर हो गया और मार्ग किनारे स्थित वृक्ष से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन का अग्र भाग पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में परमानंद साहू, राजेश साहू, बंसती देवी, मिली कुमारी एवं जिसिका कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय जनों ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल प्रशासन को सूचित किया, जिसके पश्चात कुडू थाना के सहायक अवर निरीक्षक अविनाश सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों के सहयोग से सभी घायलों को कुडू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहाँ डॉ. आफताब द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों की सलाह पर सभी घायलों को उच्च चिकित्सा हेतु रांची स्थित रिम्स रेफर कर दिया गया। सूचना पाकर पत्रकार बंधु भी स्थल पर पहुंचे तथा घायलों को समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान किया। बाद में परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे और सहायता करने वाले समस्त ग्रामीणों एवं पत्रकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वर्तमान में पुलिस द्वारा दुर्घटनाग्रस्त वाहन को अपने कब्जे में लेकर विधिसम्मत जांच प्रारंभ कर दी गई है।